जबलपुर सोमवार 23 नवम्बर 2026 > कार्तिक शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी

वर्ष 32 अंक 144 मूल्य ₹3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत



अब हर रोज दर्पण
▶▶ 3

मौसम
अधिकतम तापमान 25.8°C
न्यूनतम तापमान 18.6 °C

सूर्योदय - 6.30 | सूर्यास्त - 5.24

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



आईटीआई सतना में छात्रावास निर्माण ...▶▶ 4



जुड़वां बचों की मां बनने के बाद खुद से हुए ..▶▶ 7



राफेल नडाल रियल मैड्रिड के निदेशक मंडल ...▶▶ 9



दिल्ली, राजस्थान समेत देश के कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। राजस्थान के 6 शहरों में बीती रात न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज किया गया। माउंट आबू में पारा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ठंड के कारण गाड़ियों पर ओस जम गई।

राम-सीता की नगरी को जोड़ने वाली ट्रेन का उद्घाटन आज

नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह नई दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह रविवार को नई दिल्ली पहुंच गए हैं। यह उनका पहला द्विपक्षीय दौरा है। पीएम बालेन शाह का सोमवार को राजघाट जाकर महात्मा गांधी की समाधि पर श्रद्धांजलि भी देंगे। इसके बाद पीएम मोदी और बालेन शाह की द्विपक्षीय बैठक होगी। इसके बाद दोनों नेता भगवान राम के जन्मस्थान अयोध्या और नेपाल में देवी सीता के जन्मस्थान जनकपुरधाम के बीच चलने वाली नई ट्रेन का उद्घाटन करेंगे। अयोध्या से जनकपुरधाम तक चलने वाली यह ट्रेन 604 किलोमीटर का सफर तय करेगी। ट्रेन के प्रमुख स्टॉपेज में अयोध्या धाम, गोरखपुर, बस्ती, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, मधुबनी और जयनगर शामिल हैं। यह ट्रेन हफ्ते में एक दिन चलेगी। जनकपुरधाम से हर शनिवार और अयोध्या कैंट से हर सोमवार को रवाना होगी। इससे भारत में भगवान राम की जन्मभूमि और नेपाल में माता सीता की जन्मभूमि के बीच सीधा रेल संपर्क बनेगा। अब दोनों देशों के



श्रद्धालु रामायण से जुड़े इन दो प्रमुख तीर्थस्थलों तक ट्रेन से पहुंच सकेंगे। बिहार और नेपाल के सीमावर्ती इलाकों के लोगों को भी पढ़ाई, कारोबार और परिवार से मिलने के लिए आने-जाने का एक नया विकल्प मिलेगा। इसके अलावा नेपाल ने दूसरे देशों से सीधी उड़ानें बढ़ाने के लिए दो बड़े अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट बनाए हैं। इनमें भैरहवा का गौतम बुद्ध इंटरनेशनल एयरपोर्ट मई 2022 में शुरू हुआ था। इसके बाद पोखरा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जनवरी 2023 में शुरू हुआ। लेकिन एयरपोर्ट बनने के बाद भी यहां अंतरराष्ट्रीय उड़ानें उम्मीद के मुताबिक नहीं बढ़ पाईं।

भारत से क्या चाहता है नेपाल?

नेपाल भारत से महेंद्रनगर के रास्ते पश्चिमी दिशा से आने वाले विमानों को प्रवेश देने की अनुमति मांग रहा है। इस रास्ते को महेंद्रनगर एल626 एयर रूट कहते हैं। अभी इस रास्ते से नेपाल से भारत की तरफ विमान जा सकते हैं, लेकिन भारत की तरफ से इसी रास्ते से नेपाल में सीधे आने की पूरी अनुमति नहीं है। भारत से नेपाल आने के लिए उन्हें दूसरे रास्ते का इस्तेमाल करना पड़ता है। नेपाल चाहता है कि भारत इस रास्ते को दोनों दिशाओं में खोल दे। इससे पश्चिमी देशों और खाड़ी से आने वाले विमान सीधे नेपाल के पश्चिमी हिस्से में पहुंच सकेंगे।

भाजपा-आरएसएस को धर्म की समझ ही नहीं : राहुल

सोशल मीडिया पर साझा की अर्धनारीश्वर प्रतिमा की तस्वीर



नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर तीखा प्रहार किया। उन्होंने एलिफेंटा की गुफाओं में बनी भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त प्रतिमा (अर्धनारीश्वर स्वरूप) की तस्वीर साझा करते हुए दोनों संगठनों को असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी बताया। राहुल का कहना है कि इन संगठनों को भारत की आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की कोई समझ नहीं है। राहुल गांधी ने लिखा, मैं भारतीय आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं को जितना गहराई से समझता जा रहा हूं, यह बात उतनी ही साफ होती जा रही है। भाजपा और आरएसएस असभ्य, लालची, जातिवादी और पुरुषवादी हैं। उन्हें हमारी आध्यात्मिक और धार्मिक परंपराओं की बिल्कुल समझ नहीं है। इस पोस्ट के साथ उन्होंने एलिफेंटा की गुफाओं में बनी भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त प्रतिमा की तस्वीर भी साझा की। इसे अर्धनारीश्वर स्वरूप के रूप में जाना जाता है। अर्धनारीश्वर हिंदू धर्म में भगवान शिव और माता पार्वती का संयुक्त स्वरूप है। इसमें एक ही प्रतिमा में आधा पुरुष और आधा स्त्री रूप दिखाया जाता है। इस स्वरूप में शिव और शक्ति को एक साथ दर्शाया गया है। राहुल गांधी ने इसी प्रतिमा की तस्वीर साझा कर अपनी बात रखी। उनके पोस्ट का संदर्भ भारतीय धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं में स्त्री-पुरुष के संबंधों से जुड़ा है। दरअसल, राहुल गांधी पिछले सप्ताह अपनी मां सोनिया गांधी की किताब 'बिलॉगिंग: ए जर्नी ऑफ लव' के विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपने माता-पिता के रिश्ते का जिक्र करते हुए कहा था कि खाने के समय पापा बैठे होते थे और उनकी गोद में मम्मा बैठी होती थीं। राहुल ने बताया कि बचपन में उन्हें यह सामान्य लगता था। लेकिन जब वह दोस्तों के घर जाते थे और उनके माता-पिता को इस तरह साथ नहीं देखते थे तो हैरान होते थे। उन्होंने दोस्तों से यह भी पूछा था कि उनकी मां उनके पिता की गोद में क्यों नहीं बैठतीं। राहुल ने आगे कहा था कि बाद में उन्होंने अपने परिवार के दो बड़े सहारों को खो दिया। पहले उनकी दादी इंदिरा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी गई और फिर उनके पिता राजीव गांधी की विस्फोट में मौत हो गई।



'सत्यम शिवम सुंदरम'

माता-पिता के रिश्ते पर दिए बयान को लेकर विवाद बढ़ने के बाद राहुल गांधी ने पिछले मंगलवार को एक और पोस्ट की थी। इसमें उन्होंने कहा था कि भाजपा और आरएसएस के समर्थकों के दिलों में डर, गुस्से और नफरत ने जाल बुन दिया है, जिसकी वजह से वे प्यार जाहिर नहीं कर पाते। उन्होंने कहा था कि एक सच्चे हिंदू के तौर पर उनका कर्तव्य है कि वे लोगों को इस जाल से बाहर निकालें, ताकि वे भी प्यार और अपनेपन की खूबसूरती महसूस कर सकें। अपनी पोस्ट के अंत में उन्होंने 'सत्यम शिवम सुंदरम' लिखा था। कांग्रेस ने भी राहुल का समर्थन करते हुए कहा था कि प्यार को छिपाने की जरूरत नहीं है, अपनापन कमजोरी नहीं है और बराबरी की शुरुआत अपने साथी को समान दर्जा देने से होती है।

राज्यसभा सांसद रामराव वडकुते का निधन



नई दिल्ली (वार्ता)। राज्यसभा से महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय जनता पार्टी के रामराव सखाराम वडकुते का नई दिल्ली के एक अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार लगातार खांसी की शिकायत के बाद 20 नवंबर को उन्हें एम्स में भर्ती कराया गया था और करीब आधी रात उनका निधन हो गया। वे इसी साल अप्रैल में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे।

पंजाब में सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी भाजपा

आनंदपुर साहिब। श्री आनंदपुर साहिब पहुंचे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों ने बड़ा राजनीतिक बयान देते हुए कहा कि भाजपा पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। पार्टी राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा पंजाब में जनता की पसंद बन रही है और पार्टी आगामी चुनाव को लेकर अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। पत्रकारों से बातचीत करते हुए ढिल्लों ने कहा कि भाजपा पंजाब के सभी विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ने की रणनीति पर काम कर रही है। पार्टी का लक्ष्य राज्य के हर क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत करना है।



भाजपा सरकार हिमालय सी अडिग : राजनाथ सिंह

उत्तराखंड में प्रदेश कार्यसमिति में रक्षा मंत्री ने दिए 9 मंत्र

हरिद्वार। जिस देवभूमि की सैन्य परंपरा युवाओं में मातृभूमि की रक्षा का जज्बा भरती है, उसी धरती पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं में संगठन के प्रति समर्पण और चुनावी जीत का संकल्प जगाया। सैनिकों के शौर्य, अनुशासन और राष्ट्रनिष्ठा का स्मरण कराते हुए उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को सांगठनिक प्रतिबद्धता के साथ जनता के बीच उतरने का संदेश दिया। भरोसा दिलाया कि उत्तराखंड में भाजपा की सरकार हिमालय की तरह अडिग है, जिस तरह हिमालय को कोई हिला नहीं सकता और मां गंगा की धार को कोई रोक नहीं सकती, उसी तरह जनता के दम पर भाजपा की सरकार को तीसरी बार प्रदेश की सत्ता में आने से कोई ताकत नहीं रोक सकती। हैटट्रिक मारकर भाजपा सरकार राज्य आंदोलनकारियों के हर सपने को साकार करेगी। उत्तराखंड की भाजपा सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में कमल कमाल कर रहा है। प्रदेश पूर्ण साक्षर राज्य बन चुका है और समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश का पहला राज्य है।

कार्यकर्ताओं को नौ मंत्र

1. संगठन सर्वोपरि रखें।
2. जनता के भरोसे पर खरे उतरें।
3. डिजिटल जनसंपर्क बढ़ाएं।
4. व्यक्तिगत हमलों से बचें।
5. युवाओं को संगठन से जोड़ें।
6. आरोपों का जवाब तथ्यों से दें।
7. सरकार की उपलब्धियां घर-घर पहुंचाएं।
8. नैतिकता और अनुशासन अपनाएं।
9. संगठन की एकजुटता बनाए रखें।

कोरोना ने फिर दस्तक दी

नई दिल्ली। साल 2020-23 के बीच दुनियाभर ने कोरोना महामारी के खतरनाक दौर का सामना किया। कोविड-19 रोग का कारण बनने वाला ये वायरस अब पहले जितना प्रभावी तो नहीं रहा है, पर समय-समय पर म्यूटेशन के साथ सामने आने वाले इसके नए वैरिएंट्स लोगों के लिए चिंता जरूर बढ़ाते रहते हैं। पिछले करीब एक साल से कोरोना बिल्कुल शांत स्थिति में था, हालांकि इसमें अब म्यूटेशन के साथ नए वैरिएंट को लेकर फिर से खबरें सामने आ रही हैं। हालिया रिपोर्ट्स में कोविड का एक नया वैरिएंट पीजे-2.1 चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसके स्पाइक प्रोटीन में करीब 24 बदलाव देखे गए हैं।

बहुमत जुटाने विपक्षी सांसदों को तोड़ रही भाजपा: कांग्रेस

परिसीमन को लेकर राशिद अल्वी ने लगाया आरोप



नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राशिद अल्वी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी तरह परिसीमन विधेयक पारित कराना चाहती है। इसके लिए वह दो-तिहाई बहुमत जुटाने की कोशिश कर रही है। अल्वी का दावा है कि सत्तारूढ़ पार्टी विपक्षी सांसदों को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है। अल्वी ने कहा कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम, शिवसेना और शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के सांसदों का समर्थन जुटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि भाजपा यह काम किसी भी तरह कर लेगी। उन्होंने ममता बनर्जी की पार्टी के 20 सांसदों को अलग कर लिया है। अगर वे द्रमुक को अपने साथ कर लेते हैं, तो उसके 22 सांसद हैं। उन्होंने शिवसेना के भी सात से आठ सांसदों को पहले ही अलग कर लिया है।

सोनिया गांधी का इटली वाला पुश्तैनी घर म्यूजियम बना

नई दिल्ली/अमृतसर। इटली में सोनिया गांधी के पुश्तैनी घर को म्यूजियम के रूप में संरक्षित कर दिया गया है। यह जानकारी घर के मालिक सुखदेव सिंह कांग ने अमृतसर में दी। कांग ने गांधी परिवार को इस घर को देखने के लिए आने का न्योता दिया है। कांग ने बताया कि यह जगह केरलम से आने वाले भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करती है। पहले यहां ताला रहता था। अब केयरटेकर नियुक्त की गई है, जिससे पर्यटकों को घर में एंट्री मिल सके। घर में सोनिया के बचपन से लेकर भारत में राजनीतिक करियर तक की झलक मिलेगी। सोनिया गांधी का



जन्म 9 दिसंबर 1946 को इसी गांव में हुआ था। सुखदेव सिंह कांग ने इसे 2020 में खरीदा था।

सपा ने सीट बंटवारे के लिए बनाई कमेटी

लखनऊ

समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ सीट-बंटवारे पर चर्चा करने के लिए रविवार को चार सदस्यीय समिति का गठन किया है। पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को चार सदस्यों का नाम घोषित किया। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सांसद प्रो. रामगोपाल यादव को कमेटी का प्रमुख बनाया गया है। इसमें राज्यसभा सदस्य और पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव, पार्टी के उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्यामलाल पाल, गाजीपुर से लोकसभा सदस्य राजीव राय और शामली के कैराना से लोकसभा सदस्य इकरा चौधरी को रखा गया है। यह समिति अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे को लेकर इंडिया गठबंधन के सहयोगियों के साथ बातचीत और चर्चा करेगी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) के बीच सीट बंटवारे को लेकर समितियों के स्तर पर बातचीत की तैयारी है और दोनों दलों के बीच सीटों के दावों को लेकर मतभेद सामने आए हैं। सीट बंटवारे का फॉर्मूला तय करने के लिए सपा और कांग्रेस ने अपनी-अपनी समितियां तैयार की हैं। दोनों पार्टियों के बीच 23 से 25 नवंबर 2026 के बीच बैठकों का प्रस्ताव है।



कांग्रेस ने बनाया है 5 सदस्यीय पैनल

कांग्रेस ने सीट बंटवारे को लेकर पांच सदस्यीय पैनल बनाया है। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 181 सीटों पर दावा किया है और सपा को 15 दिसंबर तक अंतिम निर्णय लेने की समय सीमा दी है। रिपोर्टों के मुताबिक, कांग्रेस की प्रस्तावित सूची में पश्चिमी यूपी और बुंदेलखंड की सीटें शामिल हैं, जिनमें सपा के मौजूदा विधायकों वाली 22 सीटें भी बताई गई हैं। सपा के 334 सीटों के दावे और 2022 में जीती या दूसरे स्थान पर रही सीटों पर समझौता न करने के रुख से सीटों के बंटवारे को लेकर खींचतान की स्थिति बनी है।

4 राज्य...6 सड़क हादसे, 28 की मौत

नई दिल्ली



देश के चार राज्यों उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार और राजस्थान में रविवार को ऐसे कई बड़े हादसे हुए हैं, जिनमें 28 लोगों की जान चली गई। राजस्थान में कोटा-उदयपुर नेशनल हाईवे पर शंभूपुरा गांव के पास रात 2 बजे तेज रफ्तार क्रूजर गाड़ी सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। इस हादसे में एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई और 6 लोग घायल हैं। राजस्थान में ही कार और ट्रैवल टेम्पो के बीच जोरदार टक्कर में 3 लोगों की मौत हो गई। गुजरात के कच्छ जिले में भुज-खावड़ा नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रक की कार से टक्कर हो गई। ये हादसा इतना खतरनाक हुआ कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, इस हादसे में 7 लोगों की मौत हुई है। गुजरात के जूनागढ़ शहर में एक तेज रफ्तार कार पत्थर से टकराने के बाद पलट गई, जिसके बाद गाड़ी में आग लग गई। कार में आग लगने से तीन लोगों की झुलसकर मौत हो गई। बिहार की राजधानी पटना में रविवार सुबह करीब 4 बजे स्कॉर्पियो गाड़ी को तेज रफ्तार हाइवा ने टक्कर मार दी। इस हादसे में तीन महिलाओं समेत चार लोगों की मौत हो गई है। कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर रविवार तड़के 3 बजे ओवरटेक के चक्कर में आगे चल रहे आलू लादे ट्रक से टूरिस्ट बस टकरा गई। इस हादसे में बस कंडक्टर और एक यात्री की मौत हो गई है।

1996 से आज तक नहीं बदली शहडोल रेलवे स्टेशन की तस्वीर

प्लेटफॉर्म देखकर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी ने जताई नाराजगी

शहडोल (स्वतंत्रमत)



लखनऊ में आयोजित अखिल भारतीय संरक्षा सम्मेलन में शामिल होकर वापस लौट रहे भारतीय रेल यातायात सेवा के वरिष्ठ अधिकारी एवं बिलासपुर के प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी अनूप कुमार सतपथी रविवार को शहडोल रेलवे स्टेशन पर अल्प प्रवास पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया और लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं एवं स्वरूप में अपेक्षित बदलाव नहीं होने पर आश्चर्य व्यक्त किया। रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही सतपथी ने प्लेटफॉर्म की स्थिति देखकर कहा कि जब वे वर्ष 1996 में शहडोल में क्षेत्रीय प्रबंधक के पद पर पदस्थ थे, तब से लेकर आज तक प्लेटफॉर्म की स्थिति में कोई खास बदलाव दिखाई नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि शहडोल बिलासपुर रेल जोन के महत्वपूर्ण स्टेशनों में शामिल है, इसके बावजूद स्टेशन का स्वरूप वर्षों बाद भी लगभग वैसा ही बना हुआ है। इस पर सहायक मंडल अभियंता बी.पी. पांडेय ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शहडोल रेलवे स्टेशन के नवीनीकरण कार्य को स्वीकृति मिल चुकी है। जल्द ही निर्माण एवं विकास कार्य प्रारंभ किया जाएगा, जिससे स्टेशन का स्वरूप बदलेगा और यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। इस अवसर पर प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी अनूप कुमार सतपथी, श्रमिक यूनियन के महामंत्री मनोज बेहरा, सहायक मंडल अभियंता बी.पी. पांडेय तथा शहडोल के क्षेत्रीय प्रबंधक अनूप कुमार बांगरी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अब स्टेशन के कायाकल्प का इंतजार

शहडोल रेलवे स्टेशन संभाग का एक महत्वपूर्ण रेल केंद्र है। ऐसे में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत प्रस्तावित नवीनीकरण कार्य शुरू होने से यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलने और स्टेशन की पुरानी तस्वीर बदलने की उम्मीद जगी है।

गुरु नानक देव का प्रकाश पर्व कल

शहडोल (स्वतंत्रमत)



सिखों के पहले गुरु गुरुनानक देव का प्रकाश पर्व 24 नवम्बर दिन मंगलवार को है। प्रकाश पर्व को समर्पित श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ एवं विशेष कीर्तन दिवान गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा घरौला मोहल्ला शहडोल में सजाए जा रहे है। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व पर भाई दलीप सिंह फक्कड़ पटियाला पंजाब वाले प्रसिद्ध सिख रागी गुरबाणी कीर्तनकार आ रहे हैं। आप गुरु नानक देव के अभिन्न साथी और प्रथम रबाबी भाई मरदाना की 17वीं पीढ़ी (वंशज) से हैं। आप सिख पंथ की प्राचीन 'रबाबी' और 'पुरातन कीर्तन' परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। आप इस अवसर पर विशेष कीर्तन दिवान सजायेंगे। गुरुपर्व पर्व पर गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा मे 22 नवम्बर दिन रविवार को सवेरे 9 बजे गुरुग्रंथ साहिब का अखंड पाठ आरम्भ हो चुका है। 23 नवम्बर सुबह 8.15 से 9.15 बजे तक एवं इसी तरह शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक भाई दलीप सिंह फक्कड़ पटियाला वाले कीर्तन दिवान सजाएगे। उपरंत लंगर की सेवा होगी। 24 नवम्बर मंगलवार सुबह 9 बजे गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ की समाप्ति होगी। सुबह 10.30 से 11.30 तक गुरु घर के हजूरी रागी ज्ञानी धर्म सिंह उसके बाद दोपहर 12.30 बजे तक भाई दलीप सिंह फक्कड़ पटियाला वाले कीर्तन दिवान सजायेंगे। दोपहर 1 बजे अरदास के बाद लंगर की सेवा होगी। शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक भाई दलीप सिंह फक्कड़ पटियाला वाले कीर्तन दिवान सजाएगे। 9 बजे अरदास के बाद लंगर की सेवा होगी। 24 नवम्बर को रात में आतिशबाजी का कार्यक्रम भी होगा। गुरु नानक देव के प्रकाश पर्व के लिए गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा को विशेष रूप से सजाया गया है। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा की कमेटी ने शहडोल के नागरिकों से अपील की है कि गुरु नानक देव के प्रकाश पर पर आयोजित सभी कार्यक्रमों में शामिल हो एवं गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करें।

जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी विजेता



जयसिंहनगर (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेंडर के अनुसार शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में 20 एवं 21 नवंबर को जिला स्तरीय पुरुष वर्ग की खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा जिला कार्य समिति सदस्य रामनारायण पांडेय जयसिंहनगर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य उत्तम सिंह ने की। इस अवसर पर डॉ. यदुवीर मिश्रा, प्राध्यापक की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रतियोगिता में पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल, शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी एवं शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर की टीमों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। खिलाड़ियों ने खेल भावना, अनुशासन एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। प्रतियोगिता में शासकीय महाविद्यालय ब्यौहारी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर की टीम दूसरे स्थान पर रही, जबकि पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय शहडोल की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। अतिथियों ने विजेता एवं प्रतिभागी टीमों के खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा कहा कि खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों में अनुशासन, टीम भावना, नेतृत्व क्षमता एवं शारीरिक दक्षता का विकास करती हैं।

संत शिरोमणि श्री नामदेव महाराज की जयंती पर ब्यौहारी में निकाली गई शोभायात्रा

ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)



संत शिरोमणि श्री नामदेव महाराज की 756वीं जयंती के अवसर पर नामदेव समाज विकास परिषद ब्योहारी के तत्वावधान में भव्य जयंती महोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर नगर में आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बना। समाज के वरिष्ठजन, युवा, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में समाजबंधु आयोजन में शामिल हुए। शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु पीले दुपट्टे धारण कर और हाथों में भगवा ध्वज लेकर संत नामदेव महाराज के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़े। नगर के विभिन्न मार्गों से निकली शोभायात्रा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। बारिश के बीच भी समाज के लोगों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ सहभागिता निभाते हुए सामाजिक एकता और संगठन शक्ति का परिचय दिया।

जयंती समारोह में जनप्रतिनिधियों की रही गरिमामयी उपस्थिति

शोभायात्रा के पश्चात आयोजित जयंती समारोह में क्षेत्रीय विधायक शरद कोल एवं नगर पालिका अध्यक्ष कृष्ण गुप्ता राजन अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंच को आकर्षक ढंग से सजाया गया था तथा संत नामदेव महाराज के चित्र के समक्ष श्रद्धा व्यक्त की गई। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। इस अवसर पर संत शिरोमणि नामदेव महाराज के जीवन चरित्र, उनकी भक्ति, आध्यात्मिक विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश का स्मरण किया गया। अतिथियों ने समाजजनों को जयंती की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक एकता, शिक्षा और संगठन की मजबूती पर जोर दिया। साथ ही नई पीढ़ी को शिक्षा, संस्कार और समाज की गौरवशाली परंपराओं से जोड़ने का आह्वान किया।

आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

समारोह में उपस्थित समाजबंधुओं ने संत नामदेव महाराज के बताए मार्ग पर चलने तथा उनके आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प लिया। संत नामदेव महाराज की 756वीं जयंती का यह आयोजन धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकजुटता और सांस्कृतिक परंपरा का संदेश देने वाला रहा। बारिश के बीच निकली भव्य शोभायात्रा ने समाज की श्रद्धा, समर्पण और एकता की अनूठी मिसाल पेश की।

ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का करें उपयोग, बच्चों और बुजुर्गों का रखें विशेष ध्यान : सीएमएचओ

शहडोल (स्वतंत्रमत)



जिले में लगातार बढ़ रही ठंड को देखते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. राजेश मिश्रा ने नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने नागरिकों से ठंड से बचाव के लिए आवश्यक सावधानियां बरतने तथा विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों का ध्यान रखने की अपील की है। सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने कहा कि ठंड के मौसम में शरीर को गर्म रखना बेहद जरूरी है। नागरिक स्वेटर, गर्म कपड़े, टोपी, मफलर एवं दस्तानों का उपयोग करें। सुबह और शाम के समय ठंडी हवाओं के सीधे संपर्क में आने से बचें। बच्चों और बुजुर्गों को विशेष सावधानी रखने की आवश्यकता है। ठंड से बचाव के लिए गर्म पानी, चाय एवं सूप का सेवन करें। शरीर को पर्याप्त गर्म रखने के साथ खानपान का भी विशेष ध्यान रखें। आवश्यकता अनुसार गर्म कपड़ों का उपयोग करें और ठंड के दौरान अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचें। सीएमएचओ ने आग से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने के लिए अलाव, अंगीठी एवं हीटर का उपयोग सावधानीपूर्वक करने की सलाह दी है। विशेष रूप से बंद कमरे में अंगीठी जलाकर नहीं सोना चाहिए। इससे जहरीली कार्बन मोनोऑक्साइड गैस बनने और दम घुटने का गंभीर खतरा हो सकता है। हीटर एवं अन्य ताप उपकरणों को भी सुरक्षित दूरी पर रखें। सीएमएचओ डॉ. राजेश मिश्रा ने जिलेवासियों से अपील की है कि बदलते मौसम और बढ़ती ठंड को देखते हुए स्वयं एवं अपने परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें तथा आवश्यक सावधानियां अपनाकर सुरक्षित रहें।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के बीट गार्ड का सन्दिग्ध परिस्थितियों में नदी में मिला शव, वन महकमे में मची हलचल



उमरिया (स्वतंत्रमत)। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर में पदस्थ एक आदिवासी बीट गार्ड का शव शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नगनौड़ी की स्थानीय नदी में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान संतोष कुमार बैगा (34) निवासी नगनौड़ी के रूप में हुई है,जो बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के पनपथा कोर की चँसुरा बीट में बीट गार्ड के रूप में पदस्थ रहा है।उनका शव उनके गृह ग्राम से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर लोकल नदी में मिला।घटना की खबर से वन महकमे में हलचल देखी जा रही है।इस मामले में पनपथा कोर रेंजर रमेश सिंह ने बताया कि मृतक बीट गार्ड 13 नवम्बर से 15 नवम्बर तक अवकाश में था,15 नवम्बर के बाद भी कार्य पर नही आया,बाद में उनके मृत्यु की जानकारी मिली,इस जानकारी के बाद से ही पूरा अमला शोक संतप्त है।आपको बता दे मृतक संतोष बैगा पूर्व में चँसुरा बीट से सटे देवरी बीट में पदस्थ रहे है। बताया जाता है कि कार्य में लापरवाही के आरोपों के चलते उन्हें विभागीय स्तर पर निलंबित किया गया था। जिसके बाद उन्हें चँसुरा बीट में पदस्थ किया गया था। बताया जाता है कि उनका ससुराल बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ताला क्षेत्र से लगे एक गांव में है,जबकि पैतृक निवास ब्यौहारी थाना क्षेत्र का नगनौड़ी गांव था।

बेमौसम बारिश से धान की फसल बर्बादी के कगार पर, किसानों की बढ़ी चिंता



मानपुर (स्वतंत्रमत)। जिले के मानपुर ब्लॉक क्षेत्र में बेमौसम लगातार हो रही बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में कटकर पड़ी धान की फसल बारिश और जलभराव के कारण बर्बादी के कगार पर पहुंच गई है। क्षेत्र में तेज हवाओं और बारिश के चलते किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। ऐसे में किसान अब फसल बीमा के माध्यम से मुआवजा मिलने की उम्मीद लगाए बैठे हैं। जानकारी के अनुसार, मानपुर क्षेत्र में लगभग 60 से 70 प्रतिशत धान की कटाई हो चुकी है, जबकि करीब 5 प्रतिशत फसल की ही गहाई हो पाई है। शेष कटी हुई फसल खेतों में पड़ी है। अधिकांश किसानों ने रीपर मशीन से धान की कटाई कराई है, जिससे फसल खेतों में पतली परत के रूप में फैली हुई है। 20 नवंबर को तेज हवाओं के कारण खेतों में खड़ी और कटी हुई धान की फसल प्रभावित हुई, वहीं 21 नवंबर की सुबह करीब सवा सात बजे से लगातार हो रही बारिश ने किसानों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। लगातार बारिश के कारण खेतों में पानी भर गया है। पानी और कीचड़ में डूबी धान की बालियों के सड़ने तथा अंकुरित होने का खतरा बढ़ गया है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ और खेतों से पानी नहीं निकला, तो किसानों को फसल की गुणवत्ता और उत्पादन दोनों में भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। फसल बर्बादी की आशंका से छोटे और सीमांत किसानों की आर्थिक स्थिति को लेकर चिंता बढ़ गई है। किसानों का कहना है कि खेती के लिए खाद, बीज और अन्य कृषि सामग्री खरीदने के साथ ही केसीसी तथा दूसरे माध्यमों से कर्ज लिया गया है। फसल खराब होने की स्थिति में कर्ज चुकाना और परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो जाएगा। क्षेत्रीय किसानों का कहना है कि कृषि सीजन के दौरान सहकारी समितियों एवं संबंधित विभागों के माध्यम से फसल बीमा की निर्धारित राशि जमा कराई जाती है।

मड़ई मेले में ड्यूटी से नदारद मिले पटवारी, एसडीएम ने थमाया नोटिस

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)।

नगर परिषद शहपुरा अंतर्गत आयोजित मड़ई मेले में ड्यूटी के दौरान अनुपस्थित पाए जाने पर पटवारी अजय सोहनिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शहपुरा द्वारा 20 नवंबर 2026 को मेले का निरीक्षण किया गया था। इस दौरान संबंधित कर्मचारी अपने निर्धारित कार्यस्थल पर मौजूद नहीं मिले। निरीक्षण में कर्मचारी की अनुपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नोटिस में उल्लेख किया गया है कि कर्मचारी द्वारा शासकीय कार्य के प्रति लापरवाही बरती जा रही है ओर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना की जा रही है। इसे मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियमों के उल्लंघन की श्रेणी में माना गया है। जारी नोटिस के माध्यम से पटवारी अजय सोहनिया को एक दिवस के भीतर अपना लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित समय में जवाब नहीं देने अथवा स्पष्टीकरण संतोषजनक नहीं पाए जाने पर उनके विरुद्ध एकपक्षीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की जाएगी।

रेडक्रॉस गतिविधियों के विस्तार को लेकर उमरिया जिले की बैठक, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में गठन और नियमित संचालन पर जोर'



उमरिया (स्वतंत्रमत)। भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी मध्यप्रदेश के चेयरमैन डॉ. श्याम सिंह कुमहरे जी ने शुक्रवार 20 नवम्बर को सर्किट हाउस उमरिया में जिले की बैठक लेकर जिले में रेडक्रॉस की गतिविधियों को व्यापक स्तर पर संचालित करने एवं सेवा कार्यों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए। बैठक में जूनियर रेडक्रॉस सोसाइटी मध्यप्रदेश के अध्यक्ष मान सिंह ने विद्यालयों में जूनियर रेडक्रॉस की गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने, गतिविधि दल का गठन करने तथा निर्धारित कैलेंडर के अनुसार सेवा, जागरूकता एवं सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने जिला समिति से विद्यालयों में संचालित गतिविधियों की जानकारी संकलित कर राज्य शाखा को भेजने का आग्रह किया। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से समन्वय स्थापित कर शीघ्र बैठक आयोजित करने, जिले के समस्त शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों में जूनियर रेडक्रॉस के गठन, गतिविधि दल के गठन एवं विद्यालयों में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर राज्य शाखा को भेजने का आग्रह किया, जिससे विद्यार्थियों में सेवा, अनुशासन, स्वास्थ्य जागरूकता एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित हो सके।

हल्की बारिश में 30 घंटे थमा हाईवे, मरीज की गई जान

उमरिया (स्वतंत्र मत)



उमरिया-शहडोल को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग-43 की बदहाल स्थिति एक बार फिर आम जनता के लिए गंभीर संकट बन गई है। घुनघुटी के मोर्चा फाटक के पास हल्की बूंदाबांदी के बाद सड़क कीचड़ और दलदल में तब्दील हो गई, जिससे भारी वाहनों के फंसने के कारण लंबा जाम लग गया। करीब 30 घंटे तक यातायात प्रभावित रहने के बाद जाम खुलने की खबर है। इस दौरान यात्रियों, वाहन चालकों, मरीजों, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जाम में फंसे एक मरीज की मौत होने की जानकारी भी सामने आई है, शनिवार 21 नवम्बर को सुबह से लगे जाम से रविवार 22 नवम्बर को दोपहर 1 बजे मुक्ति मिली और जाम खुला तब जाकर जाम में 30 घंटे से फसे ट्रक और यात्री अपने गंतव्य की ओर जा सके। बताया जा रहा है कि उमरिया जिला अस्पताल से रेफर किए गए एक मरीज को उपचार के लिए शहडोल ले जाया जा रहा था, लेकिन मोर्चा फाटक के पास लगे भीषण जाम के कारण वाहन समय पर अस्पताल नहीं पहुंच सका। परिजनों के अनुसार, मरीज की हालत गंभीर थी। जाम के चलते उपचार में देरी हुई और उसकी मौत हो गई। घटना की पुष्टि होने के बाद विस्तृत जानकारी सामने आने की संभावना है। इस घटनाक्रम ने सड़क की बदहाली और आपातकालीन यातायात व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। घुनघुटी मोर्चा फाटक के आसपास सड़क की हालत पहले से ही बेहद खराब बताई जा रही है। हल्की बारिश के बाद यहां कीचड़ और फिसलन बढ़ गई, जिससे भारी वाहन सड़क पर फंसने लगे। देखते ही देखते वाहनों की लंबी कतार घुनघुटी से पाली तक पहुंच गई। भारी वाहनों के आवागमन में बाधा आने से यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। छोटे वाहनों ने बिरसिंहपुर पाली से सुंदरदादर मार्ग के रास्ते निकलने का प्रयास किया, लेकिन मालवाहक वाहनों के लिए पर्याप्त वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध नहीं होने से उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ा।

भूखे-प्यासे रहे राहगीर, छूट गई ट्रेनें- जाम में फंसे यात्रियों को लंबे समय तक भोजन और पेयजल के लिए परेशान होना पड़ा। कई लोगों की ट्रेनें छूट गईं, जबकि रिजर्वेशन और जरूरी यात्राओं पर भी असर पड़ा। मालवाहक वाहनों की टीपी और अन्य परिवहन संबंधी व्यवस्थाएं प्रभावित हुईं। सबसे चिंताजनक स्थिति मरीजों और एंबुलेंस को लेकर रही, जिन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। स्थानीय पुलिस रातभर यातायात व्यवस्था संभालने में जुटी रही, लेकिन सड़क की खराब स्थिति के कारण जाम हटाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

12 वर्षों से अधूरा हाईवे- शहडोल-उमरिया राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण लंबे समय से अधूरा पड़ा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि करीब 12 वर्षों से निर्माण कार्य जारी होने के बावजूद सड़क की स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है। गर्मी के दिनों में धूल और बारिश के मौसम में कीचड़ इस मार्ग की पहचान बन चुका है। करोड़ों रुपये की परियोजनाओं और निर्माण कार्यों के दावों के बीच जमीनी स्थिति लोगों की परेशानी बढ़ा रही है। हल्की बारिश में ही सड़क का दलदल बन जाना निर्माण की गुणवत्ता, कार्यप्रणाली और संबंधित विभागों की निगरानी पर सवाल खड़े कर रहा है।

बैठकों के बावजूद समाधान नहीं- सड़क की समस्या को लेकर समय-समय पर बैठकें, निरीक्षण और निर्माण कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए जाते रहे हैं, लेकिन स्थायी समाधान अब तक सामने नहीं आया। नागरिकों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के आश्वासन के बावजूद सड़क निर्माण की गति धीमी बनी हुई है। इस मार्ग से जिले और संभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा जनप्रतिनिधि भी गुजरते हैं, फिर भी समस्या का स्थायी निराकरण नहीं होना प्रशासनिक जवाबदेही पर सवाल खड़े



हिंदी व्याकरण, अर्थ के आधार पर वाक्य के प्रकार

भाषा के माध्यम से हम अपने विचार, भाव और इच्छाएँ दूसरों तक पहुँचाते हैं। शब्दों का ऐसा व्यवस्थित समूह, जिससे पूरा अर्थ स्पष्ट हो, वाक्य कहलाता है। वाक्य का अर्थ और उसमें व्यक्त भाव अलग-अलग हो सकते हैंकृकहीं सूचना दी जाती है, कहीं प्रश्न पूछा जाता है, तो कहीं आदेश, इच्छा या आश्चर्य प्रकट होता है। इसी भाव के आधार पर वाक्यों के भेद किए जाते हैं। अर्थ के आधार पर वाक्य के आठ प्रमुख भेद हैं

विधानवाचक वाक्य

जिस वाक्य में किसी काम के होने, किसी घटना या स्थिति के बारे में सामान्य रूप से बताया जाए, उसे विधानवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - सीमा प्रतिदिन पुस्तक पढ़ती है।

पहचान - यह वाक्य किसी बात की सीधी जानकारी देता है।

निषेधवाचक वाक्य

जिस वाक्य में किसी काम के न होने या न किए जाने का भाव प्रकट हो, उसे निषेधवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - मोहन आज विद्यालय नहीं गया।

पहचान - इसमें अक्सर 'नहीं', 'मत' या 'कभी नहीं' जैसे शब्द आते हैं। ध्यान दें, दरवाज़ा मत खोलो में मना करने का भाव है, इसलिए यह निषेधवाचक भी है।

प्रश्नवाचक वाक्य

जिस वाक्य में किसी बात को जानने के लिए प्रश्न पूछा जाए, उसे प्रश्नवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - तुम छुट्टियों में कहाँ जा रहे हो?

पहचान - इसमें 'कौन', 'कहाँ', 'कब', 'क्यों' जैसे प्रश्नसूचक शब्द हो सकते हैं। अंत में प्रायः प्रश्नचिह्न (?) लगाया जाता है।

आज्ञावाचक वाक्य

जिस वाक्य में आदेश, अनुरोध, सलाह, प्रार्थना या अनुमति का भाव हो, उसे आज्ञावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - कृपया अपनी पुस्तक खोलिए

पहचान - इसमें सुनने वाले से कोई काम करने या न करने को कहा जाता है।

इच्छावाचक वाक्य

जिस वाक्य में इच्छा, कामना, आशीर्वाद या शुभकामना प्रकट हो, उसे इच्छावाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - ईश्वर तुम्हें परीक्षा में सफलता दे।

पहचान - 'काश', 'ईश्वर करे' और 'तुम्हारी मनोकामना पूरी हो' जैसे प्रयोग दिखाई दे सकते हैं।

विस्मयादिबोधक वाक्य

जिस वाक्य में आश्चर्य, प्रसन्नता, दुःख, भय या घृणा जैसे तीव्र भाव प्रकट हों, उसे विस्मयादिबोधक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - अरे वाह! कितना सुंदर चित्र है!

पहचान - 'वाह', 'अरे', 'हाय', 'ओह' जैसे शब्द आते हैं और प्रायः विस्मयादिबोधक चिह्न (!) लगाया जाता है।

संदेहवाचक वाक्य

जिस वाक्य में किसी बात के होने या न होने में संदेह अथवा संभावना प्रकट हो, उसे संदेहवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - शायद आज शाम वर्षा

पहचान - 'शायद', 'संभवतः' और 'कदाचित' जैसे शब्द अनिश्चितता बताते हैं।

संकेतवाचक वाक्य

जिस वाक्य में एक काम या घटना का होना दूसरी बात पर निर्भर हो, उसे संकेतवाचक वाक्य कहते हैं।

उदाहरण - यदि तुम मन लगाकर पढ़ोगे, तो अच्छे अंक पाओगे।

पहचान - इसमें अक्सर 'यदि तो' या 'अगर तो' का प्रयोग होता है। एक भाग शर्त बताता है और दूसरा उसका परिणाम।

दर्पण एग्जाम टिप्स

- वाक्य का भेद पहचानते समय पहले यह देखें कि उसमें कौन-सा भाव व्यक्त हो रहा है।
- केवल 'नहीं' शब्द देखकर निषेधवाचक का निर्णय न करें; वाक्य का पूरा अर्थ समझें।
- संदेहवाचक में अनिश्चितता होती है, जबकि संकेतवाचक में शर्त या निर्भरता होती है।
- उत्तर में भेद का नाम लिखकर उसकी परिभाषा और एक सही उदाहरण अवश्य दें।
- विराम-चिह्न पहचानने में मदद करते हैं, लेकिन केवल चिह्न के आधार पर उत्तर न लिखें।

जे. के. रोलिंग: जादुई दुनिया की रचयिता और बच्चों के सपनों की लेखिका

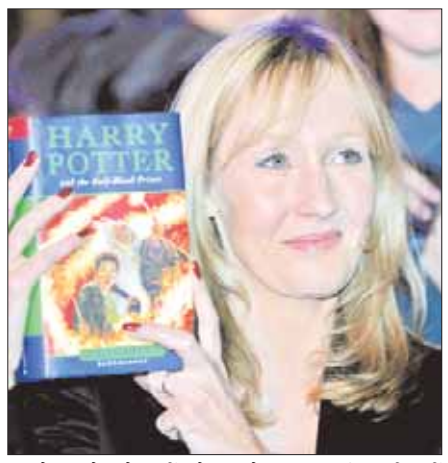
आज के डिजिटल युग में बच्चों का बहुत-सा समय मोबाइल, वीडियो गेम और सोशल मीडिया पर बीतता है। ऐसे समय में किताबों की दुनिया से बच्चों को जोड़ने वाली लेखिका जे. के. रोलिंग का योगदान विशेष है। वे विश्वप्रसिद्ध 'हैरी पॉटर' पुस्तक-श्रृंखला की रचयिता हैं। उनकी कहानियों ने बच्चों के साथ-साथ बड़ों को भी कल्पना, रोमांच और जादू से भरी एक अनोखी दुनिया का अनुभव कराया है। उनकी किताबें दुनिया की अनेक भाषाओं में पढ़ी जाती हैं और आज भी लाखों पाठकों को आकर्षित करती हैं।

बचपन और लेखन में रुचि

जे. के. रोलिंग का जन्म 31 जुलाई 1965 को इंग्लैंड में हुआ था। बचपन से ही उन्हें किताबें पढ़ना और कहानियाँ लिखना बहुत पसंद था। वे अपने मन में नए पात्रों, स्थानों और घटनाओं की कल्पना करती थीं। छोटी उम्र से ही कहानियाँ गढ़ने का उनका शौक धीरे-धीरे लेखन के प्रति गहरे प्रेम में बदल गया। उनकी कल्पनाशक्ति और पढ़ने की रुचि ने आगे चलकर उन्हें एक सफल लेखिका बनने में मदद की।

संघर्ष से सफलता तक

रोलिंग की सफलता का सफर आसान नहीं था। उन्हें अपने जीवन में अनेक कठिनाइयों और असफलताओं का सामना करना पड़ा। कई बार परिस्थितियाँ उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहीं, लेकिन उन्होंने



अपने सपने को नहीं छोड़ा। वे लगातार लिखती रहीं और अपनी कहानी पर विश्वास बनाए रखा। अंततः उनकी मेहनत रंग लाई और 'हैरी पॉटर' ने उन्हें विश्वभर में प्रसिद्ध कर दिया। उनका जीवन हमें सिखाता है कि असफलता अंत नहीं होती; धैर्य, मेहनत और आत्मविश्वास से कठिन रास्तों को भी पार किया जा सकता है।

हैरी पॉटर की जादुई दुनिया

'हैरी पॉटर' एक ऐसे अनाथ लड़के की कहानी है, जिसे पता चलता है कि वह एक जादूगर है। इसके बाद वह हॉगवर्ट्स नाम के जादुई विद्यालय में पढ़ने जाता है। वहाँ उसकी मुलाकात रॉन और हर्माइनी से होती है, जो आगे चलकर उसके सबसे अच्छे मित्र बनते हैं। कहानी में जादुई कक्षाएँ, रहस्यमयी वस्तुएँ, अनोखे जीव और अप्रत्याशित घटनाएँ पाठकों की उत्सुकता बनाए रखती हैं। हैरी और उसके मित्र अनेक रोमांचक यात्राएँ करते हैं और बुराई का सामना करते हैं। उनकी दोस्ती और साहस इस कहानी को विशेष रूप से यादगार बनाते हैं।

कहानी में छिपे जीवन-मूल्य

'हैरी पॉटर' की लोकप्रियता का कारण केवल जादू और रोमांच नहीं है। इस कहानी में दोस्ती, साहस, प्रेम, ईमानदारी, निष्ठा और आत्मविश्वास जैसे जीवन के महत्वपूर्ण मूल्य भी छिपे हैं। हैरी, रॉन और हर्माइनी कठिन परिस्थितियों में एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते। वे गलत काम के विरुद्ध खड़े होते हैं और सही रास्ता चुनने का साहस दिखाते हैं। कहानी हमें बताती है कि सच्ची ताकत जादू की छड़ी में नहीं, बल्कि अच्छे विचारों, सच्चे संबंधों और मजबूत चरित्र में होती है।

लेखन-शैली और बच्चों पर प्रभाव

रोलिंग की लेखन-शैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे साधारण कल्पनाओं को असाधारण अनुभव में बदल देती हैं। उनके पात्र इतने जीवंत लगते हैं कि पाठक उनसे जुड़ाव महसूस करने लगते हैं। कहानी में रहस्य और रोमांच के साथ हास्य, भावनाएँ और सीख भी शामिल हैं। उनकी किताबें बच्चों को मनोरंजन देने के साथ-साथ पढ़ने की आदत विकसित करने, नए विचार सोचने और अपनी कल्पनाशक्ति को उड़ान देने के लिए प्रेरित करती हैं।

जे. के. रोलिंग का जीवन और लेखन दोनों ही प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कठिनाइयों के बावजूद अपने सपने पर विश्वास रखा और अपनी कल्पना को ऐसी कहानी में बदला जिसने दुनिया भर के पाठकों का मन जीत लिया। उन्होंने साबित किया कि जादू केवल कहानियों में नहीं होताकृएक अच्छी किताब भी किसी बच्चे की सोच, सपनों और दुनिया को बदल सकती है। यही कारण है कि जे. के. रोलिंग आज भी युवा पाठकों की प्रिय लेखिकाओं में शामिल हैं।



प्रियंका पाठक खुरासिया

प्रिंसिपल
हितकारिणी गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल, बी.टी. तिराहा, गढ़ा, जबलपुर।

'एक कहानी यह भी', जीवन से साहित्य तक की यात्रा

मन्नू भंडारी हिंदी साहित्य की प्रसिद्ध कथाकार और उपन्यासकार थीं। उनकी रचनाओं में मध्यवर्गीय जीवन, पारिवारिक संबंध, स्त्री-अनुभव और व्यक्ति के आत्मसम्मान का सजीव चित्रण मिलता है। उनकी भाषा सरल, सहज और प्रभावशाली है। 'एक कहानी यह भी' उनकी आत्मकथात्मक रचना है। इसमें वे अपने बचपन, परिवार, शिक्षा और लेखकीय जीवन से जुड़े अनुभवों को याद करती हैं।

शीर्षक का अर्थ- 'एक कहानी यह भी' शीर्षक संकेत करता है कि लेखिका अपने जीवन की उन घटनाओं और अनुभवों को सामने रख रही हैं, जो उनके व्यक्तित्व और लेखन को समझने में मदद करते हैं। यह केवल निजी जीवन की कहानी नहीं, बल्कि उस समय के परिवार और समाज की झलक भी प्रस्तुत करती है।



पाठ का सारांश- इस रचना में मन्नू भंडारी अपने बचपन और परिवार के वातावरण का वर्णन करती हैं। वे विशेष रूप से अपने पिता के व्यक्तित्व और परिवार पर उनके प्रभाव को याद करती हैं। उनके पिता आदर्शवादी और देशप्रेमी थे, लेकिन उनका स्वभाव कठोर भी था। घर में उनकी अपेक्षाओं और विचारों का असर परिवार के सदस्यों पर पड़ता था। लेखिका इन अनुभवों को बिना छिपाए प्रस्तुत करती हैं और बताती हैं कि पारिवारिक वातावरण ने उनके सोचने तथा अपने व्यक्तित्व को समझने के तरीके को प्रभावित किया।

लेखिका अपने जीवन की घटनाओं को केवल याद नहीं करतीं, बल्कि उन पर आत्मविश्लेषण भी करती हैं। वे यह समझने का प्रयास करती हैं कि उनके बचपन के अनुभवों, परिवार और सामाजिक परिवेश ने उनके भीतर संवेदनशीलता कैसे विकसित की। यही संवेदनशीलता आगे चलकर उनके साहित्यिक लेखन का आधार बनी।

पाठ में मन्नू भंडारी की लेखिका के रूप में विकसित होने की यात्रा के संकेत भी मिलते हैं। वे अपने संघर्षों और अनुभवों को सहजता से रखती हैं। उनका उद्देश्य स्वयं को असाधारण सिद्ध करना नहीं, बल्कि जीवन की सच्चाइयों को ईमानदारी से व्यक्त करना है। इसी कारण पाठक उनके अनुभवों से जुड़ पाता है। रचना में निजी जीवन के साथ-साथ स्त्री की स्थिति, परिवार की भूमिका और व्यक्ति के स्वतंत्र व्यक्तित्व जैसे विषय भी उभरते हैं।

रचना की विशेषताएँ- यह रचना आत्मकथात्मक शैली में लिखी गई है। प्रथम-पुरुष कथन के कारण लेखिका के अनुभव सीधे पाठक तक पहुँचते हैं। भाषा सरल, प्रवाहपूर्ण और संवादात्मक है। आत्मविश्लेषण, ईमानदारी और जीवन के छोटे-छोटे प्रसंगों का प्रभावपूर्ण चित्रण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

मुख्य भाव और संदेश- पाठ बताता है कि व्यक्ति का व्यक्तित्व उसके परिवार, अनुभवों और सामाजिक वातावरण से बनता है। बीते हुए समय को ईमानदारी से समझना आत्मबोध का रास्ता खोलता है। अपने अनुभवों को साहित्य में ढालकर लेखिका ने निजी जीवन को व्यापक मानवीय अनुभव बना दिया है।

दर्पण एग्जाम टिप्स

- शुरुआत में लेखिका और रचना का संक्षिप्त परिचय दें।
- सारांश में बचपन, पिता का प्रभाव और लेखिका के व्यक्तित्व-विकास को क्रम से लिखें।
- आत्मकथात्मक शैली और आत्मविश्लेषण का उल्लेख करें।
- पाठ के प्रसंगों को अपनी पाठ्यपुस्तक के अनुसार शामिल करें; मनगढ़ंत घटनाएँ न जोड़ें।
- उत्तर को छोटे अनुच्छेदों में लिखें और अंत में रचना का मुख्य संदेश बताएं।

'एक कहानी यह भी' मन्नू भंडारी के जीवन-अनुभवों और लेखकीय विकास को समझने का महत्त्वपूर्ण माध्यम है। यह रचना दिखाती है कि परिवार और जीवन की घटनाएँ व्यक्ति को गहराई से प्रभावित करती हैं और यही अनुभव संवेदनशील साहित्य का रूप ले सकते हैं।

डिजिटल युग में हिंदी, नए अवसरों की भाषा



डिजिटल तकनीक ने हमारे सीखने, संवाद करने और मनोरंजन पाने के तरीकों को बदल दिया है। स्मार्टफोन और इंटरनेट अब बड़े शहरों तक सीमित नहीं हैं; छोटे शहरों और गाँवों में भी इनका उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इस बदलाव के साथ हिंदी में डिजिटल सामग्री की माँग भी बढ़ी है। आज लोग अपनी पसंद की जानकारी हिंदी में पढ़ना, देखना और सुनना चाहते हैं। इससे हिंदी को नई पहचान मिली है और युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खुले हैं।

हिंदी सामग्री की बढ़ती माँग- समाचार पोर्टल, वीडियो मंच, ब्लॉग, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया पर हिंदी सामग्री का विस्तार हो रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, खेती, सरकारी योजनाओं, करियर, तकनीक और मनोरंजन जैसे विषयों पर सरल और भरोसेमंद जानकारी की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। अनेक उपयोगकर्ताओं के लिए अपनी भाषा में जानकारी समझना आसान होता है। इसलिए हिंदी में उपयोगी और गुणवत्तापूर्ण सामग्री बनाने वाले लोगों की माँग भी बढ़ रही है।

युवाओं के लिए नए करियर- डिजिटल कंटेंट का क्षेत्र हिंदी भाषा में रुचि रखने वाले युवाओं को करियर के अनेक विकल्प देता है। वे कंटेंट राइटर, कॉपीराइटर, ब्लॉग लेखक, पटकथा लेखक, वीडियो स्क्रिप्ट लेखक, डिजिटल पत्रकार, सोशल मीडिया प्रबंधक, कंटेंट संपादक और एसईओ लेखक के रूप में काम कर सकते हैं। कुछ युवा फ्रीलांसिंग के माध्यम से अलग-अलग संस्थाओं और ग्राहकों के लिए सामग्री तैयार करते हैं। अन्य लोग अपना ब्लॉग, वीडियो चौनल या पॉडकास्ट शुरू करके स्वरोजगार का रास्ता अपनाते हैं।

भाषा के साथ तकनीकी कौशल- इस क्षेत्र में सफल होने के लिए केवल अच्छी हिंदी लिखना पर्याप्त नहीं है। युवाओं को डिजिटल मंचों की समझ, लेखन और संपादन, तथ्य-जाँच, खोज-अनुकूल सामग्री बनाने तथा चित्र और वीडियो के बुनियादी कौशल भी सीखने चाहिए। स्पष्ट विचार, पाठकों की जरूरतों को समझने की क्षमता और नियमित अभ्यास, अच्छी डिजिटल सामग्री तैयार करने में मदद करते हैं। भाषा की शुद्धता के साथ-साथ सरल और आकर्षक प्रस्तुति भी आवश्यक है।

भविष्य की संभावनाएँ- डिजिटल सेवाओं और ऑनलाइन शिक्षा के विस्तार के साथ हिंदी सामग्री की उपयोगिता और बढ़ सकती है। विद्यार्थी यदि भाषा-कौशल को आधुनिक तकनीक और डिजिटल प्रशिक्षण से जोड़ें, तो वे अपने लिए बेहतर अवसर बना सकते हैं। साथ ही, वे अधिक लोगों तक उपयोगी और विश्वसनीय जानकारी पहुँचाने में योगदान दे सकते हैं।

डिजिटल युग में हिंदी केवल संवाद की भाषा नहीं, बल्कि सीखने, रोजगार पाने और अपने विचारों को व्यापक स्तर पर पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। हिंदी के साथ डिजिटल कौशल विकसित करने वाले युवा अपने भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं और हिंदी की डिजिटल दुनिया को समृद्ध बना सकते हैं।

भाषा, मानव जीवन की अमूल्य धरोहर

भाषा मनुष्य की सबसे विशिष्ट और महत्वपूर्ण विशेषता है। यह केवल विचारों के आदान-प्रदान का साधन नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और सभ्यता को सहेजने का माध्यम भी है। भाषा के द्वारा हम अपने विचारों, भावनाओं और अनुभवों को दूसरों तक पहुँचाते हैं तथा उनके विचारों को समझते हैं। भाषा के बिना समाज और मानवीय संबंधों की कल्पना करना कठिन है।

भाषा का अर्थ और स्वरूप

'भाषा' शब्द संस्कृत की 'भाष्' धातु से बना है, जिसका अर्थ है बोलना या कहना। भाषा के माध्यम से मनुष्य अपने विचार बोलकर या लिखकर व्यक्त करता है। इसके मुख्य रूप मौखिक और लिखित हैं। मौखिक भाषा में हम बोलकर संवाद करते हैं। यह भाषा का सबसे पुराना और स्वाभाविक रूप है। लिखित भाषा में ध्वनियों और विचारों को लिपि के निश्चित चिह्नों द्वारा लिखा जाता है। इससे ज्ञान और अनुभवों को लंबे समय तक सुरक्षित रखा जा सकता है।

भाषा की प्रकृति

भाषा जन्मजात संपत्ति नहीं, बल्कि अर्जित कौशल है। बच्चा अपने परिवार और आसपास के लोगों को सुनकर तथा उनका अनुकरण करके भाषा सीखता है। इसलिए उसका भाषा-ज्ञान उसके परिवेश से प्रभावित होता है। भाषा सामाजिक प्रक्रिया भी है, क्योंकि उसका



विकास लोगों के आपसी संपर्क और संवाद से होता है।

भाषा स्थिर नहीं रहती; समय और स्थान के साथ उसमें बदलाव आता है। उच्चारण, शब्दों के अर्थ और व्याकरण में धीरे-धीरे परिवर्तन होते रहते हैं। भाषा प्रतीकात्मक भी हैकृउसके शब्द कुछ ध्वनियों के समूह होते हैं, जिन्हें समाज ने विशेष अर्थ दिए हैं। उदाहरण के लिए, 'पानी' और 'जल' अलग शब्द हैं, लेकिन दोनों एक ही वस्तु का बोध कराते हैं। व्याकरण भाषा को व्यवस्थित रूप देता है और उसके मानक प्रयोग में सहायता करता है।

भाषा के विविध रूप

भाषा के अनेक रूप होते हैं। बोली किसी विशेष क्षेत्र या समुदाय में प्रचलित भाषा का स्थानीय रूप है। साहित्यिक भाषा अपेक्षाकृत परिष्कृत और व्याकरण-सम्मत होती है, जिसका उपयोग साहित्य-रचना में किया जाता है। राजभाषा वह भाषा होती है जिसका प्रयोग सरकारी कामकाज में किया जाता है। भाषा का उपयोग शिक्षा, प्रशासन, साहित्य और दैनिक जीवन में अलग-अलग ढंग से हो सकता है।

भाषा और संस्कृति का संबंध

भाषा और संस्कृति का गहरा संबंध है। किसी समाज के रीति-रिवाज, इतिहास, परंपराएँ और मूल्य उसकी भाषा में दिखाई देते हैं। लोकगीत, कहावतें, कहानियाँ और साहित्य एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सांस्कृतिक ज्ञान पहुँचाते हैं। इस प्रकार भाषा हमारी सांस्कृतिक पहचान को सुरक्षित रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। भाषा मानव जीवन की अमूल्य धरोहर और सामाजिक एकता का आधार है। यह विचारों को अभिव्यक्त करने के साथ ज्ञान और संस्कृति को आगे बढ़ाती है। भाषा सीखने, समाज के साथ संवाद करने और समय के अनुसार बदलने वाली जीवंत व्यवस्था है। इसलिए हमें अपनी भाषा का सम्मान करना चाहिए और उसे समृद्ध बनाने का प्रयास करना चाहिए।



अरुणलता तिवारी

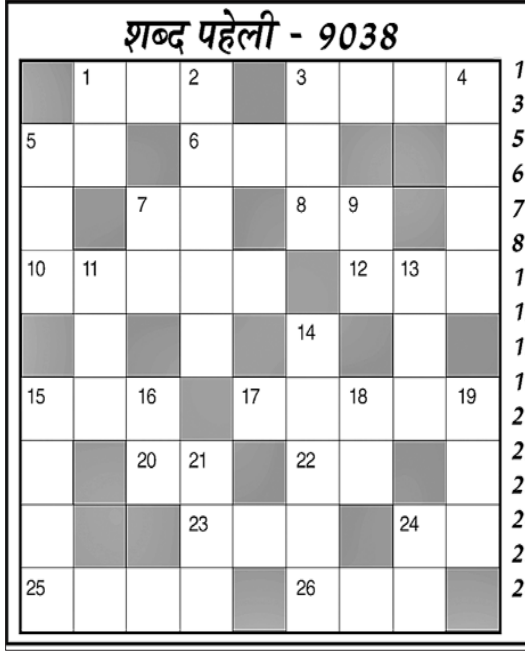
टीचर
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स एकेडमी
जोंसगंज, जबलपुर।

हिंदी, रोचक तथ्य



- सन 1950 में हिंदी भाषा को भारत की आधिकारिक भाषा का दर्जा मिला।
- सन 1954 में भारत सरकार ने हिंदी व्याकरण तैयार करने के लिए समिति का गठन किया गया।
- भारत के बाहर, हिन्दी बोलने वाले संयुक्त राज्य अमेरिका में 648,983, मॉरीशस में 685,170, दक्षिण अफ्रीका में 890,292, यमन में 232,760, युगांडा में 147,000, सिंगापुर में 5,000, नेपाल में करीब 8 लाख, न्यूजीलैंड में 20,000, जर्मनी में 30,000 हैं। 20 से ज्यादा देशों में हिंदी भाषा का इस्तेमाल किया जाता है.
- इंटरनेट पर 94 प्रतिशत हिंदी भाषा की मांग है।
- सात भाषाएं ऐसी है जिनका इस्तेमाल वेबएड्रस बनाने में किया जाता है, उनमें से हिंदी एक है। हिंदी की लोकप्रियता का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते है की हर साल इंटरनेट पर हिंदी कंटेंट की मांग 94 फीसद बढ़ रही है.
- हिंदी सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषाओ में से हिंदी एक है. हिंदी का इस्तेमाल करीब 60 करोड़ लोग करते है.
- दुनिया के 176 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है, जिसमें से 45 विश्वविघालयों अमेरिका के है. इतना ही नही विदेश में 25 से ज्यादा पत्र-पत्रिकाएं रोज हिंदी में निकलती है.
- गुरू, जंगल, कर्मा, योगा, बंगला, चीता, लूट, ठग और अवतार जैसे अंग्रेजी में जैसे प्रचलित शब्द हिंदी भाषा में लाए गए.
- सन 1805 में प्रकाशित लल्लू लाल द्वारा लिखित श्रीकृष्ण पर आधारित किताब प्रेम सागर को हिन्दी में लिखी गई पहली किताब माना जाता है।
- हिन्दी को अपना नाम एक परसियन शब्द हिन्दू से मिला, जिसका मतलब है पवित्र नदी की भूमि, यह भी कहा जाता है कि सिंधु नदी के पास जो सभ्यता फैली उसे सिंधु सभ्यता और उस क्षेत्र के लोगों को हिन्दू कहा जाने लगा जो कि सिंधु शब्द से ही बना और इनके द्वारा बोली जाने वाली भाषा हिन्दी कहलाई।

शब्द पहेली - 9038



बाएँ से दाएँ

1. कंठ,गला-3
3. पक्षियों का शौर-4
5. शारीरिक ऊँचाई-2
6. पाचन शक्ति-3
7. मां की माता-2
8. प्यार,प्रेम(अंग्रेजी-2)
10. रचना करने वाला-5
12. शोरबा,तरी-3
15. खाद्य सामग्री-3
17. दोनों हाथों को पीटना-5
20. भाग्य(अंग्रेजी-2)
22. कदली,एक फल-2
23. उपासना,शीश झुकाना-3
24. घ्राणेन्द्रिय,नासिका-2
25. तहखाना-4
26. दया-3

ऊपर से नीचे

1. मर्यादा,सीमा-2
2. कहानी लिखने वाला-5
3. अचरज भरा कार्य-3
4. वर,इच्छित वस्तु देना-4
5. जलजला-3
7. मां के पिता-2
9. चिकनाई-2
11. हशीश,एक प्रकार का मादक पदार्थ-3
13. बोलने का तरीका-3
14. तमीजवाला-5
15. परंपरा,रिवाज-4
16. राजनीतिक पार्टी-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. नाट्य,कथा मंचन-3
21. कमी-3
24. संबोधन-2

शब्द पहेली - 9037 का हल

■	अ	च	र	ज	■	सु	रु	चि
चा	चा	■	म	ही	ना	■	■	न्त
र	न	र	■	न	व	जी	व	न
■	क	म	ला	■	च	■	■	शी
म	■	ल	त	■	ला	त	■	ल
नो	■	■	मा	■	ना	र	द	■
का	न	भ	र	ना	■	ह	र	म
म	■	■	ना	का	रा	■	क	ण
ना	ट	क	■	म	ह	क	ना	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

बाल विवाह की रोकथाम के लिए कलेक्टर ने जिले में अनुविभागवार उड़नदस्ता दलों का किया गठन

21 दिसंबर तक चलेगा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान



नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। बाल विवाह की रोकथाम के लिए संचालित बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के जागरूकता मॉड्यूल को 21 दिसंबर 2026 तक पुन: प्रारंभ किया गया है। इस अवधि में जागरूकता अभियान के साथ-साथ 20 नवंबर को देवउठनी ग्यारस के उपरांत अधिक संख्या में विवाह आयोजित होने की संभावना को देखते हुए कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने जिले में बाल विवाह की निगरानी, सूचना एवं शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अनुविभाग स्तर पर उड़नदस्तों का गठन किया है। दल प्रभारियों को गठित दल के अतिरिक्त अपने क्षेत्र के अन्य मैदानी कर्मचारियों को भी इस कार्य में निर्देशित करने के अधिकार दिए गए हैं।जारी आदेश के मुताबिक जिला स्तर पर बाल विवाह से संबंधित सूचनाएं एवं शिकायतें प्राप्त करने के लिए वन स्टॉप सेंटर नरसिंहपुर के दूरभाष क्रमांक 07792-355181 को कंट्रोल रूम के रूप में स्थापित किया गया है। यहां प्राप्त सूचनाओं को संबंधित अधिकारियों एवं दलों तक अग्रेषित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। नरसिंहपुर एवं करेली क्षेत्र के लिए अनुविभागीय राजस्व अधिकारी नरसिंहपुर को दल प्रभारी बनाया गया है, जिनका मोबाइल नंबर 9329310208 है। दल में एसडीओपी नरसिंहपुर का मोबाइल नंबर 8839262100, खंड चिकित्सा अधिकारी नरसिंहपुर का मोबाइल नंबर 9425469027 एवं करेली का मोबाइल नंबर 9425654437, खंड शिक्षा अधिकारी नरसिंहपुर का मोबाइल नंबर 9407376002, थाना प्रभारी कोतवाली नरसिंहपुर का मोबाइल नंबर 9981218757, थाना प्रभारी स्टेशनगंज का मोबाइल नंबर 8839243081 एवं थाना प्रभारी करेली का मोबाइल नंबर 9826768941 शामिल किया गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग से परियोजना अधिकारी नरसिंहपुर श्रीमती पुष्पा मदकोरिया का मोबाइल नंबर 9340929496 व परियोजना अधिकारी करेली श्री आदित्य मोहन पटेल का मोबाइल नंबर 9131097171 और संबंधित क्षेत्र के समस्त पर्यवेक्षक भी दल में शामिल रहेंगी। गाडरवारा अनुविभाग में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को दल प्रभारी बनाया गया है, जिनका मोबाइल नंबर 9425002981 है। दल में एसडीओपी गाडरवारा का मोबाइल नंबर 9617447857, खंड चिकित्सा अधिकारी साईंखेड़ा का मोबाइल नंबर 9340255988 एवं चीचली का मोबाइल नंबर 9617858088, खंड शिक्षा अधिकारी साईंखेड़ा का मोबाइल नंबर 8839280176, थाना प्रभारी गाडरवारा का मोबाइल नंबर 8770096512, साईंखेड़ा का मोबाइल नंबर 9424748156, चीचली का मोबाइल नंबर 9131976002 एवं डोंगरगांव का मोबाइल नंबर 7828443209 को शामिल किया गया है। परियोजना अधिकारी गाडरवारा श्रीमती उमा वर्मन का मोबाइल नंबर 6264436235 एवं संबंधित क्षेत्र की समस्त पर्यवेक्षक भी दल में शामिल रहेंगी। तेंदूखेड़ा अनुविभाग में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को दल प्रभारी बनाया गया है, जिनका मोबाइल नंबर 8103137035 है। दल में एसडीओपी तेंदूखेड़ा का मोबाइल नंबर 8602510982, खंड चिकित्सा अधिकारी चांवरपाठा का मोबाइल नंबर 9425857138, खंड शिक्षा अधिकारी चांवरपाठा का मोबाइल नंबर 8827269101, थाना प्रभारी तेंदूखेड़ा का मोबाइल नंबर 7049141983, थाना प्रभारी सुआतला का मोबाइल नंबर 9577856786, एवं थाना प्रभारी पलोहा का मोबाइल नंबर 9669803191 को शामिल किया गया है।

परियोजना अधिकारी चांवरपाठा श्री आदित्य मोहन पटेल का मोबाइल नंबर 9131097171 एवं संबंधित क्षेत्र की समस्त पर्यवेक्षक भी दल में शामिल रहेंगी। गोटेगांव अनुविभाग में अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को दल प्रभारी बनाया गया है, जिनका मोबाइल नंबर 8349657772 है। दल में एसडीओपी गोटेगांव का मोबाइल नंबर 7987092725, खंड चिकित्सा अधिकारी गोटेगांव, खंड शिक्षा अधिकारी गोटेगांव 9424950493, थाना प्रभारी गोटेगांव का मोबाइल नंबर 6265952235, थाना प्रभारी ठेमी का मोबाइल नंबर 7587610211 एवं थाना प्रभारी मुंगवानी को शामिल किया गया है। प्रभारी परियोजना अधिकारी गोटेगांव श्रीमती रश्मि बोहरे का मोबाइल नंबर 9425860094 एवं संबंधित क्षेत्र की समस्त पर्यवेक्षक भी दल में शामिल रहेंगी। वन स्टॉप सेंटर नरसिंहपुर में स्थापित कंट्रोल रूम का दूरभाष क्रमांक 07792-355181 है। कंट्रोल रूम प्रभारी एवं वन स्टॉप सेंटर प्रभारी श्रीमती पुष्पा मदकोरिया का मोबाइल नंबर 9340929496, सेंटर एडमिनिस्ट्रेटर श्रीमती अंजिता श्रीवास्तव का मोबाइल नंबर 9575021026 तथा विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के जिला समन्वयक श्री हरिशंकर पटेल का मोबाइल नंबर 7067989057 है। आम नागरिक इन नंबरों पर बाल विवाह से संबंधित सूचना एवं शिकायत दे सकते हैं। गठित उड़नदस्तों द्वारा अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आयोजित होने वाले सामूहिक विवाह सम्मेलनों में वर-वधू के आयु प्रमाण-पत्रों का अनिवार्य रूप से अवलोकन किया जाएगा। विवाह के लिए वर की आयु कम से कम 21 वर्ष तथा वधू की आयु कम से कम 18 वर्ष होना आवश्यक है। उड़नदस्तों द्वारा अपने क्षेत्र में बाल विवाह का प्रकरण पाए जाने पर बाल विवाह करने वाले एवं उसे प्रोत्साहित करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इसमें बाल विवाह में सम्मिलित बाराती, टिंट हाउस मालिक, खाना बनाने वाले रसोइये, कैटरर, काजी, पंडित तथा विवाह पत्रिका छापने वाले प्रिंटिंग प्रेस संचालक भी शामिल हैं। जिला प्रशासन ने अपील की है कि बाल विवाह की जानकारी मिलने पर कंट्रोल रूम को सूचित करें और बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग प्रदान करें।

शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई के लिए वन स्टॉप सेंटर में कंट्रोल रूम स्थापित

जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारंभ

जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद

अभिभावकों से की बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की अपील



नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। जिले में बच्चों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का शुभारंभ हुआ। अभियान के शुभारंभ अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने 0 वर्ष से लेकर 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर किया।

विधायक गोटेगांव श्री महेन्द्र नागेश और पूर्व राज्यमंत्री श्री जालम सिंह पटेल ने गोटेगांव में 5 वर्ष तक की आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई। इस अवसर पर श्री अनंत दुबे, श्री सुनील कोठारी, श्री एस.के. चतुर्वेदी एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा मौजूद थे। जिले के सभी अभिभावकों से अपील की गई है कि वे अपने 0 वर्ष से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। बच्चों का स्वस्थ एवं सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अभियान की सफलता तभी सुनिश्चित होगी, जब प्रत्येक अभिभावक जागरूकता के साथ अपने बच्चों को पोलियो की दो बूंद पिलवाएगा।

तीन दिनों तक चलेगा अभियान, घर-घर पहुंचेंगी स्वास्थ्य विभाग की टीमें

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिलेभर में व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। अभियान के प्रथम दिवस निर्धारित पोलियो बूथों पर बच्चों को खुराक पिलाई गई।

वहीं आगामी दो दिनों तक स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर बूथ पर दवा पीने से छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाएंगी। इसके साथ ही बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन एवं अन्य प्रमुख आवागमन स्थलों पर ट्रांजिट टीमों की तैनाती की गई है, ताकि आवागमन के दौरान भी 0 से 5 वर्ष तक का कोई बच्चा पोलियो की खुराक पीने से वंचित न रहे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनीष कुमार मिश्रा ने जिलेवासियों से अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलवाएं तथा आसपास के परिवारों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

हनुमंत कथा का श्रवण जीवन को भक्ति और संस्कारों से जोड़ता है : पंडित वीरेन्द्र शास्त्री

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) । ग्राम कान्हरगांव में साईं धाम मंदिर समिति द्वारा सात दिवसीय संगीतमय श्री हनुमंत कथा में प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति देखने को मिल रही है। कथा के पांचवें दिवस कथा व्यास पंडित वीरेन्द्र शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीराम एवं हनुमान जी के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति, सेवा, समर्पण और मर्यादा का संदेश दिया।महाराज श्री ने कहा कि श्रीराम कथा केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि उसे अपने जीवन में उतारने का माध्यम है। भगवान हनुमान जी का संपूर्ण जीवन हमें सिखाता है कि सच्ची भक्ति में अहंकार का कोई स्थान नहीं होता। जहां प्रेम, विश्वास और समर्पण होता है, वहां स्वयं प्रभु की कृपा बरसती है।

किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों के निराकरण को लेकर लाखन सिंह पटैल के आव्हान पर धरना



नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत। किसानों की विभिन्न समस्याओं एवं मांगों के निराकरण को लेकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता , पूर्व जिला कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष लाखन सिंह पटेल के आव्हान पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों ने किसानों के साथ सुभाष पार्क के समीप धरना देकर शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते शासन प्रशासन पर अन्नदाता की अनदेखी का आरोप लगाया।पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष लाखन सिंह पटेल ने कहा कि नरसिंहपुर से लेकर भोपाल दिल्ली तक भाजपा की सरकार है पर किसानों के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं और कमजोर वर्ग के लोगों के हितों की अनदेखी की जा रही है उनके साथ अत्याचार हो रहा है। श्री पटेल ने कहा कि 2014 से लगातार कृषि लागत बढ़ रही है पर किसानों को वाजिब दाम नही मिल रहा है जिससे किसानों में आक्रोश है उनके समक्ष संकट है। जिले के विधायक मंत्री अवैध कार्यों को संरक्षण दे रहे हैं विकास और किसानों की कोई चिंता नहीं है। वरिष्ठ नेता राजेंद्र किलेदार, डॉ संजीव चांदोकर , ऋषि राज पटेल, मनीष साहू, धनीराम पटेल, अरविंद सिंह पटेल, कंछेदी पटेल, रामरतन पटेल, ठाकुर कपिल सिंह, विशाल ठाकुर , नितिन गोयल के अलावा अनेक किसान नेताओं ने सरकार पर किसानों के शोषण करने का आरोप लगाया गन्ना किसानों के आंदोलन दबाने और धमकाने का आरोप लगाया तथा कहा कि शासन प्रशासन और जनप्रतिनिधि शुगर मिलों के लोभ लालच और दबाव में काम कर रहे हैं। वहीं धरना स्थल पर राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि शुगर मिलों द्वारा गन्ने की खरीदी 500 रुपए प्रति क्विंटल घोषित किया जाये, किसानों का गन्ना खरीदी का बकाया भुगतान कराया जाये।



राज्यमंत्री ने सुनी आमजनों की समस्यायें

सतना स्वतंत्रमत। नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने रविवार को विधानसभा क्षेत्र कार्यालय सतना में आयोजित जनता दरबार में जिले की आम जनता एवं अन्य गणमान्य नागरिक द्वारा प्रस्तुत की गई समस्याओं से रूबरू हुईं। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी द्वारा समस्याओं का निराकरण विभिन्न विभाग से आये अधिकारियों द्वारा कराया गया और जिन समस्याओं का निराकरण शासन स्तर पर किया जाना है।

परिषद संवाद बैठक में नशामुक्ति, जल संरक्षण, जैविक कृषि एवं प्रस्फुटन वाटिका के विकास पर दिया जोर

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।



मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड साईंखेड़ा द्वारा परिषद संवाद घटक एवं प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत साईंखेड़ा के सभागार में विकासखंड स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रस्फुटन समितियों के प्रतिनिधि, नवांकुर संस्थाओं के पदाधिकारी, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के परामर्शदाता एवं मुख्यमंत्री इंटर्न्स उपस्थित रहे। बैठक में जिला समन्वयक श्री जय नारायण शर्मा ने पूर्व में संचालित गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने नशामुक्ति अभियान, जल संरक्षण, नर्मदा स्वच्छता, जैविक एवं परंपरागत कृषि, प्लास्टिक मुक्त अभियान, संस्कार केंद्र एवं नर्सरी स्थापना तथा प्रस्फुटन वाटिका के विकास पर जोर दिया। साथ ही अनुदान राशि का नियमानुसार उपयोग एवं गतिविधियों के आवश्यक दस्तावेजीकरण के संबंध में मार्गदर्शन दिया। क्षेत्रीय मंडल अध्यक्ष श्री दिग्विजय सिंह राजपूत ने सामाजिक सरोकार के कार्यों में सामूहिकता एवं स्वच्छता की भावना से सहभागिता करने का आह्वान किया। उन्होंने नशे की समस्या के उन्मूलन के लिए जनजागरूकता और सामूहिक प्रयासों को आवश्यक बताया। विकासखंड समन्वयक सुश्री स्मिता दांडे ने जल संरक्षण के लिए बोरी बंधान, नर्सरी स्थापना एवं प्रस्फुटन वाटिका के विकास की जानकारी देते हुए शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए समितियों को प्रेरित किया। बैठक में सीएमसीएलडीपी पाठ्यक्रम के अंतर्गत पात्रता, विलेज प्रोफाइल, ग्राम चयन एवं क्षेत्रीय गतिविधियों की समीक्षा की गई। साथ ही पाठ्यक्रम के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा एमएसडब्ल्यू अंतिम वर्ष में प्रवेश की प्रगति की जानकारी लेकर निर्धारित समय-सीमा में प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।



आईटीआई सतना में छात्रावास निर्माण से विद्यार्थियों को मिलेंगी बेहतर सुविधाएं : राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी

सतना स्वतंत्रमत। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई), सतना में अध्ययनरत विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। संस्थान परिसर में 678.68 लाख रुपये की स्वीकृत राशि से निर्मित होने वाले 60 सीटर बालक छात्रावास एवं 30 सीटर बालिका छात्रावास का भूमिपूजन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी की उपस्थिति में संपन्न हुआ तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री गणेश सिंह ने की। छात्रावासों के निर्माण से आईटीआई में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं सुविधायुक्त आवासीय व्यवस्था उपलब्ध हो सकेगी। विशेष रूप से दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा और उन्हें तकनीकी एवं कौशल आधारित प्रशिक्षण प्राप्त करने में सहूलियत होगी। इस अवसर पर आयोजित 5वें कौशल दीक्षांत समारोह में शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) एवं शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना (सीआईटीएस) के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह के माध्यम से कौशल प्रशिक्षण के क्षेत्र में विद्यार्थियों की उपलब्धियों, मेहनत एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों द्वारा देशभर में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह के माध्यम से कौशल विकास एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में हासिल की गई उपलब्धियों को भी सम्मानित किया गया।

कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम-प्रतिमा बागरी- राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने कहा कि कौशल विकास युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा उन्हें रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण माध्यम है। वर्तमान समय में तकनीकी शिक्षा एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में आईटीआई जैसे संस्थान युवाओं को हुनरमंद बनाकर उनके भविष्य को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्थान में बालक एवं बालिका छात्रावासों का निर्माण होने से विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक एवं आवासीय वातावरण मिलेगा। दूरस्थ अंचलों से आने वाले विद्यार्थियों को अब आवास की सुविधा मिलने से प्रशिक्षण प्राप्त करने में आसानी होगी। प्रदेश सरकार तकनीकी शिक्षा, रोजगारपरक प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है, ताकि युवाओं को प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोजगार के अवसरों से जोड़ा जा सके।

0 से 5 साल के बच्चों को पिलाई गई पोलियो की दवा

घर घर जाकर भी पिलाई जाएगी पल्स पोलियो की दवा

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।



शासकीय चिकित्सालय एवं नगर में पल्स पोलियो अभियान की भव्य शुरुआत की गई। रविवार को शासकीय चिकित्सालय में आयोजित कार्यक्रम में अतिथियों ने बच्चों को अपने हाथों से पोलियो की दवा पिलाकर अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के तहत 0 से 5 साल तक के बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने के लिए नगर में 46 बूथ बनाए गए हैं। इसके साथ ही दो ट्रांजेक्शन टीमों के माध्यम से रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी बच्चों को पोलियो की दवा पिलाई जाएगी। इसके अलावा एक मोबाइल टीम ईंट भट्टा, मिल, कारखाना सहित अन्य स्थानों पर पहुंचकर बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का कार्य करेगी, ताकि कोई भी बच्चा इस अभियान से वंचित न रह जाए। रविवार से प्रारंभ हुआ यह पल्स पोलियो अभियान 25 नवंबर तक चलेगा। अभियान के तहत दो दिन घर-घर जाकर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने का कार्य करेगी।

शासकीय चिकित्सालय में पल्स पोलियो अभियान की शुरुआत श्रीमती बसंती पालीवाल, वार्ड पार्षद एवं न.पा. सभापति सुरेंद्र गुर्जर, सरपंच मनोज दुबे एवं चिकित्सालय प्रभारी उपेंद्र वस्त्रकार, शासकीय चिकित्सालय विधायक प्रतिनिधि अरुण बड़कुर ने बच्चों को अपने हाथों से पोलियो की दवा पिलाकर की। इस अवसर पर चिकित्सालय प्रभारी डॉक्टर उपेंद्र वस्त्रकार ने पल्स पोलियो अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को बचाने के लिए हर बच्चे को पोलियो की दवा पिलाना अत्यंत आवश्यक है।

नागरिकों के मूल अधिकारों का संरक्षण प्रशासन प्राथमिकता से करे : अध्यक्ष मानव अधिकार आयोग



सतना स्वतंत्रमत। मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष डॉ. अवधेश प्रताप सिंह के सतना अल्प प्रवास पर पहुंचने पर सर्किट हाउस में जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उनसे सौजन्य भेंट की। इस दौरान कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस. एवं पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह ने आयोग अध्यक्ष से विभिन्न विषयों पर चर्चा की। डॉ. अवधेश प्रताप सिंह ने कहा कि नागरिकों के मानव अधिकारों की रक्षा करना शासन और प्रशासन का मूल दायित्व है। इसमें किसी भी प्रकार की चूक होने पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर आयोग द्वारा संज्ञान लिया जाता है। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों के मूल अधिकारों का संरक्षण प्रशासन प्राथमिकता के साथ सुनिश्चित करे। आयोग अध्यक्ष ने जिले में कानून व्यवस्था, धान उपार्जन, किसानों को खाद एवं बीज वितरण, पेयजल आपूर्ति तथा लंबित राजस्व एवं पुलिस प्रकरणों की स्थिति पर अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन की समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि नागरिकों को सुविधाओं का लाभ सुगमता से मिल सके।

इको क्लब प्रभारी शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम सपन्न

नरसिंहपुर। पर्यावरण संकट इस समय हमारी ही नहीं वैश्विक चुनौती है।इस बड़े संकट से जूझने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आना होगा,यह किसी एक की ज़िम्मेदारी नही है बल्कि पूरे समाज के लिए चिंतन-मनन कर इस काम को करने करने लिये तैयार रहना होगा। हम चाहते तो हैं हमारे रहने की जगह साफ-सुथरी, सुंदर हो पर अपेक्षा हम दूसरों से करते हैं। उक्त उद्गार ज़िला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान सभागार में आयोजित ज़िले के इको क्लब प्रभारी शिक्षकों का उन्मुखीकरण कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेंद्र नागेश ने उद्घाटन सत्र में व्यक्त किये।

अलबरकात वेलफेयर सोसायटी द्वारा निकाह का आयोजन संपन्न



सबसे ज्यादा गरीब हमारे मुस्लिम भाई हैं पूर्व मंत्री अहमद

सतना स्वतंत्रमत। अलबरकात वेलफेयर सोसायटी द्वारा 4वां इज्तेमाई निकाह का आयोजन 22 नवंबर को नजीराबाद बस स्टैंड के पास किया गया। आयोजन में 16 जोड़ों का निकाह हुआ और सोसायटी द्वारा दहेज का इंतजाम किया गया था। सम्मेलन के दौरान पूर्व मंत्री सईद अहमद ने अपने उद्बोधन में कहा कि सबसे ज्यादा मुस्लिम समाज के लोग गरीब हैं उनके लिए कोई मदद करने वाला नहीं है। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में उन्होंने शिरकत की है और जो भी मदद होगी वे करेंगे। सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने भी इस सम्मेलन में शामिल होकर निकाह के बाद दुल्हन व दूल्हे को आशीर्वाद देकर कहा कि आप लोग अब नई जिंदगी की शुरुआत कर रहे हैं। दिन पर दिन आप लोगों की तरक्की हो यही कामना है। इस सम्मेलन में जहां राजनीतिक लोग शामिल हुए वहीं समाज सेवी एवं समिति के पदाधिकारी तथा सदस्यों ने भी सहयोग किया और उनकी भूमिका विशेष रही। इस दौरान सिकंदर बेग कलीम बच्चा मोइन खान शेर खान इमरान सौदागर तथा भारी संख्या में लोग समिति के लोगों के मुताबिक भाजपा के उप मंत्री राजेंद्र शुक्ला राज मंत्री प्रतिभा बागड़ी तथा सतना सांसद भी इस आयोजन में आना था लेकिन किसी कारण की वजह से इनका कार्यक्रम में पहुंचना कैंसिल हो गया।

सीईओ पर पांच प्रतिशत कमीशन मांगने के आरोप, वित्तीय प्रभार बदला लेकिन कुर्सी से नहीं हटी, जनपद सदस्यों का आन्दोलन जारी

मण्डला(स्वतंत्रमत)





जनपद पंचायत बीजाडांडी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) श्रीमती बासंती दुबे को लेकर चल रहा विवाद अब निर्णायक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। वित्तीय प्रभार बदलने के बावजूद जनप्रतिनिधियों का आक्रोश कम नहीं हुआ है। 20 नवंबर को जिला प्रशासन ने जनपद का वित्तीय प्रभार सीईओ दीप्ति यादव जनपद पंचायत नारायणगंज को सौंप दिया लेकिन प्रशासनिक कार्यों की जिम्मेदारी बासंती दुबे के पास ही रखी गई है। इस फैसले से असंतुष्ट जनपद के पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि सीईओ को बीजाडांडी से हटाने की मांग पर अड़े हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि केवल वित्तीय प्रभार बदलने से विवाद खत्म नहीं होगी। जब तक सीईओ को यहां से हटाकर शिकायतों पर ठोस कार्रवाई नहीं की जाती तब तक अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा। जनपद पंचायत बीजाडांडी में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप विकास कार्यों में कथित बाधाएं और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों को लेकर लंबे समय से खींचतान चल रही है। मार्च 2025 में जनपद क्षेत्र के 42 सरपंचों और 12 जनपद पदाधिकारियों ने तत्कालीन सीईओ श्रीमती बासंती दुबे की कार्यप्रणाली और कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर जिला कलेक्टर तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपी थी। शिकायतों के बाद जांच दल गठित किया गया लेकिन शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि जांच के बावजूद कोई ठोस कार्यवाही सामने नहीं आई इसके बाद जनपद उपाध्यक्ष जिला पंचायत सदस्य और अन्य जनपद सदस्यों के नेतृत्व में 15 दिनों तक हड़ताल की गई। 27 अगस्त 2026 को बीजाडांडी में आयोजित जनविश्वास शिविर में भी जिला कलेक्टर के सामने समस्याएं रखी गईं। विधायक निवास सहित जनपद के 12 पदाधिकारियों ने सामूहिक रूप से शिकायत प्रस्तुत की लेकिन जनप्रतिनिधियों के मुताबिक आश्वासन मिलने के बाद भी विवाद का समाधान नहीं हो सका लगातार शिकायतों के बाद 13 अक्टूबर को जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सदस्यगण और सेवानिवृत्त कर्मचारियों ने संभागीय आयुक्त जबलपुर से मुलाकात कर 13 बिंदुओं में शिकायत प्रस्तुत की मामले की गंभीरता को देखते हुए आयुक्त ने तत्काल जिला पंचायत सीईओ से चर्चा कर जांच कराने और रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए इसके अगले ही दिन नहीं बल्कि 15 अक्टूबर को क्षेत्रीय विधायक चैन सिंह वरकड़े सहित जिले के कई जनप्रतिनिधियों और क्षेत्रवासियों की मौजूदगी में जनआंदोलन किया गया इस दौरान जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली और लंबित समस्याओं को लेकर नाराजगी जाहिर की गई इसी विवाद के बीच सीईओ बासंती दुबे अवकाश पर चली गईं 28 अक्टूबर को जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच दल ने जनपद पंचायत बीजाडांडी पहुंचकर मामले की जांच की। इस दौरान जनपद पदाधिकारियों कर्मचारियों सेवानिवृत्त कर्मचारी, हितग्राहियों और आजीविका महिला समूहों की दीदियों ने अपने लिखित बयान प्रस्तुत किए। जनपद की ब्याज राशि से किए गए भुगतानों से संबंधित दस्तावेज भी जांच दल के समक्ष रखे गए हालांकि जांच के निष्कर्षों और उस पर प्रस्तावित कार्यवाही को लेकर जनप्रतिनिधियों की असंतुष्टि बरकरार है। 16 नवंबर को सीईओ बासंती दुबे ने जनपद पंचायत बीजाडांडी में पुनः कार्यभार ग्रहण किया इसके बाद जनपद के पदाधिकारी अनिश्चितकालीन आंदोलन पर बैठ गए आंदोलनकारियों की प्रमुख मांग सीईओ को बीजाडांडी से हटाने की है इसके बाद 20 नवंबर को जिला प्रशासन ने वित्तीय प्रभार सीईओ दीप्ति यादव को सौंपने का आदेश जारी किया लेकिन बासंती दुबे को प्रशासनिक प्रभार से नहीं हटाया गया यही निर्णय अब आंदोलनकारियों की नाराजगी का प्रमुख कारण बना हुआ है जनपद सदस्यों का कहना है कि 15वें वित्त आयोग और पांचवें वित्त आयोग के तहत वर्ष 2023 2024 और 2025 की राशि उपलब्ध होने के बावजूद अनेक विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उनके अनुसार कई कार्यों को तकनीकी और प्रशासकीय स्वीकृति मिलने के बाद भी भुगतान तथा राशि जारी करने में बाधाएं आ रही हैं जनप्रतिनिधियों ने सीईओ पर पांच प्रतिशत कमीशन मांगने के आरोप भी लगाए हैं। उन्होंने इन आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने मांग की है।

मोबाइल वैन को हरी झंडी

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सेवाओं सरकारी योजनाओं और साइबर धोखाधड़ी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से वित्तीय साक्षरता मोबाइल वैन रवाना की गई। अग्रणी जिला प्रबंधक सुजय कुमार ने हरी झंडी दिखाकर वैन का शुभारंभ किया। यह मोबाइल वैन जिले के विभिन्न गांवों में पहुंचकर ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग सरकारी वित्तीय योजनाओं तथा ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी देगी।

वित्तीय समावेशन शिविर

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के सभी नौ विकासखंडों में विशेष वित्तीय समा वेशन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अभियान के तहत वित्तीय साक्षरता केंद्र मंडला बिछिया एवं बीजाडांडी के ब्लॉक काउंसलर्स द्वारा बैंक बीसी के समन्वय से नागरिकों को विभिन्न बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं शिविरों में पात्र हितग्राहियों के नए बैंक खाते खोलने खातों की केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने तथा विभिन्न बैंकिंग बीमा योजनाओं से पात्र नागरिकों को जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

वन स्टॉप सेंटर ने बढ़ाई जनजागरूकता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिला एवं सत्र न्यायालय परिसर में छह दिवसीय न्याय उत्सव कार्यक्रम का समापन हुआ। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष कमल सोनी के निर्देशन तथा प्राधिकरण के सचिव हेमराज सनोडिया के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के वन स्टॉप सेंटर सखी की टीम ने सहभागिता की प्रशासक सुश्री प्रेरणा मर्सकोले के मार्गदर्शन में टीम ने प्रतिभागियों को विभागीय जन कल्याणकारी योजनाओं तथा घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं को वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से उपलब्ध त्वरित सहायता की जानकारी दी।

स्वास्थ्य पोषण संबंधी परामर्श

मण्डला(स्वतंत्रमत)। महिला एवं बाल विकास परियोजना मंडला अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्र मुर्रमखाप एवं बरगवा के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा सहायिकाओं ने महिला बाल विकास के अधिकारियों के साथ हितग्राहियों गर्भवती, धात्री माताओं एवं एसएनसीयू से डिस्चार्ज बालिका के घर-घर पहुंचकर भेंट की गई इस दौरान आंगनवाड़ी एवं स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले के सदस्य संयुक्त रूप से उपस्थित हुए। हितग्राहियों को आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी दी गई।

पिराली जलाने पर कार्यवाही

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले में नरवाई एवं पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए जिला प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जा रही है। नैनपुर विकासखंड के ग्राम समनापुर गोकुलथाना सांगवा एवं अलीपुर में पराली जलाने वाले कृषकों के खेतों का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया गया तथा संबंधित कृषकों के विरुद्ध कार्रवाई के लिए थाना प्रभारी नैनपुर को प्रकरण प्रस्तुत किए गए।

घुटास में जनसंवाद आयोजित

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत घुटास में वृहद जनसंवाद शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और शासकीय योजनाओं के जमीनी क्रियान्वयन की समीक्षा की। शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित ग्रामीणों के आवेदन प्राप्त किए गए जिन पर कलेक्टर ने अधिकारियों को संवेदनशीलता और समय-सीमा के भीतर निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए

प्रदेश स्तर पर तहसीलदार सम्मानित

मण्डला(स्वतंत्रमत)



राजस्व प्रशासन के क्षेत्र में जिले के लिए गौरव का विषय सामने आया है मण्डला तहसील के तहसीलदार हिमांशु भलावी को प्रदेश स्तर पर विशेष सम्मान से सम्मानित किया गया है। राजस्व मंत्री की गरिमामयी उपस्थिति में मुख्य सचिव एवं कमिश्नर भू-संसाधन द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया इस सम्मान को तहसीलदार ने पटवारी साथियों की मेहनत लगन और समर्पण को समर्पित किया है। उनका मानना है कि राजस्व विभाग के कार्यों को समय पर पूरा करने आम नागरिकों की समस्याओं के निराकरण और प्रशासनिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में मैदानी अमले की महत्वपूर्ण भूमिका होती है पटवारी ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व संबंधी कार्यों की अहम कड़ी होते हैं उनके सहयोग और निरंतर प्रयासों से ही विभागीय योजनाओं एवं कार्यों को धरातल पर प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकता है प्रदेश स्तर पर मिला यह सम्मान केवल एक अधिकारी की उपलब्धि नहीं बल्कि पूरी तहसील की टीम के सामूहिक प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है।

होगी रील मेकिंग प्रतियोगिता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। हेरिटेज वीक 2026 के अवसर पर मध्यप्रदेश की समृद्ध विरासत इतिहास एवं संस्कृति को कैमरे में कैद करने के लिए फोटोग्राफी प्रतियोगिता वीडियोग्राफी प्रतियोगिता एवं रील मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है प्रतिभागी प्रदेश के भव्य किलों प्राचीन मंदिरों शिल्पकला ऐतिहासिक स्मारकों एवं मनोरम परिदृश्यों की तस्वीरों सिनेमेटिक वीडियो एवं क्रिएटिव रील के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकते हैं। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश के 22 यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों (स्थायी एवं टेंटेटिव सूची सहित) की विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा।

शिव व्यायामशाला के उस्ताद बने महेश

मण्डला(स्वतंत्रमत)



शिव व्यायाम शाला में रविवार को आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से महेश कुमार कछवाहा को व्यायाम शाला का नया उस्ताद मनोनीत किया गया। स्वर्गीय विजय कछवाहा के निधन के बाद उनके स्थान पर महेश कछवाहा को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। शिव व्यायामशाला के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र गुप्ता ने बताया कि महेश कुमार कछवाहा को सर्वसम्मति से उस्ताद चुना गया है। इस अवसर पर उनका पारंपरिक रूप से पगड़ी बांधकर तथा पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया गया उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दीं और व्यायामशाला की परंपराओं को आगे बढ़ाने की अपेक्षा जताई महेश कछवाहा को मिली जिम्मेदारी पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए व्यायामशाला की गतिविधियों को और अधिक सक्रिय बनाने तथा युवाओं को व्यायाम अनुशासन और शारीरिक दक्षता के प्रति प्रेरित करने पर जोर दिया नई जिम्मेदारी मिलने पर महेश कछवाहा ने शिव व्यायामशाला की गतिविधियों परंपराओं और भविष्य की योजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की।

धान से भरा वाहन पकड़ा, किया जुर्माना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। कृषि उपज मंडी समिति नैनपुर के उड़नदस्ता दल ने अवैध कृषि



उपज परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 140 क्विंटल धान से भरे वाहन को पकड़ा। वाहन चालक के पास परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज एवं ई-अनुज्ञापत्र नहीं पाए जाने पर संबंधित व्यापारी से 34 हजार 49 रुपये की दांडिक राशि वसूल कर शासन के खजाने में जमा कराई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार 19 नवंबर को नैनपुर-मंडला मार्ग स्थित चिरईडोंगरी रेलवे क्षेत्र में वाहन क्रमांक सीजी 4 क्यूजे 9273 की जांच की गई। वाहन में 140 क्विंटल धान का परिवहन किया जा रहा था। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने तथा ई-अनुज्ञापत्र नहीं पाए जाने पर मंडी अधिनियम 1972 के तहत वैधानिक कार्यवाही की गई परिवहन की गई उपज के मालिक मेसर्स रमजान ट्रेडर्स बैहर जिला बालाघाट से दांडिक मंडी शुल्क 25 हजार 631 रुपये, समझौता शुल्क 5 हजार रुपये एवं निराश्रित शुल्क 3 हजार 418 रुपये सहित कुल 34 हजार 49 रुपये वसूल किए गए। यह कार्यवाही मंडी उड़नदस्ता प्रभारी एवं उपनिरीक्षक गोपाल प्रसाद नीलवंशी तथा उपनिरीक्षक पवन कुमार वरकड़े द्वारा की गई। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं भारसाधक अधिकारी मंडी समिति नैनपुर आशुतोष एम ठाकुर ने अवैध कृषि उपज व्यापार एवं परिवहन के विरुद्ध आगे भी निरंतर सख्त कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

ड्रोन सर्वे में स्वामित्व भूमि गायब

मण्डला(स्वतंत्रमत)। राजस्व विभाग द्वारा भूमि स्वामियों की पहचान और नवीन पट्टे जारी करने के उद्देश्य से कराए गए ड्रोन सर्वे में कथित त्रुटि का खामियाजा ग्राम देल्हा के किसान जयराम जंघेला और उनके दो भाई-बहनों को भुगतना पड़ रहा है। सर्वे में उनकी सामिल-सरीक भूमि दर्ज नहीं होने के कारण तीनों अपने ही स्वामित्व की भूमि को राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने के लिए नैनपुर तहसील से लेकर कलेक्टर कार्यालय तक चक्कर काटने को मजबूर हैं। इसके बावजूद अब तक उनकी समस्या का समाधान नहीं हो सका है जानकारी के अनुसार नैनपुर तहसील अंतर्गत ग्राम देल्हा निवासी किसान जयराम जंघेला और उनके दो भाई-बहनों की भूमि ड्रोन सर्वे में छूट गई। सर्वे के कुछ दिनों बाद जब भूमि स्वामी किसानों की सूची सार्वजनिक हुई तब तीनों को पता चला कि सूची में उनके नाम दर्ज नहीं हैं। इसके बाद से वे अपनी भूमि को सर्वे में शामिल कराने और राजस्व अभिलेखों में स्वामित्व संबंधी प्रविष्टि दुरुस्त कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।

उपसंचालक ने पशुपालकों से की चर्चा

मण्डला(स्वतंत्रमत)



जन विश्वास अभियान के अंतर्गत उपसंचालक पशुपालन विभाग उग्रसेन तिवारी ने घुघरी क्षेत्र का भ्रमण कर डेयरी पशुपालकों से चर्चा की तथा पशु चिकित्सालय घुघरी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पशुपालकों से पशुपालन एवं डेयरी गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की और पशुपालन व्यवसाय से जुड़ी गतिविधियों का जायजा लिया निरीक्षण के दौरान उपसंचालक ने पशु चिकित्सालय में संचालित विभागीय योजनाओं एवं पशुओं को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं की स्थिति देखी उन्होंने पशुपालन विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन और पशुपालकों को मिल रही सुविधाओं की जानकारी भी ली भ्रमण के दौरान डेयरी पशुपालकों से संवाद कर पशुपालन संबंधी गतिविधियों तथा उनकी आवश्यकताओं पर चर्चा की गई जनविश्वास अभियान के तहत विभागीय सेवाओं की जानकारी लेने और पशु पालकों से सीधे संवाद करने के उद्देश्य से यह निरीक्षण किया।

नैनपुर बस स्टैंड में चोरों का आतंक

सीसीटीवी कैमरों के अभाव में सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल, पुलिस ने शुरू की जांच

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

नगर के सबसे व्यस्त सार्वजनिक स्थलों में शामिल बस स्टैंड पर चोरी की घटनाओं ने सुरक्षा व्यवस्था की चिंता बढ़ा दी है। यहां सीसीटीवी कैमरों का अभाव और निगरानी की पुख्ता व्यवस्था नहीं होने के कारण चोरों के हौसले बुलंद नजर आ रहे हैं। ताजा घटनाक्रम में कुछ ही मिनटों के अंतराल में मोबाइल और स्कूटी चोरी होने की शिकायत सामने आई है। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से यात्रियों और स्थानीय नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। जानकारी के अनुसार, सिविल अस्पताल नैनपुर की टीम इन दिनों पल्स पोलियो अभियान में जुटी हुई है। इसी अभियान में कार्यरत बच्ची गोल्डी झारिया का मोबाइल फोन बस स्टैंड क्षेत्र से किसी अज्ञात व्यक्ति ने चोरी कर लिया। वहीं, दूसरी घटना में बस स्टैंड पर बिरयानी खाने पहुंचे सूरजपुरा निवासी साबिद खान पिता दिलवर खान की नीले रंग की स्कूटी गायब हो गई। दोनों घटनाओं से संबंधित पीड़ितों ने नैनपुर पुलिस को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायतों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। इधर बीती देर रात पुलिस गश्त के दौरान इटका वार्ड क्रमांक 7 में एक बिना नंबर की स्कूटी खड़ी मिली। बताया जा रहा है कि यह स्कूटी पिछले दो दिनों से वहां लावारिस हालत में खड़ी थी। पुलिस द्वारा स्कूटी के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। हालांकि, इसका हालिया चोरी की घटनाओं से कोई संबंध है या नहीं, यह जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा।





बस स्टैंड पर सुरक्षा इंतजामों की दरकार

बस स्टैंड जैसे व्यस्त सार्वजनिक स्थान पर लगातार चोरी की घटनाएं होना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में यात्रियों, व्यापारियों और आम नागरिकों का आवागमन होता है, इसके बावजूद सीसीटीवी कैमरों जैसी बुनियादी निगरानी व्यवस्था का अभाव चिंता का विषय है। ऐसे में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने और आरोपियों की पहचान करने में भी कठिनाई आ सकती है। अब आवश्यकता है कि नगर पालिका एवं संबंधित विभाग बस स्टैंड परिसर में पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे लगवाने के साथ उनकी नियमित निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। वहीं, पुलिस गश्त भी प्रभावी बनाई जाए, ताकि यात्रियों और नागरिकों को सुरक्षित वातावरण मिल सके। फिलहाल नगरवासियों की नजर पुलिस जांच और चोरी की घटनाओं के खुलासे पर टिकी है।

नैनपुर में अतिक्रमण पर प्रशासन का शिकंजा

नैनपुर (स्वतंत्र मत) । नगर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था और बाजार क्षेत्र में लगातार बढ़ते अतिक्रमण को लेकर आखिरकार प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। सड़कों पर दुकानें सजाकर व्यापार करने, मुख्य मार्गों तक सामान फैलाने और आवागमन वाले स्थानों पर अस्थायी दुकानें लगाने वालों को प्रशासन ने अंतिम चेतावनी देते हुए गुरुवार तक का समय दिया है। इसके बाद अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई प्रारंभ की जाएगी। प्रशासन की इस पहल से नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार और आम नागरिकों को जाम से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। दरअसल, नैनपुर के मुख्य बाजार और प्रमुख मार्गों पर लंबे समय से अव्यवस्थित ढंग से दुकानें संचालित होने की शिकायतें सामने आ रही थीं। कई दुकानदारों द्वारा दुकानों का सामान सड़क तक फैलाने तथा सड़क और रहवासी क्षेत्रों में सब्जी सहित अन्य अस्थायी दुकानें लगाए जाने से आवागमन प्रभावित हो रहा है। वहीं, मार्गों पर बेतरतीब तरीके से खड़े वाहनों के कारण भी यातायात व्यवस्था बाधित होती है। इस स्थिति से राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय व्यापारियों को रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगरवासियों की लगातार मिल रही शिकायतों और जनमांग को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम आशुतोष महादेव ठाकुर ने पत्र जारी कर तहसीलदार, पुलिस विभाग एवं नगरपालिका प्रशासन को बाजार व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों में सड़क और सार्वजनिक आवागमन के स्थानों से अतिक्रमण हटाने, सब्जी दुकानों को निर्धारित स्थलों पर व्यवस्थित करने तथा नगर की यातायात व्यवस्था सुगम बनाने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही सड़कों पर बेतरतीब ढंग से खड़े वाहनों के विरुद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम के निर्देशों के पालन में तहसीलदार, पुलिस एवं नगरपालिका प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा बाजार क्षेत्र में दुकानदारों से संपर्क कर उन्हें गुरुवार तक स्वयं अतिक्रमण हटाने और दुकानें निर्धारित सीमा में संचालित करने की समझाइश दी गई है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा के बाद सड़क और आवागमन में बाधा उत्पन्न करने वाले अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

संपादकीय

मताधिकार कोई 'भीख' नहीं

मतदाता शुद्धिकरण के नाम पर देश भर में कितना रायता फैलाया गया, यह उप्र की ड्राफ्ट मतदाता सूची का विश्लेषण करने पर स्पष्ट हो जाता है। चुनाव आयोग और घर-घर न जाने वाले बीएलओ की नाकामियां और विसंगतियां कितनी हैं? ढेरों विरोधाभास और संदेह सामने आ रहे हैं। खुद उप्र के मुख्य चुनाव अधिकारी नवदीप रिणवा ने स्वीकार किया है कि यदि जनसंख्या को आधार तय किया जाए तो उप्र में ही 2.58 करोड़ से अधिक मतदाता कम हैं। महिला मतदाता ही 1.64 करोड़ कम हैं। 18-19 साल के युवा मतदाताओं में करीब 72 लाख नाम और जुड़ने चाहिए। सीईओ साहब जनगणना विशेषज्ञ भी बन गए हैं, लेकिन इतनी संख्या में मतदाता छूट गए हैं। यह कोई सामान्य संख्या नहीं है। उप्र की अंतिम मतदाता सूची 10 अप्रैल, 2026 को जारी की जा चुकी थी, लेकिन उसमें अब भी पुनरीक्षण, संशोधन, दावे आदि जारी हैं। यानी अब कटे हुए नाम नए सिरे से जोड़ने की कवायद जारी है। अब नई तारीख 4 जनवरी, 2027 तय की गई है।

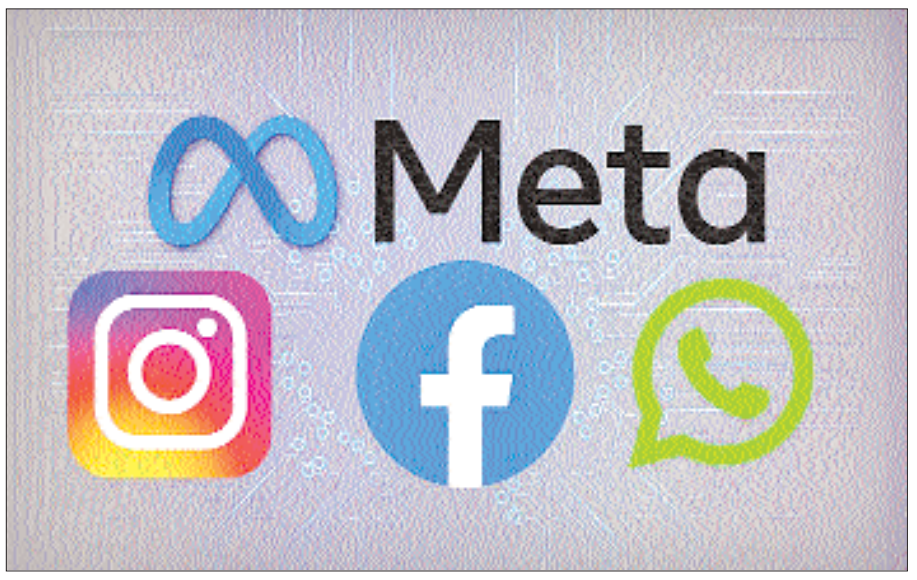
उप्र के अलावा पंजाब, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा में भी 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन राज्यों में 20.7 लाख मतदाता बढ़े हैं, अकेले उप्र में ही 18.84 लाख से अधिक मतदाता बढ़ गए हैं। जिन 13 राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में ड्राफ्ट मतदाता सूचियां जारी की गई थीं, उनमें करीब 75 लाख नाम जुड़े हैं। उनके बावजूद 'वोट चोरी' का विवाद यथावत है। सर्वोच्च अदालत में भी राहुल गांधी और अन्य विपक्षियों की याचिका पर 9 दिसंबर को सुनवाई शुरू होगी। न जाने कितनी तारीखों के बाद अदालत का फैसला देश के सामने आएगा? उप्र में ड्राफ्ट सूची के मुताबिक, 13.58 करोड़ 68905 मतदाता दर्ज किए गए हैं, जबकि जनसंख्या के अनुमानों के आधार पर यह संख्या 16.16 करोड़ से अधिक होनी चाहिए। यह उप्र के सीईओ रिणवा का ही विश्लेषण है कि 2.58 करोड़ से अधिक मतदाता कम हैं। इतने मतदाताओं का छूटना या काट देना एक गंभीर, संवैधानिक सवाल है। भारत में 'मताधिकार' को संविधान में मौलिक अधिकार माना गया है, लिहाजा इतनी बड़ी संख्या में मतदाताओं का छूटना 'संवैधानिक आघात' भी है। औसतन 85 फीसदी भारतीय ही मतदाता हैं। उप्र ड्राफ्ट सूची के बाद यह अहम और गंभीर सवाल उठता है कि क्या एसआईआर बेमानी रहा? एसआईआर के बावजूद करोड़ों मतदाता कैसे छूट गए? क्या यही विशेष गहन शुद्धिकरण या विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण था? बिहार, बंगाल, दिल्ली, महाराष्ट्र आदि राज्यों में तो 'वोटर कट' के बाद 'वोटर जोड़' के अभियान नहीं चलाए गए। कमोबेश बिहार और बंगाल में मतदाता सूची को ही 'ब्रह्मसत्य' मान लिया गया। बंगाल में 27.16 लाख से अधिक मतदाताओं के मताधिकार छीन लिए गए, लेकिन न्यायाधीश ने भी टिप्पणी कर दी कि अगली बार मतदान कर लेना। मताधिकार कोई 'भीख' है क्या? उप्र में अब भी 16 दिसंबर तक का समय दिया गया है, ताकि कटे हुए नाम फिर जोड़े जा सकें। यह तथ्य कहीं सामने नहीं आया कि 1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट काट दिए गए हैं या 1.65 फीसदी मुस्लिम वोट बढ़ गए हैं। सीईओ रिणवा ने स्पष्ट कहा कि चुनाव आयोग धर्म और जाति के आधार पर न तो विश्लेषण करता है और न ही ऐसा डाटा रखता है। बहरहाल भाजपा ने तुरंत अपना 'वोट जोड़ो' अभियान शुरू कर दिया है। लक्ष्य 86.86 लाख मतदाता जुड़वाने का तय किया गया है। हर बूथ पर 50 वोट बनवाने का कोटा दिया गया है। कार्यकर्ता घर-घर जाएंगे और वोट सुनिश्चित करेंगे। क्या एसआईआर का मकसद यही था? क्या अब ऐसी संभावनाएं हैं कि जो भी आवेदन करेगा, उसे मतदाता सूची में शामिल कर लिया जाएगा और इस तरह 2.58 करोड़ का 'खालीपन' भरा जाएगा? यदि मतदाताओं की जांच-पड़ताल नहीं हो सकी, तो फिर एसआईआर बिल्कुल बेमानी है।

नागरिक मेटा का यूजर हैं, गुलाम नहीं!

डिजिटल लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी और कॉरपोरेट सत्ता का बढ़ता नियंत्रण



भूपेंद्र गुप्ता
(लेखक स्वतंत्र विश्लेषक हैं)



लोकतंत्र में नागरिक किसी सरकार का अधीनस्थ नहीं होता, वह संविधान का अधिकार-संपन्न नागरिक होता है। यही बात डिजिटल दुनिया पर भी लागू होनी चाहिए। आम नागरिक फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप का उपयोगकर्ता है, उनका अधीनस्थ नहीं। वह इन प्लेटफॉर्मों पर अपने विचार व्यक्त करता है, सूचनाओं का आदान-प्रदान करता है, राजनीतिक बहस करता है और सत्ता से सवाल पूछता है। लेकिन जब उसकी अभिव्यक्ति की सीमाएं तय करने का अधिकार कुछ निजी बहुराष्ट्रीय कंपनियों के हाथों में केंद्रित होने लगता है, तब यह केवल तकनीकी या व्यावसायिक विषय नहीं रह जाता, बल्कि लोकतंत्र के भविष्य का प्रश्न बन जाता है।

मेटा जैसी कंपनियां आज केवल सोशल मीडिया सेवाएं उपलब्ध नहीं करा रहीं। वे आधुनिक समाज में जनमत निर्माण, राजनीतिक संवाद और सार्वजनिक विमर्श की महत्वपूर्ण संरचना बन चुकी हैं। किसकी पोस्ट कितने लोगों तक पहुंचेगी, किसकी सामग्री हटाई जाएगी, किसका अकाउंट प्रतिबंधित होगा और किसकी आवाज एल्गोरिदम के माध्यम से दब जाएगी-इन सब पर इन कंपनियों की नीतियों का सीधा प्रभाव पड़ता है। यह शक्ति किसी निर्वाचित संस्था के पास भी नहीं है। सवाल यह है कि इतनी व्यापक सामाजिक शक्ति के इस्तेमाल पर जवाबदेही किसकी है?

युवक कांग्रेस के नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट प्रतिबंधित किए जाने के बाद मेटा के कार्यालयों पर हुए प्रदर्शन ने इसी बहस को राष्ट्रीय स्तर पर ला खड़ा किया है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार की आलोचना करने वाली आवाजों के विरुद्ध सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चुनिंदा ढंग से कार्रवाई कर रहे हैं। यदि यह आरोप सही है तो यह अत्यंत गंभीर मामला है। यदि किसी राजनीतिक दल के नेताओं की सामग्री केवल इसलिए हटाई जाती है कि वे सरकार की आलोचना करते हैं, तो यह डिजिटल माध्यमों के जरिए लोकतांत्रिक असहमति को सीमित करने जैसा होगा।

हालांकि इस आरोप की स्वतंत्र जांच और तथ्यों की पुष्टि आवश्यक है। किसी अकाउंट पर प्रतिबंध लगने मात्र से राजनीतिक भेदभाव सिद्ध नहीं होता। मेटा को स्पष्ट करना चाहिए कि कार्रवाई किस नियम के तहत हुई, किसकी शिकायत पर हुई और उसके विरुद्ध अपील की क्या व्यवस्था उपलब्ध है।

यहां एक दूसरा और अधिक बुनियादी सवाल भी है। क्या मेटा को यह अधिकार है कि वह करोड़ों नागरिकों के सार्वजनिक संवाद का निर्णायक बन जाए? निश्चित रूप से किसी निजी कंपनी को अपनी सेवाओं के संचालन और अनुचित सामग्री पर नियंत्रण का अधिकार है। लेकिन जब उसका प्लेटफॉर्म लोकतांत्रिक संवाद का प्रमुख माध्यम बन जाता है, तब उसकी जिम्मेदारी भी केवल व्यावसायिक शर्तों तक सीमित नहीं रह सकती। पारदर्शिता, निष्पक्षता और जवाबदेही उसकी अनिवार्य जिम्मेदारियां होनी चाहिए।

भारत का संविधान अनुच्छेद 19(1)(डु) के अंतर्गत नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है। यह अधिकार मुख्यत: राज्य के विरुद्ध संवैधानिक संरक्षण प्रदान करता है। इसका अर्थ यह नहीं कि कोई निजी प्लेटफॉर्म हर प्रकार की सामग्री प्रकाशित करने के लिए बाध्य है। लेकिन इसका यह भी अर्थ नहीं कि निजी कंपनियों की नीतियों और सरकारी निर्देशों के जरिए नागरिकों की आवाज को मनमाने ढंग से दबाने की व्यवस्था स्वीकार कर ली जाए। सरकार और कंपनियों, दोनों के निर्णय कानून, पारदर्शिता और उचित प्रक्रिया की कसौटी पर परखे जाने चाहिए।

भारत में डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर सरकारी नियंत्रण और सामग्री हटाने के निर्देशों को लेकर पहले से ही गंभीर बहस चल रही है। यदि सरकार किसी सामग्री को हटाने का निर्देश देती है तो नागरिकों को यह जानने का अधिकार होना चाहिए कि उसका कानूनी आधार क्या है। यदि मेटा अपनी कम्युनिटी गाइडलाइंस के आधार पर सामग्री हटाती है तो उसे भी समान नियमों का पालन करना चाहिए। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के लिए एक ही कसौटी होनी चाहिए।

उदाहरण के तौर पर राहुल गांधी की एक तस्वीर जिसमें वे तिरंगा हाथ में लिये हैं कोई कमेंट नहीं लिखा ,उसे भारत में प्रदर्शन के लिये प्रतिबंधित किया गया मेरी ही प्रोफाईल पर ।क्या मेटा इसकी कानूनी बाध्यता समझा सकती है।क्या मेटा यह स्पष्ट करेगी कि राहुल गांधी की तस्वीर और वीडियो को प्रतिबंधित करने का वास्तविक कानूनी आधार क्या था? क्या किसी सरकारी एजेंसी का निर्देश था या कंपनी के एल्गोरिदम ने स्वयं ऐसा निर्णय लिया? यदि यह तकनीकी गलती थी तो क्या ऐसी गलतियों से प्रभावित प्रत्येक नागरिक को समान रूप से न्याय और स्पष्टीकरण मिलता है? सवाल राहुल गांधी की तस्वीर का नहीं, उस व्यवस्था का है जिसमें किसी नागरिक की आवाज बिना पारदर्शी कारण के डिजिटल मंच से गायब हो सकती है।क्या तामिलनाडु के मुख्यमंत्री के इंस्टाग्राम अकाउंट , प्रधानमंत्री का वीडियो या अदालत की कार्यवाही के विडियो गायब होना केवल तकनीकि त्रुटि का हिस्सा हैं?यह जबाब तो आना ही चाहिये।

लेकिन इस आंदोलन के संदर्भ में युवक कांग्रेस के प्रदर्शन के तरीके पर भी विचार करना आवश्यक है। किसी कंपनी की नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन कार्यालय परिसर में घुसकर तोड़फोड़ करना या संपत्ति को नुकसान पहुंचाना उचित नहीं है। इससे मूल मुद्दे की गंभीरता कम होती है और आंदोलन को राजनीतिक रूप से कमजोर करने का अवसर विरोधियों को मिलता है। कांग्रेस का ऐतिहासिक आधार सत्याग्रह, शांतिपूर्ण प्रतिरोध और लोकतांत्रिक संघर्ष रहा है। उसे अपनी लड़ाई भी इन्हीं मूल्यों के आधार पर लड़नी चाहिए।

इस आंदोलन को केवल उदय भानु चिब या किसी अन्य नेता के अकाउंट बहाल कराने की मांग तक सीमित नहीं रहना चाहिए। यह करोड़ों भारतीयों की डिजिटल स्वतंत्रता का आंदोलन बनना चाहिए। मेटा से पूछा जाना चाहिए कि पिछले वर्षों में भारत सरकार के निर्देशों पर कितने अकाउंट और पोस्ट प्रतिबंधित किए गए? कितने मामलों में कंपनी ने स्वतंत्र रूप से कार्रवाई की? क्या राजनीतिक सामग्री के मामले में सत्ता पक्ष और विपक्ष के लिए समान मानदंड अपनाए गए? कितने लोगों को अपने अकाउंट प्रतिबंधित होने के विरुद्ध प्रभावी अपील का अवसर मिला? यह भी जरूरी है कि डिजिटल कंपनियों की नीतियों का स्वतंत्र ऑडिट हो और सरकारी निर्देशों का सार्वजनिक विवरण उपलब्ध कराया जाए। संसद को भी इस विषय पर गंभीर चर्चा करनी चाहिए। नागरिकों के डिजिटल अधिकारों की रक्षा के लिए ऐसी व्यवस्था बने जिसमें न सरकार मनमानी कर सके और न कोई निजी कंपनी।

दरअसल, डिजिटल युग में लोकतंत्र की नई चुनौती यही है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केवल कागज पर सुरक्षित न रहे। आज किसी नागरिक की आवाज को दबाने के लिए अखबार बंद करना या सभा रोकना ही पर्याप्त नहीं है। उसके सोशल मीडिया अकाउंट की पहुंच सीमित करना, पोस्ट हटाना या अकाउंट प्रतिबंधित करना भी उसके सार्वजनिक संवाद को प्रभावित कर सकता है। लोकतंत्र में असहमति कोई अपराध नहीं है। सरकार की आलोचना राष्ट्रविरोध नहीं है और सवाल पूछना किसी कंपनी की शर्तों का उल्लंघन नहीं माना जा सकता, जब तक कि वह निर्धारित कानूनी और उचित सीमाओं में हो।

इसलिए मेटा के सामने सवाल केवल युवक कांग्रेस का नहीं, भारत के प्रत्येक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता का है। नागरिक मेटा का यूजर है, उसकी संपत्ति नहीं। वह प्लेटफॉर्म का उपयोग करता है, उसके अधीन जीवन नहीं जीता। उसकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किसी कॉरपोरेट कंपनी की कृपा पर निर्भर नहीं हो सकती।

डिजिटल लोकतंत्र में कंपनियां सेवा दे सकती हैं, नागरिकों की आवाज की मालिक नहीं बन सकतीं। यही इस पूरे विवाद का सबसे बड़ा सबक और लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण मांग है।

चेतना को लेकर इंसान का ज्ञान आज भी अधूरा, अगर एआई भी महसूस करने लगे तो क्या होगा

हाल ही में मेरी मुलाकात एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से हुई, जो एक बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनी में काम करते हैं। एआई में मेरी दिलचस्पी को देखते हुए मुझे लगा कि हमारी बातचीत अच्छी रहेगी। लेकिन, जब मैंने उन्हें बताया कि मैं एआई से जुड़े नैतिक सवालों पर काम करती हूं और इनमें एक प्रश्न यह भी है कि क्या भविष्य में एआई में चेतना विकसित हो सकती है, तो वह हंस पड़े। उन्होंने लगभग यकीन के साथ कहा कि मशीनों में चेतना आने का सवाल ही नहीं उठता। फिर, उलटे मुझसे पूछ बैठे कि क्या मुझे पता भी है कि लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) कैसे काम करते हैं? मैं कुछ पल के लिए चुप रह गई। मेरे शोध के लिए एलएलएम की गहरी समझ जरूरी है, पर सच्चाई यह है कि उन्हें बनाने वाले विशेषज्ञ भी पूरी तरह नहीं जानते कि ये मॉडल आखिर काम कैसे करते हैं। उस वक्त मुझे उनसे एक सवाल पूछना चाहिए था कि क्या वह खुद जानते हैं कि चेतना कैसे काम करती है?

दरअसल, चेतना को लेकर इंसान का ज्ञान आज भी अधूरा है। सदियों के वैज्ञानिक और दार्शनिक विमर्श के बावजूद, इस बात पर सहमति नहीं बन पाई है कि चेतना पैदा कैसे होती है। कुछ सिद्धांत मानते हैं कि इसके लिए जीवित कोशिकाओं की खास जैविक और विद्युत गतिविधियां जरूरी हैं, जो कंप्यूटर में नहीं होतीं। वहीं, कुछ सिद्धांतों के अनुसार, चेतना का संबंध किसी सिस्टम की बनावट से ज्यादा उसके काम करने के तरीके से है। यानी सैद्धांतिक रूप से मशीनों में भी चेतना संभव हो सकती है। इस बहस को महज कल्पना मानकर खारिज करना भी उचित नहीं होगा।



2022 में चेतना पर शोध करने वाले वैज्ञानिकों के एक सर्वे में महज तीन प्रतिशत लोगों ने माना कि मशीनें कभी सचेत नहीं हो सकतीं। इसके उलट, दो-तिहाई से अधिक शोधकर्ताओं का मानना था कि मशीनों में चेतना संभव है या भविष्य में हो सकती है। बेशक किसी दूसरे के भीतर चेतना होने का प्रत्यक्ष प्रमाण हमारे पास नहीं होता। हम अपने अनुभवों को तो महसूस कर सकते हैं, लेकिन किसी दूसरे इन्सान के अनुभवों को सीधे नहीं जान सकते। इसके बावजूद, हम मानते हैं कि दूसरे लोग भी हमारी तरह सचेत हैं। इसकी वजह है उनकी जैविक बनावट, व्यवहार, बातचीत और सबसे बढ़कर उनका यह कहना कि वे कुछ महसूस करते हैं।

एआई के मामले में भी यही तरीका अपनाया जा सकता है। हमें देखना होगा कि मशीनें क्या कहती हैं, कैसे व्यवहार करती हैं, उनके भीतर सूचनाओं का प्रसंस्करण किस तरह होता है और प्रशिक्षण के दौरान उनकी क्षमताएं कैसे विकसित होती हैं। इस दिशा में एंथ्रोपिक का अपने चैटबॉट क्लाउड पर किया गया शोध दिलचस्प संकेत देता है। एंथ्रोपिक के शोधकर्ताओं ने क्लाउड में ऐसे आंतरिक तंत्रों की पहचान की, जो अलग-अलग काम करते समय जरूरी जानकारी उपलब्ध कराते हैं। ये कुछ हद तक इन्सानी मस्तिष्क जैसे दिखाई देते हैं। उन्होंने जब इस आंतरिक व्यवस्था में किसी एक अवधारणा को दूसरी से बदला, तो क्लाउड के तर्क और जवाब भी बदल गए। वहीं, इस व्यवस्था को बाधित करने पर अपने अनुभवों का वर्णन करने का उसका तरीका सपाट और मशीनी हो गया। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं कि क्लाउड सचेत है। एंथ्रोपिक भी ऐसा दावा नहीं करता। पर, यह बताता है कि एआई में चेतना से जुड़े संकेतों की वैज्ञानिक जांच कैसे की जा सकती है।

खास बात यह है कि ये आंतरिक व्यवस्थाएं इन्सानों ने सीधे डिजाइन नहीं की थीं, बल्कि मॉडल के प्रशिक्षण के दौरान विकसित हुईं। इस बहस में दोनों तरफ जोखिम हैं। यदि हम सचेत एआई की संभावना को पूरी तरह नकार देते हैं और मशीनें वास्तव में कुछ महसूस करने में सक्षम हुईं, तो हम उनके साथ अन्याय कर सकते हैं। दूसरी ओर, यदि हम बिना पर्याप्त प्रमाण के मशीनों को सचेत मानने लगें, तो हमारी नैतिक चिंताएं गलत दिशा में जा सकती हैं। इसलिए, एआई की चेतना का सवाल महज दार्शनिक बहस या विज्ञान-कथा का विषय नहीं है। यह विज्ञान, तकनीक और नैतिकता के बीच खड़ा एक गंभीर सवाल है।

भले ही हम कभी यह न जान सकें कि कोई मशीन सचेत है या नहीं, पर हमारे पास मौजूद साक्ष्यों की जांच करना जरूरी है। एआई का भविष्य केवल इस बात से तय नहीं होगा कि मशीनें क्या कर सकती हैं, बल्कि इससे भी तय होगा कि क्या वे कुछ महसूस कर सकती हैं। इस सवाल को नजरअंदाज करने की कीमत भविष्य में बहुत बड़ी हो सकती है।

रिश्तों का नया पड़ाव : हिंद-प्रशांत में रणनीतिक साझेदारी मजबूत करेंगे भारत-जापान, कई अहम मुद्दों पर बनी सहमति

पवन पांडेय

भारत और जापान के बीच %2+2 मंत्रिस्तरीय वार्ता दोनों देशों के बीच गहराते सामरिक, आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों का महत्वपूर्ण संकेत है। इस वार्ता में दोनों देशों के विदेश और रक्षा मंत्रियों की भागीदारी बताती है कि भारत व जापान अब अपने रिश्तों को आर्थिक सहयोग तक सीमित रखने के बजाय क्षेत्रीय और वैश्विक सुरक्षा के मोर्चे पर भी एक-दूसरे के विश्वसनीय साझेदार के रूप में स्थापित करना चाहते हैं।

गौरतलब है कि यह मंच 2019 में अपनी स्थापना के समय से ही भारत की 'एक्ट ईस्ट नीति' और दोनों देशों की 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' को ठोस दिशा देता रहा है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की बढ़ती सैन्य व सामरिक सक्रियता, समुद्री सुरक्षा की चुनौतियां और बदलता वैश्विक शक्ति संतुलन दोनों देशों के बीच सहयोग को और गहरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे में, भारत और जापान का सहयोग हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है। बृहस्पतिवार को टोक्यो में हुई वार्ता में दोनों देशों ने संयुक्त सैन्य अभ्यासों को अधिक व्यापक बनाने और भारत में सैन्य फायरिंग रेंज के उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाया।

हिंद महासागर और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में समुद्री मार्गों की सुरक्षा, सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा नौसैनिक सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया गया। आर्थिक सुरक्षा के लिए जहां सेमीकंडक्टर, महत्वपूर्ण खनिज, स्वच्छ ऊर्जा, दवाइयों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया गया, वहीं तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष तकनीक और डिजिटल कनेक्टिविटी में साझेदारी बढ़ाने पर भी सहमति बनी। उल्लेखनीय है कि जापान के पास उन्नत तकनीक, पूंजी और औद्योगिक अनुभव है, जबकि भारत के पास विशाल बाजार, युवा कार्यबल और बढ़ती आर्थिक क्षमता है।

दोनों देशों का सहयोग भारत की विनिर्माण क्षमता, बुनियादी ढांचे और रक्षा आत्मनिर्भरता को नई मजबूती दे सकता है। भारत और जापान की दोस्ती केवल दो देशों के हितों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक स्वतंत्र, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। लेकिन, किसी भी साझेदारी की सफलता महज घोषणाओं से नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन से मापी जाती है। इसलिए, रक्षा तकनीक का हस्तांतरण, निवेश में वृद्धि, व्यापारिक संतुलन, आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती और परस्पर जनसंपर्क बढ़ाना दोनों देशों के लिए प्राथमिकता होनी चाहिए। वर्ष 2027 में भारत और जापान के राजनयिक संबंधों की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होंगे। यह अवसर केवल अतीत की उपलब्धियों को याद करने का नहीं, बल्कि आपसी विश्वास और सहयोग को नई ऊंचाई देने का भी होना चाहिए।

दुनिया में युद्ध नहीं, संवाद से बनेगी शांति

सौरभ वार्ष्णेय

आज पूरी दुनिया युद्ध, आतंकवाद, क्षेत्रीय संघर्ष, आर्थिक प्रतिस्पर्धा और कूटनीतिक तनाव के दौर से गुजर रही है। कहीं सीमाओं को लेकर विवाद है तो कहीं धार्मिक और वैचारिक मतभेद हिंसा का रूप ले रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर पश्चिम एशिया के तनाव तक, दुनिया के सामने शांति और स्थिरता बनाए रखना एक बड़ी चुनौती बन गया है। ऐसे समय में भारत की राजधानी नई दिल्ली में शंघाई सहयोग संगठन एससीओ के पहले सभ्यतागत संवाद मंच का आयोजन केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति को एक नई दिशा देने की महत्वपूर्ण पहल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक पुराना किला में इस मंच का उद्घाटन करना भारत की उस सभ्यतागत सोच को रेखांकित करता है, जिसमें युद्ध के बजाय संवाद, टकराव के बजाय सहयोग और वर्चस्व के बजाय सह-अस्तित्व को प्राथमिकता दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में उचित ही कहा कि जब दुनिया में युद्ध और अशांति की चर्चा हो रही है, तब सभ्यताओं के बीच संवाद की पहल बेहद महत्वपूर्ण है। वैश्विक शांति की सबसे मजबूत गारंटी सांस्कृतिक जुड़ाव है। यह विचार आज के अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में विशेष महत्व रखता है। दुनिया ने बार-बार देखा है कि केवल सैन्य शक्ति, हथियारों का विस्तार और आर्थिक प्रतिबंध किसी समस्या का स्थायी समाधान नहीं दे सकते। युद्ध किसी एक देश की सीमाओं तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था, खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा आपूर्ति और मानवीय जीवन पर पड़ता है। ऐसे में शांति की तलाश केवल राजनीतिक समझौतों से नहीं, बल्कि समाजों और सभ्यताओं के बीच विश्वास पैदा करने से भी संभव है।

भारत की सभ्यतागत विरासत इस दिशा में उसकी सबसे बड़ी ताकत है। हजारों वर्षों से भारत ने विविधता को संघर्ष का नहीं, बल्कि सह-अस्तित्व का आधार बनाया है। यहां अलग-अलग भाषाएं, धर्म, संस्कृतियां, परंपराएं और जीवन पद्धतियां एक साथ विकसित हुई हैं। भारतीय दर्शन का मूल संदेश ही वसुधैव कुटुम्बकम अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है। यह विचार केवल आदर्शवादी नारा नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों को मानवीय दृष्टिकोण से देखने की एक व्यापक अवधारणा है। भारत की यही सोच उसे वैश्विक मंचों पर संवाद और सहयोग का समर्थक बनाती है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में लगभग पांच हजार वर्ष पुराने सिंधु घाटी और मेसोपोटामिया के व्यापारिक संबंधों का उल्लेख कर यह याद दिलाया कि सभ्यताओं का विकास कभी अलग-थलग रहकर नहीं हुआ। प्राचीन व्यापार मार्गों ने भारत, चीन, मध्य एशिया और यूरेशिया के विभिन्न क्षेत्रों को आपस में जोड़ा था। इन मार्गों से केवल वस्तुओं का व्यापार नहीं होता था, बल्कि विचारों, भाषाओं, कलाओं, ज्ञान और परंपराओं का भी आदान-प्रदान होता था। यही सांस्कृतिक संपर्क मानव सभ्यता को समृद्ध बनाता रहा। इतिहास का यह उदाहरण आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि आधुनिक दुनिया में तकनीक और परिवहन ने भौगोलिक दूरियां कम कर दी हैं, लेकिन मानसिक और वैचारिक दूरियां अब भी बनी हुई हैं। इन्हें समाप्त करने के लिए ऐसे मंचों की आवश्यकता है जहां देश एक-दूसरे की संस्कृति और संवेदनाओं को समझ सकें।

एससीओ लंबे समय से सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय संपर्क जैसे विषयों पर सहयोग बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। लेकिन बदलते वैश्विक हालात में इस संगठन की भूमिका केवल सामरिक और आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसके सदस्य देशों के बीच ऐतिहासिक, धार्मिक, भाषाई और सांस्कृतिक संबंधों की लंबी परंपरा रही है। भारत, चीन, रूस, मध्य एशियाई देशों और अन्य सदस्य राष्ट्रों के बीच प्राचीन काल से संपर्क और आदान-प्रदान के अनेक उदाहरण मौजूद हैं। यदि इन साझा विरासतों को आधुनिक कूटनीति का आधार बनाया जाए तो क्षेत्रीय विश्वास बढ़ाने में मदद मिल सकती है। सभ्यतागत संवाद मंच इसी दिशा में एक सकारात्मक प्रयास है।

इस आयोजन में पाकिस्तान के जलवायु मंत्री मुसादिक मलिक की भागीदारी भी अपने आप में महत्वपूर्ण है। भारत और पाकिस्तान के संबंध लंबे समय से तनावपूर्ण रहे हैं। आतंकवाद, सीमा विवाद और राजनीतिक अविश्वास ने दोनों देशों के बीच सामान्य संबंधों की संभावनाओं को प्रभावित किया है। ऐसे माहौल में किसी बहुपक्षीय मंच पर दोनों देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी यह संदेश देती है कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग के कुछ क्षेत्र ऐसे भी हैं, जहां संवाद और सहभागिता के रास्ते खुले रखे जाने चाहिए। हालांकि यह स्पष्ट रहना चाहिए कि सांस्कृतिक संवाद का अर्थ राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों की अनदेखी करना नहीं है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर रुख और शांति के लिए कूटनीतिक प्रयास एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि जिम्मेदार विदेश नीति के दो आवश्यक पक्ष हैं।

20 से 22 नवंबर तक आयोजित इस तीन दिवसीय मंच में एससीओ के सदस्य देशों के साथ पर्यवेक्षक और संवाद सहयोगी देशों की भागीदारी भी इसकी व्यापकता को दर्शाती है। भारतीय पुरातात्विक, कलात्मक और साहित्यिक विरासत को प्रदर्शित करने वाली प्रदर्शनी तथा 18वीं सदी की महाभारत चित्रित पांडुलिपि भारतीय संस्कृति की गहराई और रचनात्मक समृद्धि को सामने लाती है। कला, संगीत, भाषा, साहित्य, वास्तुकला और दर्शन पर होने वाले विशेष सत्र इस बात का प्रमाण हैं कि संस्कृति केवल अतीत की स्मृतियों का संग्रह नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य को जोड़ने वाली जीवंत शक्ति है।

हालांकि किसी भी अंतरराष्ट्रीय मंच की सफलता केवल उद्घाटन समारोह, भाषणों और सांस्कृतिक प्रदर्शनियों से तय नहीं होती। उसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उससे निकलने वाले विचार व्यवहार में कितने उतरते हैं। क्या सदस्य देश सांस्कृतिक आदान-प्रदान के स्थायी कार्यक्रम शुरू करेंगे? क्या विद्यार्थियों, शोधकर्ताओं, कलाकारों और युवाओं को एक-दूसरे के देशों में जाने के अधिक अवसर मिलेंगे? क्या ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण, पर्यटन, शिक्षा और भाषा के क्षेत्र में संयुक्त परियोजनाएं विकसित होंगी? इन सवालों के जवाब ही इस पहल की दीर्घकालिक उपयोगिता तय करेंगे। आज दुनिया को ऐसे नेतृत्व और ऐसे मंचों की जरूरत है जो मतभेदों को दुश्मनी में बदलने के बजाय समाधान का रास्ता खोजें। भारत को अपनी प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक कूटनीतिक क्षमता के आधार पर इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह भी जरूरी है कि सभ्यताओं के संवाद को किसी एक देश की श्रेष्ठता स्थापित करने का माध्यम न बनाया जाए, बल्कि सभी संस्कृतियों के सम्मान और समान भागीदारी का आधार बनाया जाए।

निस्संदेह, हथियारों की होड़ से दुनिया सुरक्षित नहीं हो सकती और न ही युद्ध किसी सभ्यता को स्थायी विजय दिला सकता है। स्थायी शांति तभी संभव है जब देशों के बीच विश्वास हो, समाजों के बीच सम्मान हो और विचारों के आदान प्रदान के रास्ते खुले हों। नई दिल्ली में आयोजित एससीओ का पहला सभ्यतागत संवाद मंच इसी उम्मीद का प्रतीक है। भारत की पहल यदि ठोस सहयोग, सांस्कृतिक साझेदारी और आपसी विश्वास में परिवर्तित होती है तो यह केवल एससीओ ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए शांति का नया रास्ता खोल सकती है। दुनिया को युद्ध की भाषा नहीं, संवाद की संस्कृति चाहिए, क्योंकि मानवता का भविष्य हथियारों की ताकत से नहीं, बल्कि आपसी समझ और सहयोग से सुरक्षित होगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

पुतिन दबाव में हैं, रूस की एक गलतफहमी से भड़क सकता है नया युद्ध : यूके खुफिया प्रमुख की चेतावनी

लंदन

रूस और यूक्रेन के बीच बीते चार साल से ज्यादा समय से संघर्ष जारी है। क्या शांति स्थापना और क्या युद्धविराम, हर मोर्चे पर सैकड़ों प्रयास के बाद भी अभी तक कूटनीतिक स्तर पर दोनों देश असहमत है। हाल यह है कि हमले अभी भी जारी हैं और आम लोग जूझ रहे हैं।

खैर, अब इस संघर्ष को लेकर ब्रिटेन से एक चेतावनी आई है, जिसने इस पूरे संघर्ष को अलग मोड़ दे दिया है। चेतावनी यह है कि पश्चिमी देशों के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बढ़ता आक्रामक रुख किसी बड़ी गलतफहमी या चूक में बदल सकता है, जिसके नतीजे बेहद विनाशकारी हो सकते हैं।

गौर करने वाली बात यह है कि यह गंभीर चेतावनी ब्रिटेन की रक्षा खुफिया एजेंसी के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल मैथ्यू जोन्स ने दी है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या-क्या कहा?

बता दें कि कैम्ब्रिज इंटेलिजेंस सेमिनार में दिए अपने बयान में जनरल मैथ्यू जोन्स ने कहा कि भले ही मॉस्को नाटो के साथ सीधा युद्ध नहीं चाहता, लेकिन रूस की लापरवाह हरकतें किसी छोटी घटना को बड़े संघर्ष में बदल सकती हैं।



लेफ्टिनेंट जनरल जोन्स ने कहा कि उनका सबसे बड़ा डर किसी गंभीर चूक का है। उनके मुताबिक, पुतिन खुद दबाव में हैं और इसी वजह से वे ज्यादा आक्रामक और सख्त रवैया अपना रहे हैं। उन्होंने आगाह किया कि हाल के दिनों में रूस की ऐसी कई लापरवाह घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें जरा-सा भी फर्क होता तो हालात बेहद गंभीर हो सकते थे।पोलैंड और जर्मनी- पोलैंड में रूसी मिसाइलों और एक संदिग्ध ड्रोन के गिरने की खबरें आईं, जबकि जर्मनी के लाइपजिग हवाई अड्डे पर हुए ड्रोन हमले को उन्होंने हाल की सबसे गंभीर घटना बताया।

डेनमार्क और काला सागर- डेनमार्क में एक अमेरिकी-यूक्रेनी नागरिक की हत्या की कथित साजिश नाकाम किए जाने का मामला सामने आया, जिसका संबंध रूसी खुफिया एजेंसी से जोड़ा गया। इसके अलावा नाटो सदस्य रोमानिया के पास काला सागर में व्यापारिक जहाजों के डूबने और ब्रिटेन के निगरानी विमान के करीब तक पहुंचने जैसी घटनाओं का भी जिक्र हुआ।पुराने मामलों का जिक्र- उन्होंने पूर्वी लंदन में एक यूक्रेनी कारोबार से जुड़ी आगजनी और 2018 के सैलिसबरी नोविचोक जहर मामले की भी याद दिलाई, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी।

ब्रिटेन के रक्षा सचिव वेस स्ट्रीटिंग ने कहा है कि ब्रिटेन को 2030 तक युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए। इस समयसीमा पर स्पष्टीकरण देते हुए जोन्स ने कहा कि यह किसी तय हमले की भविष्यवाणी नहीं है, बल्कि मौजूदा खतरों को देखते हुए एहतियात और तैयारी करना समझदारी भरा कदम है।

जोन्स ने साफ किया कि ब्रिटेन रूस से टकराव नहीं चाहता, लेकिन अपनी और अपने सहयोगियों की सुरक्षा पर खतरा आने पर कड़ा जवाब देगा। वहीं, ब्रिटेन के विदेश मंत्री एड मिलिबैंड ने डेनमार्क की घटना पर एकजुटता जताई और प्रधानमंत्री एंडी बर्नहम ने पोलैंड की घटना को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया।

पुतिन ने सार्वजनिक स्वास्थ्य पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों, आयोजकों और मेहमानों को शुभकामनाएं दी

मॉस्को (वार्ता)। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शनिवार को इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में सार्वजनिक स्वास्थ्य पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिभागियों, आयोजकों और मेहमानों को शुभकामनाएं दी। श्री पुतिन ने अपने संदेश में लिखा था, रुस ने पारंपरिक सार्वजनिक स्वास्थ्य मामलों में अफ्रीकी साझेदारों को सक्रिय मदद दी है, जबकि हाल ही में हुए तीसरे रूस-अफ्रीका शिखर सम्मेलन के नतीजों से इस क्षेत्र में कोशिशों को और बढ़ाने के मौके मिले हैं। खास तौर पर संक्रामक रोगों से लड़ने के लिए दोनों देशों के बीच चल रहे व्यापक सहयोग कार्यक्रम को अब 2029 तक बढ़ा दिया गया है।

उन्होंने आगे कहा कि संयुक्त अनुसंधान और प्रयोगात्मक अभ्यास नियमित आधार पर किया जाता हैं। रूस अफ्रीका में खतरनाक संक्रमण बीमारियों के फैलने से निपटने में मदद के लिए विशेषज्ञों , मोबाइल प्रयोगशालाएं, दवाएं, और निवारक उपकरण अफ्रीका भेजता है।

ट्रंप को कॉल बैक तक नहीं मिल रहा, अमेरिकी राष्ट्रपति को नजरअंदाज कर परमाणु हथियार बढ़ा रहे किम जोंग उन

वाशिंगटन

उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के फोन का जवाब नहीं दे रहे हैं। इस बात का खुलासा हुआ है मीडिया रिपोर्ट में। रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के संपर्क करने के प्रयासों का कोई जवाब नहीं दिया है।इधर, प्योंगयांग लगातार अपने परमाणु हथियारों के जखीरे का विस्तार कर रहा है। इसके साथ ही उत्तर कोरिया रूस के साथ अपने सैन्य संबंधों की मजबूती पर भी काम कर रहा है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार दोनों नेताओं के बीच संवाद नहीं हो पा रहा है।अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट ने इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों के हवाले से बताया कि पिछले साल ट्रंप ने फोन और दूसरे जरिए से किम से संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन उन्हें कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद अमेरिकी नेता ट्रंप ने किम को एक पत्र लिखा। मामला तब और गंभीर हो गया जब अमेरिकी अधिकारियों को इसे उन तक पहुंचाने में काफी



मशक्कत करनी पड़ी। रिपोर्ट के अनुसार, व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने मैनहट्टन में संयुक्त राष्ट्र स्थित उत्तर कोरिया के स्थायी मिशन को यह पत्र सौंपने के लिए एक अनोखी योजना बनाई। अधिकारियों का एक समूह मिशन के बाहर इंतजार कर रहा था और जैसे ही एक उत्तर कोरियाई राजनयिक वहां से गुजरा, उन्होंने उसे वह पत्र सौंप दिया। इसके बाद में संयुक्त राष्ट्र की एक बैठक के दौरान, उस राजनयिक ने वो बिना खुला पत्र एक अमेरिकी प्रतिनिधि के सामने रख दिया। ये घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आए हैं, जब हाल ही में अपनी एशिया यात्रा के दौरान ट्रंप ने किम से मुलाकात करने की फिर से कोशिश की, लेकिन बात नहीं बन सकी। चर्चा से जुड़े लोगों ने WSJ को बताया कि दोनों पक्षों ने अंतिम समय में राजनयिक स्तर पर आमने-सामने बातचीत करने की संभावना तलाशी थी, लेकिन किम ने ऐसी शर्तें रख दीं जिन्हें वाशिंगटन स्वीकार नहीं कर सका। ट्रंप और किम के बीच बातचीत टूटने के बाद से उत्तर कोरिया की परमाणु क्षमताओं में काफी वृद्धि हुई है। WSJ के अनुसार 2019 में देश के पास अनुमानित 20-30 परमाणु हथियारथे, जो अब बढ़कर लगभग 60 हो गए हैं। प्योंगयांग ने ऐसी सॉलिड-फ्यूल इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें भी विकसित कर ली हैं, जो अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम हैं। उत्तर कोरिया की बढ़ती क्षमताओं ने वाशिंगटन में इस बात को लेकर चिंता पैदा कर दी है अपने पहले राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान, ट्रंप ने किम से तीन बार मुलाकात की थी। इन मुलाकातों में मुख्य बातचीत कोरियाई प्रायद्वीप को परमाणु हथियारों से मुक्त करने पर केंद्रित थी। हालांकि, 2019 में हुई उनकी आखिरी मुलाकात के बाद से, उत्तर कोरिया के नेता ने अपने देश की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं का विस्तार करना जारी रखा है।

इंडोनेशिया की कैंडी फैक्ट्री में लगी भयानक आग, 3 लोगों की मौत और 36 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के बैंटन प्रांत में शनिवार को एक कैंडी फैक्ट्री में आग लग गई। इस हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 36 कर्मचारी अभी भी लापता हैं।नेशनल सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी ने बताया कि बचाव दल 36 लापता कर्मचारियों की तलाश कर रहे हैं। आग लगने के 12 घंटे से भी ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी दमकलकर्मी आग बुझाने और कूलिंग ऑपरेशन में जुटे हुए हैं। बचाव दल क्षतिग्रस्त इमारत में उनकी तलाश कर रहे हैं। 15 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, जिनमें से 4 लोग घायल हैं।यह आग जकार्ता के पास सेरांग जिले में स्थित पीटी फोनुसा आगुंग मुलिया फैक्ट्री में लगी। इस फैक्ट्री में मिल्किता ब्रांड की दूध से बनी कैंडी और स्नैक्स बनाए जाते हैं। बैंटन सर्च एंड रेस्क्यू एजेंसी के एक अधिकारी रिजकी द्वियांतो ने बताया, कई जगहों पर अभी भी आग लगी हुई है। दमकलकर्मी आग बुझाने और कूलिंग का काम कर रहे हैं।द्वियांतो ने बताया कि सेरांग जिले और बैंटन प्रांत के दमकलकर्मी फैक्ट्री के कई हिस्सों में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। बचाव दल फैक्ट्री के अलग-अलग हिस्सों में फंसे हुए कर्मचारियों को ढूंढ रहे हैं। इस काम में स्थानीय दमकलकर्मियों के साथ-साथ इंडोनेशियन रेड क्रॉस भी मदद कर रहा है।आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। अधिकारियों ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि आग लगने के समय क्या सभी 36 लापता कर्मचारी फैक्ट्री के अंदर ही थे। हालांकि, हादसे में बचे लोगों का कहना है कि आग तीसरी मंजिल पर एक कूलिंग यूनिट के पास शुरू हुई थी। घटना का फुटेज भी सामने आया है, जिसमें तीन मंजिला फैक्ट्री को आग की लपटों में घिरा और आसमान में घना काला धुआं उठता हुआ देखा जा सकता है।

ट्रंप ने विदेशों में एआई डेटा सेंटर बनाने वाली अमेरिकी कंपनियों पर भारी टैक्स लगाने की धमकी दी

वाशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विदेशों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) डेटा सेंटर बनाने वाली अमेरिकी कंपनियों पर भारी टैक्स लगाने की धमकी देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि इस तरह का बुनियादी ढांचा अमेरिका के भीतर ही विकसित हों। श्री ट्रंप ने कहा, हम डेटा सेंटरों को दूसरे देशों में नहीं जाने देंगे, क्योंकि चीन इन सबको हथिया लेगा। उन्होंने कहा, जो कंपनियां ऐसा करने की कोशिश करेंगी, उन पर हम भारी जुर्माना लगाएंगे। श्री ट्रंप ने अपनी एशिया यात्रा से लौटने के बाद संवाददाताओं से कहा, हम इन सबको अपने ही देश में रखेंगे। उन्होंने इस प्रस्तावित नीति या इसे लागू करने के तरीके के बारे में हालांकि कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी।उन्होंने कहा, हम अपनी कंपनियों को देश के बाहर डेटा सेंटर बनाने की अनुमति नहीं देंगे। श्री ट्रंप ने इस संभावित कदम के बारे में ज्यादा जानकारी न देते हुए बताया कि उनके मंत्रिमंडल के कुछ सदस्यों ने भी इसके बारे में पहली बार सुना है। श्री ट्रंप का यह बयान अमेरिका में एआई के बुनियादी ढांचे के तेजी से विस्तार को लेकर चल रही राजनीतिक बहस को और बढ़ाते हैं। इस महीने की शुरुआत में हुए मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर का निर्माण एक अहम मुद्दा बनकर उभरा था। ऊर्जा की खपत, बिजली की लागत



और स्थानीय समुदायों पर पड़ने वाले असर को लेकर चिंताओं के बीच कई डेमोक्रेटिक उम्मीदवारों ने कड़े नियमों का वादा किया था। मेटा और गूगल जैसी बड़ी कंपनियों ने विदेशों में डेटा सेंटर विकसित करने के लिए समझौते किए हैं, क्योंकि वे एआई सेवाओं की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रही हैं। श्री ट्रंप की ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब वाशिंगटन और बीजिंग तकनीकी प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और साथ ही सैन्य अभियानों में एआई के इस्तेमाल से जुड़े जोखिमों को नियंत्रित करने की कोशिश भी कर रहे हैं।

अमेरिकी वित्त सचिव स्कॉट बेसेंट ने शुक्रवार को बताया कि श्री ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस बात पर सहमत हुए हैं कि एआई से जुड़े सैन्य फैसलों में इंसानी दखल अनिवार्य होना चाहिए। चीन के शेनझेन में श्री शी जिनपिंग के साथ श्री ट्रंप की मुलाकात के बाद एक श्री बेसेंट ने कहा कि यह समझौता अमेरिकी राष्ट्रपति की एशिया यात्रा के प्रमुख नतीजों में से एक था। श्री बेसेंट ने कहा, मुझे लगता है कि यह बहुत महत्वपूर्ण था कि राष्ट्रपति ट्रम्प और राष्ट्रपति शी इस बात पर सहमत हुए कि एआई द्वारा लिए जाने वाले किसी भी सैन्य फैसले में इंसानों की भागीदारी होनी चाहिए और बड़े सैन्य कदमों के लिए एआई को पूरी तरह स्वतंत्र नहीं छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने इस तकनीक के लिए प्रशासन द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले शब्द सुपर इंटेलिजेंस का जिक्र करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि सैन्य कार्यों में सुरक्षा उपायों को लेकर हुआ यह समझौता एआई के क्षेत्र में दबदबा बनाने के लिए दोनों देशों के बीच चल रही व्यापक प्रतिस्पर्धा

गादी आइजनकोट ने नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को मैराथन गठबंधन वार्ता के लिए आमंत्रित किया

तेल अवीव, (वार्ता)। इजरायल में नयी गठबंधन सरकार बनाने के जारी गतिरोध को दूर करने के लिए याशर पार्टी के प्रमुख गादी आइजनकोट ने लिकुड पार्टी को मैराथन दौर की गठबंधन वार्ता के लिए आमंत्रित किया है। मध्यमार्गी याशर पार्टी ने कहा कि ये बातचीत रविवार से शुरू होने वाली है। यह एक ऐसी सरकार बनाने की ईमानदार और सच्ची कोशिश है, जो यथासंभव व्यापक हो। पार्टी ने कहा, याशर की वार्ता टीम कोई कसर नहीं छोड़ेगी, साहसिक कदम उठाएगी और एक ऐसा रास्ता निकालेगी जिससे सरकार का गठन हो सके। इज़रायल में अक्टूबर के विधायी चुनावों के बाद श्री नेतन्याहू और श्री आइजनकोट दोनों ही गुट 120 सीटों वाली संसद (नेसेट) में बहुमत हासिल करने में विफल रहे। ऐसे में नयी सरकार बनाने के लिए श्री आइजनकोट के पास दिसंबर की शुरुआत तक का समय है। श्री नेतन्याहू के खेमे को 53 सीटें मिलीं, जबकि याशर पार्टी के नेतृत्व वाले विपक्ष को 48 सीटें हासिल हुईं। इज़रायल में जिस उम्मीदवार को सरकार बनाने का काम सौंपा जाता है, उसके पास ऐसा करने के लिए 28 दिन होते हैं। ज़रूरत पड़ने पर राष्ट्रपति इस समय-सीमा को अधिकतम 14 दिनों तक और बढ़ा सकते हैं। शनिवार को लिकुड पार्टी ने राष्ट्रीय एकता सरकार बनाने के मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट किया, जिसकी वकालत श्री नेतन्याहू भी कर रहे हैं।

सुशासन के नाम पर हो रही लूट, पहले से ज्यादा भ्रष्टाचार : पीके

पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार में विकास और सुशासन को लेकर दिए गए बयान पर जन सुराज के संस्थापक और विधायक प्रशांत किशोर ने पलटवार किया है। रविवार को पटना में उन्होंने एनडीए सरकार पर भ्रष्टाचार और लूट के आरोप लगाए। प्रशांत किशोर ने कहा कि पहले घोटालों की चर्चा होती थी, लेकिन अब सुशासन के नाम पर भ्रष्टाचार हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि बिहार में अब पशुपालन घोटाले के समय से भी ज्यादा पैसा चोरी किया जा रहा है। प्रशांत किशोर ने बीजेपी पर जेडीयू को धीरे-धीरे खत्म करने का आरोप भी लगाया। इसके अलावा उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत बिहार में घर मिलने के दावों पर भी सवाल उठाए।

प्रशांत किशोर ने एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, पहले घोटाले होते थे और लोग उनकी चर्चा करते थे। अब सुशासन के नाम पर भ्रष्टाचार और लूट हो रही है। अगर सिर्फ भ्रष्टाचार की बात करें, तो आज पशुपालन घोटाले में हुई चोरी से भी कहीं ज्यादा पैसा चोरी किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा, ऐसा नहीं है कि पहले घोटाले होते थे और अब बिहार में राजा हरिश्चंद्र की सरकार आ गई है। एनडीए सरकार में भी चोरी और भ्रष्टाचार पहले से ज्यादा हो रहा है।

प्रशांत किशोर ने बीजेपी और जेडीयू के रिश्तों को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि बीजेपी धीरे-धीरे नीतीश कुमार की पार्टी को खत्म कर रही है। उन्होंने कहा, इस बारे में टिप्पणी करने के लिए रणदीप सुरजेवाला



की जरूरत नहीं है। जो भी बिहार की राजनीति को थोड़ा भी समझता है, वह देख सकता है कि जेडीयू धीरे-धीरे खत्म हो रही है। बड़ी पार्टी होने के नाते बीजेपी धीरे-धीरे जेडीयू और उसके नेतृत्व को अपने अंदर समेट रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को बिहार के वैशाली में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के विकास और सुशासन की चर्चा की थी। उन्होंने कहा था कि बिहार अब उस दौर से आगे निकल चुका है, जब अखबारों और चर्चाओं में घोटालों और अपराधों की खबरें छाई रहती थीं। अब राज्य में निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और अपराधियों पर कार्रवाई पर ध्यान दिया जा रहा है। पीएम मोदी ने इस बदलाव का श्रेय नीतीश कुमार के सुशासन को दिया था। उन्होंने कहा था कि पिछले तीन दशकों में बिहार में नया आत्मविश्वास पैदा हुआ है। प्रधानमंत्री के इसी बयान पर प्रशांत किशोर ने सवाल उठाते हुए कहा कि लोगों को खुद जाकर देखना चाहिए कि जमीन पर कितने लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा, आप सभी को खुद जाकर देखना चाहिए कि वास्तव में कितने लोग गरीबी से बाहर आए हैं। उसी भाषण में प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि बिहार में 43 लाख लोगों को घर दिए गए हैं।

बिहार सरकार को उन लोगों के नाम सार्वजनिक करने चाहिए, जिन्हें पिछले कुछ वर्षों में एनडीए सरकार ने घर दिए हैं। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि वास्तव में सिर्फ 28 हजार घर ही लोगों को दिए गए हैं। हालांकि, यह आंकड़ा उन्होंने अपने बयान में दावा करते हुए पेश किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को वैशाली दौरे के दौरान बिहार को करीब 34,470 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी थी। इस दौरान उन्होंने गंगा नदी पर बने छह लेन के नीतीश सेतु का उद्घाटन किया और 100 पीएम ई-बसों को हरी झंडी दिखाई।

प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में कहा था कि बिहार अब घोटालों और अपराधों की चर्चा से आगे बढ़कर निवेश और विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा था, छठ का महापर्व अभी-अभी संपन्न हुआ है। अब छठी मैया के आशीर्वाद से, हम यहां विकास का उत्सव मनाने आए हैं। पीएम मोदी ने कार्यक्रम में मौजूद बड़ी संख्या में लोगों को विकास के प्रति जनता के बढ़ते भरोसे और समर्थन का प्रमाण बताया था।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

जुड़वां बच्चों की मां बनने के बाद खुद से हुए ब्रेकअप पर बोलीं श्रद्धा आर्या, कहा- पुरानी श्रद्धा को अलविदा कहने का मौका भी नहीं मिला



अभिनेत्री श्रद्धा आर्या ने जुड़वां बच्चों की मां बनने के बाद अपनी जिंदगी में आए बदलावों और पुराने व्यक्तित्व को खोने के भावनात्मक अनुभव को साझा किया है।श्रद्धा आर्या ने कहा कि मां बनने के बाद महिलाओं की जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है और कई बार उन्हें अपने पुराने रूप से बिछड़ने का अहसास होता है। स्टार प्लस के नये शो दिल की बेवफाइयां के लॉन्च इवेंट में फराह खान ने शो के मुख्य कलाकारों गौरव खन्ना और श्रद्धा आर्या से बातचीत की। एकता कपूर के इस रोमांटिक फैमिली ड्रामा में गौरव मानव और श्रद्धा जानकी की भूमिका निभा रहे हैं। कहानी शादी के 20 साल बाद पति-पत्नी के रिश्ते और जिंदगी के प्रति उनके बदलते नजरिये को दर्शाती है।

बातचीत के दौरान श्रद्धा ने जुड़वां बच्चों की मां बनने के बाद अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, बच्चों के जन्म के बाद पहले साल में यदि आपने मुझसे यह सवाल पूछा होता, तो मैं यहीं रो पड़ती। उस वक्त मैं बहुत भावुक थी। एक तरह से यह किसी रिश्ते के टूटने जैसा है। जैसे आपका खुद से ही ब्रेकअप हो जाता है। बच्चे होने के बाद आप अपने पुराने रूप से बिछड़ जाते हैं। मुझे लगा कि अब मैं उस पुरानी श्रद्धा से फिर कभी नहीं मिल पाऊंगी। मैं इसके लिए तैयार भी नहीं थी और उसे ठीक से अलविदा कहने का मौका भी नहीं मिला। आप सोचते हैं कि बच्चे हो जाएंगे और जिंदगी फिर पहले जैसी हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं होता। श्रद्धा ने बताया कि मां बनने के बाद छोटी-छोटी चीजों के लिए भी कई तरह की तैयारियां करनी पड़ती हैं। यहां तक कि कॉफी पीने बाहर जाने के लिए भी पहले इंतजाम करना पड़ता था। करीब डेढ़ साल तक उन्हें अपनी पुरानी जिंदगी की कमी महसूस होती रही। वह अक्सर सोचती थीं कि काश मां बनने से पहले कुछ और चीजें कर ली होतीं। हालांकि, जुड़वां बच्चों के जन्म के दो साल बाद अब उनका नजरिया बदल गया है। वह इसे अपनी जिंदगी का काफी वाला दौर मानती हैं। उन्होंने कहा, अब मुझे लगता है कि जो रह गया, उसे जाने दो। जो मिला है, उसकी कद्र करो, उसका जिक्र करो और जो छूट गया, उसकी फिक्र मत करो। शो की कहानी में भी काश और काफी के बीच का यही अंतर देखने को मिलेगा। जानकी को मानव के साथ बनाई गई जिंदगी के छोटे-छोटे पलों में खुशी मिलती है, जबकि मानव उन इच्छाओं और ख्वाहिशों के बारे में सोचने लगता है, जिन्हें उसने वर्षों से अपने मन में दबा रखा है। दिल की बेवफाइयां का प्रसारण 24 नवंबर से रात नौ बजे स्टार प्लस पर होगा। इसे जियोहॉटस्टार पर भी देखा जा सकेगा।

नेहा जेटली का 'ये अनकहे अल्फाज' रिलीज

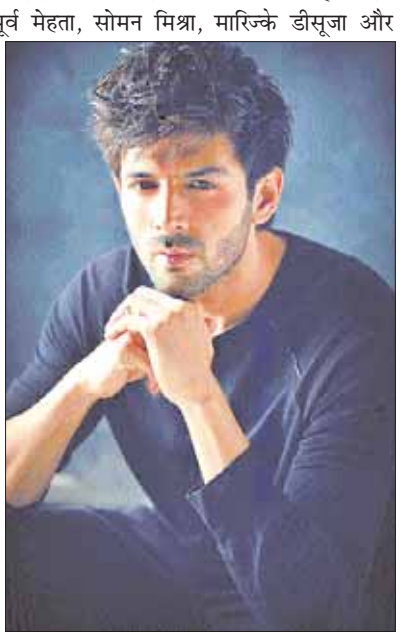


लॉस एंजिल्स की गायिका एवं गीतकार नेहा जेटली का पहला ओरिजिनल सिंगल ये अनकहे अल्फ़ाज़ 20 नवंबर को रिलीज हो गया। इस गीत को नेहा ने लिखा और गाया है, जबकि संगीतकार एवं म्यूजिक प्रोड्यूसर बप्पा बी. लाहिड़ी ने इसका संगीत निर्माण किया है।

पारंपरिक ग़ज़ल की काव्यात्मक संवेदनाओं और समकालीन भारतीय पॉप के मेल से तैयार यह गीत रिश्तों में अनकहे रह जाने वाले जबातों को अभिव्यक्त करता है। मधुर संगीत और शास्त्रीय संगीत से प्रभावित नेहा की आवाज गीत को भावपूर्ण बनाती है। इसके साथ ही आधिकारिक म्यूजिक वीडियो भी जारी किया गया है। गीत की शुरुआत नेहा की लिखी चार पंक्तियों से हुई, जिसने बप्पा बी. लाहिड़ी को इसके लिए एक नए संगीत संयोजन की कल्पना करने के लिए प्रेरित किया। बप्पा ने बताया कि वह इसमें कंट्री म्यूजिक के अंदाज और आधुनिक ग़ज़ल की संवेदनशीलता को एक साथ प्रस्तुत करना चाहते थे। नेहा ने सात वर्ष की उम्र में नई दिल्ली में भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रशिक्षण लेना शुरू किया था और इस विषय में मास्टर डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने करीब दो दशक तक कॉर्पोरेट फाइनेंस के क्षेत्र में काम किया। न्यूयॉर्क में इन्वेस्टमेंट बैंकर के रूप में करियर शुरू करने के बाद उन्होंने भारत में वित्तीय समावेशन पर केंद्रित एक फिनटेक कंपनी की स्थापना की। वर्ष 2022 में लॉस एंजिल्स जाने के बाद उन्होंने संगीत को पेशेवर रूप से अपना लिया। ग़ज़ल, सूफी, कव्वाली और क्लासिक बॉलीवुड संगीत की प्रस्तुतियों के लिए पहचानी जाने वाली नेहा ने अप्रैल 2026 में सांता मोनिका के ब्रॉड स्टेज पर चांदनी रात- द ब्रॉड महफ़िल प्रस्तुत किया था। सितंबर में उन्होंने जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के लॉस एंजिल्स में आयोजित पहले कार्यक्रम में भी प्रस्तुति दी। इसके अलावा वह फेस्टिवल ऑफ तबला, लॉस एंजिल्स इंडिया फैशन वीक और भारतीय वाणिय दूतावास के दिवाली समारोह में भी अपनी प्रस्तुति दे चुकी हैं। बप्पा बी. लाहिड़ी महान संगीतकार एवं गायक बप्पी लाहिड़ी के पुत्र हैं। उन्होंने फिल्म संगीत, बैकग्राउंड स्कोर, गीत निर्माण और स्वतंत्र संगीत परियोजनाओं के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। ये अनकहे अल्फ़ाज़ के जरिए नेहा जेटली ने गीतकार रिकॉर्डिंग आर्टिस्ट के रूप में अपने संगीत सफर का नया अध्याय शुरू किया है।

कार्तिक आर्यन की मॉन्स्टर थ्रिलर कालिया का ऐलान, मई 2028 को सिनेमाघरों में होगी रिलीज

धर्मा प्रोडक्शंस और डोपामिन स्टूडियोज़ ने अभिनेता कार्तिक आर्यन अभिनीत अपनी नई मॉन्स्टर थ्रिलर फिल्म कालिया की घोषणा की है। करण जौहर, अदार पूनावाला, अपूर्व मेहता, सोमन मिश्रा, मारिज्के डीसूजा और कार्तिक आर्यन द्वारा निर्मित इस फिल्म का निर्देशन संदीप मोदी करेंगे। फिल्म पांच मई 2028 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। कार्तिक आर्यन के जन्मदिन के अवसर पर घोषित यह फिल्म हिंदी सिनेमा में मॉन्स्टर थ्रिलर जॉनर के एक नए प्रयोग के रूप में पेश की जा रही है। फिल्म की कहानी भारतीय लोककथाओं, पौराणिक मान्यताओं और देश की सांस्कृतिक परंपराओं से प्रेरित होगी। इसमें रोमांच और रहस्य के साथ भारतीय मिट्टी से जुड़ी कहानियों को आधुनिक सिनेमाई अंदाज में



प्रस्तुत किया जाएगा। कालिया के जरिए धर्मा प्रोडक्शंस दर्शकों के सामने एक अलग तरह की सिनेमाई दुनिया रचने की तैयारी में है। फिल्म में भारतीय लोकविश्वासों और पीढ़ियों से चली आ रही मान्यताओं को मॉन्स्टर थ्रिलर के रोमांचक स्वरूप में पेश किया जाएगा।

लाखों की नलजल योजना पर उठे गंभीर सवाल, मोहगांव सड़क में अधूरे काम के बीच कैसे हो गया हैंडओवर ?

पाइपलाइन डालने के लिए तोड़े गए सीमेंट-कंक्रीट मार्गों की मरम्मत अधूरी, कई स्थानों पर स्टैंड में नल तक नहीं लगाए गए; गांव में व्यर्थ बह रहा पानी, जिम्मेदारों की भूमिका की निष्पक्ष जांच की मांग

सिवनी, स्वतंत्र मत। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के उद्देश्य से शासन द्वारा करोड़ों रुपये की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीणों को घर बैठे नियमित रूप से शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो और महिलाओं को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना न पड़े। लेकिन जब इन्हीं योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही, गुणवत्ता से समझौता और अधूरे निर्माण कार्यों को पूरा दिखाकर हैंडओवर लेने जैसे गंभीर सवाल खड़े होने लगें, तो शासन की पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है।

ऐसा ही एक मामला जनपद पंचायत कुरई के अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव सड़क का सामने आया है। यहां लाखों रुपये की लागत से स्वीकृत नलजल योजना के निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीणों में भारी असंतोष है। ग्रामीणों का आरोप है कि योजना का कार्य निर्धारित गुणवत्ता के अनुरूप नहीं कराया गया। पाइपलाइन बिछाने के नाम पर गांव की कई सीमेंट-कंक्रीट सड़कों को तोड़ दिया गया, लेकिन पाइपलाइन डालने के बाद उन स्थानों पर सीमेंट-कंक्रीट का पुनर्निर्माण आज तक पूरी तरह नहीं कराया गया। इतना ही नहीं, गांव के विभिन्न स्थानों पर बनाए गए नल स्टैंड में नल नहीं लगाए गए, जिसके कारण पानी का समुचित उपयोग नहीं हो पा रहा है और कई स्थानों पर पानी व्यर्थ बहता रहता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब योजना का कार्य अधूरा था, तो उसका हैंडओवर किस आधार पर लिया गया? क्या जिम्मेदार अधिकारियों ने मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया था? क्या निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच की गई थी? क्या सभी घरों तक पानी पहुंचने और सभी नल स्टैंड पर नल लगाए जाने की पुष्टि की गई थी? यदि कार्य अधूरा था तो भुगतान और हैंडओवर की प्रक्रिया किसके अनुमोदन से पूरी हुई?

इन सवालों का जवाब ग्रामीण प्रशासन से मांग रहे हैं।

पाइपलाइन के नाम पर तोड़ी गई सड़कें, मरम्मत करना भूले जिम्मेदार

नलजल योजना के अंतर्गत गांव में पाइपलाइन बिछाने के लिए कई स्थानों पर सीमेंट-कंक्रीट



की सड़कों को तोड़ा गया। पाइपलाइन बिछाना योजना का आवश्यक हिस्सा हो सकता है, लेकिन इसके बाद सड़कों को पूर्व स्थिति में बहाल करना भी संबंधित कार्य एजेंसी की जिम्मेदारी होती है। ग्रामीणों के अनुसार, पाइपलाइन बिछाने के बाद कई स्थानों पर सड़क की मरम्मत नहीं की गई। कहीं कंक्रीट का मलबा पड़ा है तो कहीं सड़क को खोदकर छोड़ दिया गया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव की सड़कों का निर्माण भी सार्वजनिक धन से होता है। ऐसे में एक सरकारी योजना के लिए दूसरी सार्वजनिक संपत्ति को क्षतिग्रस्त करके उसकी मरम्मत नहीं करना गंभीर लापरवाही का विषय है। सवाल यह भी है कि सड़क तोड़ने और पुनर्निर्माण के लिए स्वीकृत प्राक्कलन में क्या प्रावधान था? यदि सड़क मरम्मत की राशि स्वीकृत थी तो उसका उपयोग कहां किया गया? यदि मरम्मत कार्य पूरा नहीं हुआ तो संबंधित ठेकेदार अथवा कार्य एजेंसी को पूर्ण भुगतान किस आधार पर किया गया? ग्रामीणों की मांग है कि गांव में जहां-जहां पाइपलाइन डालने के लिए सड़कें तोड़ी गई हैं, उन सभी स्थानों का भौतिक निरीक्षण कराया जाए और अधूरे पड़े कार्यों को तत्काल पूरा कराया जाए।

लाखों रुपये खर्च होने के बाद भी अधूरी योजना, हैंडओवर प्रक्रिया पर सवाल

इस पूरे मामले में सबसे गंभीर सवाल योजना के हैंडओवर को लेकर उठ रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम पंचायत के सचिव केदार सिंह चौधरी एवं सरपंच के कार्यकाल में अपूर्ण कार्यों के बावजूद योजना को हैंडओवर लिया गया।

ग्रामीणों ने इस प्रक्रिया में आर्थिक लेन-देन और अनियमितताओं की आशंका भी व्यक्त की है। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र एवं निष्पक्ष जांच होना आवश्यक है। यदि किसी प्रकार का अनुचित भुगतान हुआ है अथवा अधूरे कार्य को पूर्ण दर्शाकर हैंडओवर लिया गया है, तो इसकी जिम्मेदारी संबंधित व्यक्तियों एवं अधिकारियों पर निर्धारित की जानी चाहिए। यह भी जांच का विषय है कि हैंडओवर प्रमाणपत्र पर किन अधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर हैं? हैंडओवर के समय कौन-कौन से कार्य पूर्ण बताए गए थे? क्या कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र जारी किया गया था? क्या तकनीकी अधिकारियों ने गुणवत्ता परीक्षण किया था? क्या योजना का अंतिम भुगतान वास्तविक भौतिक प्रगति के अनुसार किया गया?

यदि इन दस्तावेजों में कार्य पूर्ण दर्शाया गया है, जबकि मौके पर कार्य अधूरा है, तो यह सरकारी रिकॉर्ड और वास्तविक स्थिति के बीच गंभीर अंतर का मामला हो सकता है।

श्री श्याम जन्मोत्सव पर भक्ति और उत्साह का उमड़ा सैलाब, निशान यात्रा, छप्पन भोग, भजन संध्या एवं आतिशबाजी से गूंजा सिवनी

सिवनी। स्वतंत्र मत। श्री खाटू श्याम जी के पावन जन्मोत्सव के अवसर पर सिवनी स्थित श्री श्याम मंदिर में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास के साथ भव्य धार्मिक आयोजन संपन्न हुआ। जन्मोत्सव पर मंदिर परिसर को आकर्षक साज-सज्जा एवं विद्युत रोशनी से सजाया गया। बाबा श्याम का मनमोहक श्रृंगार कर विशेष पूजा-अर्चना की गई तथा छप्पन भोग अर्पित किया गया। मंदिर परिसर में हुई भव्य आतिशबाजी ने उत्सव की शोभा को और बढ़ा दिया। बाबा श्याम के जयकारों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय हो उठा।



जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य निशान यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने हाथों में धर्म ध्वजा एवं निशान लेकर श्रद्धाभाव से सहभागिता की। इस पावन यात्रा में सिवनी विधायक दिनेश राय मुनमुन भी धर्म ध्वजा लेकर शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने ग्राम खैराटेक स्थित श्री श्याम मंदिर पहुंचकर बाबा की विधिवत पूजा-अर्चना की एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य भजन संध्या में श्याम भजनों की मधुर प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भजन-कीर्तन का आनंद लिया। वहीं श्री श्याम रसोई के माध्यम से भोजन प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई, जिसमें लगभग 4000 श्रद्धालुओं ने भोजन प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। भजन संध्या और विशाल भंडारे में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ ने आयोजन को यादगार बना दिया।

10 प्रतिदिन बचाकर मजदूर ने मंदिर निर्माण के लिए समर्पित किए 2,190, अनुकरणीय बनी सेवा भावना-श्री श्याम जन्मोत्सव के अवसर पर एक ऐसा प्रेरणादायी प्रसंग भी सामने आया, जिसने उपस्थित श्रद्धालुओं का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। वेल्डिंग का मजदूरी कार्य कर अपनी आजीविका चलाने वाले श्री दीपक सिंह राजपूत ने अपनी मेहनत की कमाई में से प्रतिदिन मात्र ?10 की राशि बचाकर मंदिर निर्माण में सहयोग करने का संकल्प लिया।

उन्होंने नियमित रूप से छोटी-छोटी बचत करते हुए कुल 2,190 की राशि एकत्रित की और जन्मोत्सव के अवसर पर श्रद्धापूर्वक श्री श्याम मंदिर में मंदिर निर्माण हेतु समर्पित कर दी। ीपक सिंह राजपूत का यह समर्पण केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि सच्ची श्रद्धा, अटूट आस्था और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण है। उनके पास न कोई बड़ा व्यवसाय है और न ही कोई दुकान, वे वेल्डिंग का मजदूरी कार्य करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं।

इसके बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई में से नियमित बचत कर बाबा श्याम के मंदिर निर्माण में योगदान देने का संकल्प निभाया।

उनका यह कार्य समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए प्रेरणास्रोत है। यह संदेश देता है कि सेवा और धर्म के कार्यों में योगदान देने के लिए धनवान होना जरूरी नहीं, बल्कि मन में सच्ची श्रद्धा और समर्पण का भाव होना चाहिए। जहां कोई व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार लाखों रुपये का सहयोग करता है, वहीं श्री दीपक सिंह राजपूत जैसे श्रद्धालु अपनी दैनिक मजदूरी में से 10 बचाकर भी उतनी ही बड़ी भावना का परिचय देते हैं।

लायंस क्लब सिवनी मोगली ने ग्राम खापा के बच्चों को भेंट किए झूले

सिवनी। स्वतंत्र मत। लायंस क्लब सिवनी मोगली ने आज ग्राम खापा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के बच्चों को झूलों की सौगात दी। क्लब अध्यक्ष श्री नवनीत अग्रवाल के नेतृत्व में क्लब के सदस्यों ने झूले भेंट किए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना और उन्हें खेलकूद के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना है।

ग्राम खापा शासकीय शाला के प्रधान अध्यापक श्री योगेंद्र साहू जी ने लाइंस क्लब सिवनी का विशेष आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर क्लब के सचिव श्री मोहित मालू, सहसचिव श्री संतोष नागपुरे, कोषाध्यक्ष श्री शीतल नाहटा, उपाध्यक्ष श्री सुधीर नाहटा, श्री राजीव मिश्रा सहित क्लब के सभी सदस्य उपस्थित रहे और कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अध्यक्ष श्री



नवनीत अग्रवाल ने कहा कि क्लब समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सेवा कार्य पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

बच्चों के सर्वांगीण विकास में शिक्षा के साथ खेलकूद की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इसी उद्देश्य से क्लब जरूरतमंद विद्यालयों में झूले और खेल सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास करेगा।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में सभी सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। क्लब ने शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं सामाजिक सेवा से जुड़े कार्य भविष्य में भी निरंतर करने का संकल्प व्यक्त किया।

रियांश हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा

हादसा दिखाने सड़क किनारे एक्टिवा के साथ फेंका शव, पांच गिरफ्तार, एक आरोपी फरार

बालाघाट। तीन साल के प्रेम संबंध का ऐसा खौफनाक अंत होगा, इसकी कल्पना शायद 20 वर्षीय रियांश चौहान ने भी नहीं की होगी। जिस प्रेम संबंध को लेकर विवाद चल रहा था, वही उसकी मौत की वजह बन गया। प्रेमिका के पिता और भाई ने मिलकर रियांश को रास्ते से हटाने की साजिश रची और इसके लिए 10 लाख रुपये की सुपारी दे डाली। आरोपियों ने पहले से बनाई गई योजना के तहत मंडई देखने पहुंचे रियांश को अपने जाल में फंसाया, सुनसान जगह ले जाकर शराब पिलाई और फिर लोहे के एंगल से सिर पर ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। इतना ही नहीं, हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को उसकी एक्टिवा के साथ सड़क किनारे फेंक दिया। लेकिन हट्टा थाना पुलिस ने छह दिन की जांच और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर इस अंधे हत्याकांड की गुत्थी सुलझाते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में युवती का पिता जीवन पटले, भाई आशुतोष पटले और हत्या को अंजाम देने वाले तीन युवक



शामिल हैं। जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है। पुलिस के खुलासे ने प्रेम संबंधों के विवाद से उपजी इस वारदात के पीछे की सुनियोजित साजिश को उजागर कर दिया है। पुलिस विवेचना में सामने आया कि ग्राम नाहरवानी निवासी रियांश पिता दिनेश चौहान (20) का एक युवती के साथ पिछले तीन वर्षों से प्रेम संबंध था। बताया गया कि इसी रंजिश के चलते पिता-पुत्र ने करीब तीन माह पहले ही रियांश को रास्ते से हटाने की योजना बना ली थी। योजना को अंजाम देने की जिम्मेदारी युवती के भाई आशुतोष पटले ने अपने साथियों को दी। इसके लिए चार युवकों को 10 लाख रुपये देने का लालच दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने सही मौके का इंतजार करना शुरू कर दिया। 16 नवंबर 2026 की रात ग्राम परासपानी में मंडई आयोजित थी। रियांश भी मंडई देखने पहुंचा था।

इसी दौरान आरोपी युवक उसे अपने साथ ले गए और एक सुनसान स्थान पर शराब पिलाई। जब रियांश नशे की हालत में हुआ तो आरोपियों ने लोहे के एंगल से उसके सिर के पीछे जोरदार वार किया। हमले से वह बेसुध होकर गिर पड़ा। इसके बाद आरोपियों ने दोबारा लोहे के एंगल से वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपियों ने सड़क किनारे रख दिया, ताकि पहली नजर में मामला सड़क दुर्घटना का लगे और हत्या का शक न हो।17 नवंबर 2026 को हट्टा पुलिस को लोहारा से परासपानी मार्ग पर बांधा तालाब के पास सड़क दुर्घटना की सूचना मिली। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां एक युवक का लहूलुहान शव पड़ा था और पास में उसकी एक्टिवा भी मौजूद थी। मृतक की पहचान रियांश चौहान निवासी नाहरवानी के रूप में हुई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि होने के बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।



कलेक्टर आदित्य सिंह ने जिला चिकित्सालय पहुंचकर बच्चों का जाना हाल

बालाघाट। ग्राम हिर्री में 21 नवंबर को आयोजित मंडई (मेले) के दौरान चाऊमीन खाने से 118 बच्चे फूड पॉइजनिंग के कारण बीमार हो गए। बच्चों को पेट दर्द की शिकायत होने पर तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार शुरू किया गया। 45 बच्चों को जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर किया गया है। इसके अलावा 12 वयस्कों को भी जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी मिलने पर कलेक्टर आदित्य सिंह ने चिकित्सालय पहुंचकर भर्ती बच्चों एवं अन्य मरीजों का हालचाल जाना।

फूड पॉइजनिंग से 118 बच्चे और महिलाएं बीमार!

45 बच्चे और 12 युवतियां व महिलाएं जिला अस्पताल में भर्ती।

कलेक्टर आदित्य सिंह ने खाद्य विभाग को दिए जांच के निर्देश।

घटना से जिला प्रशासन में मचा हड़कंप।

बालाघाट। जिले के किरनापुर तहसील क्षेत्र के ग्राम हिर्री में आयोजित मंडई मेले के दौरान मंचूरियन और चाउमिन खाने के बाद करीब 118 बच्चों, युवतियों और महिलाओं की तबीयत बिगड़ने का मामला सामने आया है। अचानक इतनी बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने से मेले में अफरा-तफरी की स्थिति निर्मित हो गई। पेट दर्द और उल्टियां होने की शिकायत के बाद सभी प्रभावितों को अस्पताल पहुंचाया गया। इनमें 45







बच्चे और 12 युवतियां व महिलाएं जिला चिकित्सालय बालाघाट में भर्ती हैं, जबकि शेष बीमार लोगों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर में जारी है। घटना की जानकारी सामने प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हिर्री मंडई मेले में लगे फास्ट फूड के स्टॉल से मंचूरियन और चाउमिन खाने के बाद बच्चों सहित अन्य लोगों को पेट दर्द और उल्टियां होने लगीं। देखते ही देखते बीमार होने वालों की संख्या बढ़ती गई। परिजन घबराकर बच्चों और महिलाओं को लेकर सबसे पहले गांव के डॉक्टर के पहुचे, जिन्हे डॉक्टर ने सीधे किरनापुर अस्पताल जाने की सलाह दी, जिसके बाद एम्बुलेंस के जरिये सभी बच्चों को लेकर परिजन किरनापुर अस्पताल पहुंचे। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीरता और बेहतर चिकित्सकीय निगरानी की आवश्यकता को देखते हुए 45 बच्चों तथा 12 युवतियों व महिलाओं को जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया। अन्य प्रभावितों का उपचार किरनापुर में चल रहा है.इस पुरे घटनाक्रम से ना सिर्फ बच्चों के परिजनों मे हड़कंप की स्तिथि बनी, बल्कि प्रशासनिक महकमे मे भी हड़कंप मच गया। जहाँ मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर आदित्य सिंह ने सीधे जिला अस्पताल पहुंचकर पीड़ित बच्चों के स्वास्थ्य की जानकारी ली और परिजनों से चर्चा की। वही कलेक्टर ने खाद्य विभाग को घटना की जांच करने के निर्देश दिए हैं। अब खाद्य सुरक्षा विभाग की जिम्मेदारी है कि संबंधित खाद्य स्टॉलों पर इस्तेमाल की गई सामग्री, तेल, पानी और भोजन तैयार करने की प्रक्रिया की बारीकी से जांच करे। आवश्यकता के अनुसार खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराया जाना चाहिए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में लोगों की तबीयत किस वजह से बिगड़ी।

हिर्री मंडई से निकलकर सामने आई यह घटना केवल फूड पॉइजनिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि मेलों और सार्वजनिक आयोजनों में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की वास्तविक स्थिति को भी उजागर करती है। सवाल यह है कि मेले में खाद्य सामग्री बेचने वाले दुकानदारों की जांच क्यों नहीं होती?

क्या खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा स्टॉलों पर बिकने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता की निगरानी की गई थी? यदि नहीं तो इसका जिम्मेदार खाद्य विभाग माना जाएगा। एक साथ करीब 118 लोगों के बीमार पड़ने की घटना ने जिला प्रशासन को फिर चिंता में डाल दिया है। क्युकी रात भर एम्बुलेंस से मरीजों को अस्पताल पहुंचाया गया। फिलहाल प्राथमिकता, सभी प्रभावितों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनकी स्वास्थ्य स्थिति पर नजर बनाए रखने की है।

राहत की बात यह कि बच्चों के स्वास्थ्य मे सुधार आ रहा है, इसके साथ ही सभी मरीज चिकित्सकीय निगरानी मे। वहीं मामले मे पुलिस का भी एक्शन देखने मिल रहा है, जहाँ पुलिस ने मेले मे चाउमीन और मंचूरियन की दूकान लगाने वाले को पूछताछ के लिए हिरासत मे लिया है। अब सम्पूर्ण जांच के बाद यदि खाद्य सामग्री में लापरवाही सामने आती है तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई भी जरूरी होगी। आखिर बच्चों और आम लोगों की सेहत से खिलवाड़ करने की जिम्मेदारी कौन लेगा?

खानपान स्टाल में भारी पड़ रही नियमों की अनदेखी

रेलवे स्टेशनों में सुरक्षा को लेकर एक्शन में रेलवे अफसर



कटनी (स्वतंत्रमत)।

रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर जबलपुर रेल मंडल ने सख्त रुख अपनाया है। खानपान इकाइयों में अग्नि सुरक्षा और विद्युत सुरक्षा के नियमों की अनदेखी अब भारी पड़ रही है। कटनी के साथ ही जबलपुर और पिपरिया रेलवे स्टेशन पर औचक निरीक्षण के दौरान गंभीर अनियमितताएं मिलने पर तीन खानपान इकाइयों को तत्काल प्रभाव से बंद करा दिया गया। इस कार्रवाई के बाद रेलवे की अन्य वाणिज्यिक इकाइयों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

दरअसल यात्रियों की सुरक्षा और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए जबलपुर रेल मंडल द्वारा रेलवे स्टेशनों पर संचालित खानपान एवं अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों की सघन जांच की जा रही है। इसी कड़ी में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता के निर्देशन में नवागत सहायक वाणिज्य प्रबंधक वासुदेव सरकार ने वाणिज्य विभाग की टीम के साथ जबलपुर रेलवे स्टेशन पर संचालित खानपान इकाइयों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन उपकरणों की उपलधता, उनकी कार्यशीलता, विद्युत वायरिंग, खुले बिजली के तार और अन्य सुरक्षा इंतजामों की बारीकी से जांच की गई।

इस दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन नहीं करने पर जबलपुर स्टेशन की एक आईआरसीटीसी इकाई को तत्काल बंद करा दिया गया। वहीं इसी अभियान के तहत कटनी और पिपरिया रेलवे स्टेशन पर भी एक-एक खानपान इकाई में अनियमितताएं पाए जाने पर कार्रवाई करते हुए उन्हें बंद कराया गया। यानी तीन रेलवे स्टेशनों पर तीन इकाइयों पर सीधी कार्रवाई की गई है। रेलवे प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान केवल तीन स्टेशनों तक सीमित नहीं रहेगा। मंडल के अन्य रेलवे स्टेशनों पर भी वाणिज्य निरीक्षकों और सुपरवाइजरों की अलग-अलग टीमें गठित कर जांच कराई जा रही है। इस अभियान में खानपान स्टॉल, कैटरिंग यूनिट, फूड प्लाजा, जन आहार, पार्सल कार्यालय सहित अन्य वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को शामिल किया गया है। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि आगामी एक सप्ताह के भीतर सभी संबंधित इकाइयों का गहन निरीक्षण पूरा किया जाए। साथ ही जहां भी अग्नि सुरक्षा या विद्युत सुरक्षा में गंभीर लापरवाही मिलेए वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई से साफ है कि अब स्टेशन परिसरों में खानपान और व्यावसायिक गतिविधियों के नाम पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



राजस्थान की ऐतिहासिक जीत पर कांग्रेस का भव्य विजय उत्सव

गूंजे राजस्थान तो झांकी है, मध्यप्रदेश बाकी है के नारे

कटनी (स्वतंत्रमत)। राजस्थान के पंचायत स्तरीय चुनावों में कांग्रेस पार्टी को मिली शानदार सफलता के उपलक्ष्य में जिला शहर कांग्रेस कमेटी कटनी द्वारा थाना तिराहा में भव्य विजय उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी और हर्षोल्लास के साथ विजय का जश्न मनाया। विजय उत्सव के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राजस्थान तो झांकी है, मध्यप्रदेश बाकी है के गगनभेदी नारों से माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। कार्यकर्ताओं ने इस जीत को संगठन की एकजुटता मेहनत और जनता के विश्वास की जीत बताते हुए आगामी राजनीतिक चुनौतियों के लिए संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी शहर एड. अमित शुक्ला ने कहा कि राजस्थान की यह शानदार जीत कांग्रेस के प्रत्येक कार्यकर्ता के परिश्रम, संघर्ष और समर्पण का परिणाम है। यह जीत साबित करती है कि जनता के मुद्दों और अधिकारों की आवाज बुलंद करने वाली कांग्रेस पार्टी के प्रति जनविश्वास लगातार मजबूत हो रहा है।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की जीत ने मध्यप्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार किया है। अब समय आ गया है कि सभी कार्यकर्ता आपसी एकजुटता संगठनात्मक मजबूती और पूरी निष्ठा के साथ जनता के बीच पहुंचकर उनकी आवाज बनें। एड. अमित शुक्ला ने कहा कि राजस्थान में मिली सफलता केवल एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि आने वाले राजनीतिक संघर्षों के लिए नई उम्मीद और नई शुरुआत है। मध्यप्रदेश में भी कांग्रेस का प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी ताकत से संगठन को मजबूत करने के लिए संकल्पित है। हमारा लक्ष्य जनता का विश्वास जीतकर प्रदेश में कांग्रेस की मजबूत वापसी सुनिश्चित करना है। जिलाध्यक्ष कांग्रेस कमेटी शहर एड. अमित शुक्ला, करन सिंह चौहान, रजनी वर्मा, जितेंद्र गुप्ता, अजय जैसवानी, डॉ. सनत तिवारी, नारायण निषाद, बुद्धि महाराज, गप्पू भाईजान, संजय गुप्ता, गुलाम जाफर, रमेश अहिरवार, राजेश निषाद, कपिल पटेल, सलाहुद्दीन खान, शशि शेखर भारद्वाज, रवि जायसवाल, मनोज वर्मा, हर्षित मिश्रा, विनायक नामदेव एवं गौरव श्रीवास सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने लगेंगे विशेष शिविर

पात्र नागरिक कर सकेंगे आवेदन



कटनी (स्वतंत्रमत)। मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने और मौजूदा प्रविष्टियों में सुधार कराने के लिए भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत रविवार 22 नवंबर को जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों के मतदान केंद्रों के साथ महाविद्यालयों और हायर सेकेंडरी स्कूलों में विशेष शिविर आयोजित किए गए। आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए फार्म-6, नाम विलोपित कराने के लिए फार्म-7 और नाम अथवा अन्य प्रविष्टियों में संशोधन कराने के लिए फार्म-8 प्रस्तुत किए जा सकते हैं। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष तिवारी ने जिले के सभी पात्र युवाओं और नागरिकों से अपील की है कि वे विशेष शिविरों का लाभ उठाएं और मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना सुनिश्चित करें। नागरिक अपने आवेदन संबंधित बीएलओ अथवा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के पास जमा कर सकते हैं। इसके अलावा एनव्हीएसपी पोर्टल और वोटर हेल्पलाइन एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा भी उपलब्ध है।

समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन से पहले प्रशासन की सख्ती, मोहास में 179 क्विंटल अवैध धान जब्त

कलेक्टर के निर्देश पर गठित उड़नदस्ता दल लगातार कर रहा कार्रवाई



कटनी (स्वतंत्रमत)।

जिले में धान के अवैध परिवहन और भंडारण पर रोक लगाने के लिए दलालों, बिचौलियों और व्यापारियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई करने के कलेक्टर आशीष तिवारी द्वारा समय-सीमा बैठक में दिये गये निर्देश के बाद गठित उड़नदस्ता दल ने जिले में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन शुरू होने के पहले से ही पूरी सक्रियता से कार्य करते हुए रीठी तहसील के ग्राम मोहास में 179 क्विंटल धान जब्त किया है। कृषि उपज मंडी के भारसाधक अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जितेंद्र पटेल ने बताया कि तहसीलदार रीठी आकांक्षा चौरसिया के नेतृत्व में गठित टीम ने 21 नवंबर को ग्राम मोहास स्थित व्यापारी जीतू पटेल के परिसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में 179 क्विंटल धान अवैध रूप से भंडारित पाया गया।

प्रशासनिक टीम ने मौके पर ही धान जब्त कर लिया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन व्यवस्था को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाए रखने के लिए अवैध भंडारण और अनियमितताओं पर लगातार नजर रखी जा रही है। प्रकरण में विस्तृत विवेचना के उपरांत कृषि उपज मंडी समिति, कटनी द्वारा नियमानुसार आगामी दांडिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार आकांक्षा चौरसिया के साथ कृषि उपज मंडी के उप निरीक्षक सुधीर त्रिपाठी, उपनिरीक्षक विकास नारायण मिश्रा एवं उप निरीक्षक प्रशांत मौर्य उपस्थित रहे। इसके पहले विगत दिनों उड़नदस्ता दल ने बिना वैध दस्तावेजों के 301.50 क्विंटल धान का अवैध परिवहन करते हुये ट्रक को कटनी जबलपुर बायपास से पकड़ा था और 88 हजार 930 रूपए का दांडिक शुल्क भी वसूल किया था। साथ ही प्रकरण तैयार कर मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19 (4) के तहत कार्रवाई किया था।



दो बसों की चपेट में आई बाइक, दो छात्रों की दर्दनाक मौत

तीसरा गंभीर, कटनी-शहडोल मार्ग पर सुर्खी मोड़ के पास हुआ हादसा

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी-शहडोल मार्ग पर एनकेजे थाना क्षेत्र अंतर्गत सुर्खी मोड़ के पास रविवार को भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीन युवक सुर्खी मोड़ के पास दो बसों की चपेट में आ गए। हादसा इतना भीषण था कि दो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। मृतकों की पहचान कर्ण कोल और अनुराग कोल के रूप में हुई है, जबकि गंभीर रूप से घायल युवक की पहचान सावन कोल के रूप में बताई गई है। तीनों युवक ग्राम सुर्खी पौंडी के निवासी थे।

छिंदवाड़ा में दुकान के पीछे मृत मिला कटनी का व्यापारी

फोन न उठाने पर दोस्त पहुंचा तो हुआ खुलासा, परिजन भी पहुंचे

कटनी (स्वतंत्रमत)। छिंदवाड़ा जिले के इमलीखेड़ा क्षेत्र में एक बंद दुकान के पीछे के कमरे में कटनी निवासी व्यापारी का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक छिंदवाड़ा में बीज भंडार, कीटनाशक और हार्डवेयर की दुकान चलाता था। शनिवार को कटनी में रह रहे परिजनों ने जब उसे कई बार फोन किया और कॉल रिसीव नहीं हुआ, तो उन्होंने वहां मौजूद एक परिचित दोस्त को जानकारी दी। दोस्त मौके पर पहुंचा और शटर खुलवाकर अंदर देखा तो व्यापारी मृत अवस्था में मिला। मृतक की पहचान श्रीकांत पासेबंद 38 वर्ष के रूप में हुई है, जो मूल रूप से कटनी के रहने वाले थे और छिंदवाड़ा के इमलीखेड़ा में किराए की दुकान

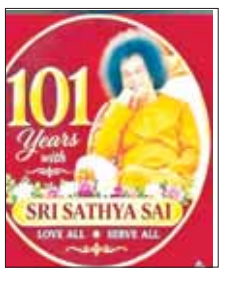


संचालित कर रहे थे। शनिवार को कटनी से परिजन लगातार संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे लेकिन फोन नहीं उठने पर अनहोनी की आशंका के चलते दोस्त को सूचना दी गई। दोस्त ने आसपास के लोगों की मदद से बंद दुकान का शटर उठाया और पीछे के कमरे में पहुंचे, जहां श्रीकांत मृत मिले। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। पुलिस के अनुसार मौके से कोई नोट बरामद नहीं हुआ है। जानकारी के मुताबिक श्रीकांत दो-तीन दिन पहले ही कटनी से छिंदवाड़ा लौटे थे। घटना की खबर मिलने के बाद कटनी से परिजन छिंदवाड़ा पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया है। मौत के कारणों को लेकर अभी कोई आधिकारिक स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी है और पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है।

आज मनाया जाएगा सत्य सांई बाबा का जन्मोत्सव

नईबस्ती के सिंधु भवन में होंगे धार्मिक आयोजन

कटनी (स्वतंत्रमत)। श्री सत्य सांई बाबा का 101वां जन्मोत्सव आज 23 नवंबर को शहर में भक्तिमय वातावरण में मनाया जाएगा। आयोजन दो चरणों में होगा, जिसमें सुबह से लेकर शाम तक धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। पहले चरण की शुरुआत सुबह 5:06 बजे सांई जन्म, ओंकारम, सुप्रभातम, नगर संकीर्तन (प्रभातफेरी) और सांई जलाभिषेक के साथ होगी। द्वितीय चरण में शाम 5:30 बजे से नईबस्ती स्थित सिंधु भवन में मुख्य आयोजन होगा। इसमें वेदपाठ, साई भजन संध्या, वक्ताओं द्वारा सांई बाबा की जीवनी और उनके संदेशों का वाचन, जन्मदिन केक कटिंग तथा बाल विकास के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी। आयोजकों के अनुसार, जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में 17 नवंबर से साई सप्ताह मनाया जा रहा है।



इसके तहत प्रतिदिन सुबह 5:15 बजे प्रभातफेरी और शाम 6 बजे भजन आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों का समापन 23 नवंबर को जन्मोत्सव के साथ होगा। सांई समिति ने श्रद्धालुओं से परिवार सहित कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

कलेक्टर ने बच्चों को पिलाई पोलियो की दो बूंद दवा



कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले में राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान-2026 का शुभारंभ कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिला चिकित्सालय कटनी के मातृ एवं शिशु परिचर्या भवन में बच्चों को पोलियो की दो बूंद दवा पिलाकर किया। इस अवसर पर कलेक्टर ने जिला पंचायत सीईओ हरसिमरन प्रीत कौर की पुत्री देवांशी 4 वर्ष एवं पुत्र तेजस 2.5 वर्ष को भी पोलियो की दवा पिलाई। इसके पश्चात कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय में जन्मे 50 नवजात शिशुओं को भी पोलियो की खुराक पिलाई। कलेक्टर श्री तिवारी ने अभियान के तहत जिले के प्रत्येक पात्र बच्चे तक पोलियो की खुराक पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा पोलियो की दो बूंद दवा से वंचित नहीं रहना चाहिए। बताते चलें कि कलेक्टर के निर्देश पर जिले में अभियान के अंतर्गत 0 से 5 वर्ष तक के 1 लाख 73 हजार 153 बच्चों को 1,670 बूथों के माध्यम से पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बूथ दिवस पर छूटे बच्चों को दूसरे एवं तीसरे दिन 3,354 टीकाकरण कर्मचारियों द्वारा घर-घर पहुंचकर दवा पिलाई जाएगी। अभियान की निगरानी के लिए 162 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। शुभारंभ अवसर पर सीईओ जिला पंचायत श्रीमती हरसिमरन प्रीत कौर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.राज सिंह ठाकुर, सिविल सर्जन डॉ. यशवंत वर्मा, स्वास्थ्य विभाग के नितिन तपा सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

32.92 लाख रुपये की लागत से संवरेगी ड्रेनेज व्यवस्था

बस्तीवासियों के बीच बैठकर महापौर प्रीति सूरी ने सुनीं जनहित की बातें

अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास पहुंचाना ही प्राथमिकता-महापौर

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर के वार्डों में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने और नागरिकों को रोजमर्रा की समस्याओं से राहत दिलाने के उद्देश्य से महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी द्वारा विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। इसी क्रम में श्रीराम जानकी हनुमान वार्ड के प्रेमनगर क्षेत्र में 32.92 लाख रुपये की लागत से निर्मित होने वाली सीसी नाली निर्माण कार्य का महापौर ने मातृशक्तियों के साथ विधिवत भूमिपूजन कर कार्य की शुरुआत की। इस निर्माण कार्य से क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी



तथा लंबे समय से जलभराव की समस्या से जूझ रहे रहवासियों को राहत मिलेगी। प्रेमनगर क्षेत्र में सोहन चौधरी के घर के पीछे निर्मित होने वाली सीसी नाली क्षेत्र की जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। वर्तमान में उचित निकासी व्यवस्था के अभाव में बारिश एवं घरों से निकलने वाला पानी गलियों में जमा होने से रहवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। नाली निर्माण पूर्ण होने के उपरांत जल निकासी सुचारु होगी, जिससे स्वच्छता एवं आवागमन की व्यवस्था बेहतर बनेगी।।

महापौर ने कार्यक्रम में स्पष्ट संदेश दिया कि शहर का वास्तविक विकास तभी सार्थक है, जब बुनियादी सुविधाओं का लाभ बस्ती के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुंचे।

उन्होंने मातृशक्तियों का सम्मान करते हुए कहा कि स्वच्छ और जलभराव मुक्त वातावरण हर नागरिक का अधिकार है। महापौर ने मौके पर ही अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को दो-टूक निर्देश दिए कि 32.92 लाख रुपये की लागत से बनने वाली इस सीसी नाली की गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और कार्य तय समयसीमा में पूरा किया जाए, ताकि आगामी बारिश से पहले रहवासियों को इस समस्या से स्थायी निजात मिल सके। भूमिपूजन कार्यक्रम के दौरान महापौर ने प्रेमनगर बस्ती के रहवासियों के बीच मातृशक्तियों का सम्मान कर उनसे आत्मीय संवाद किया।

नागरिकों द्वारा पानी एवं अन्य स्थानीय विषयों से संबंधित जानकारी साझा किए जाने पर महापौर ने संबंधित अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। महापौर ने आश्वस्त किया कि शहर के किसी भी वार्ड को मूलभूत सुविधाओं से वंचित नहीं रहने दिया जाएगा और जनहित से जुड़े विकास कार्य आगे भी इसी गति से निरंतर जारी रहेंगे। कार्यक्रम के अंत में वार्डवासियों ने महापौर का स्वागत कर विकास कार्य के प्रति खुशी जाहिर की।

भारत ने 7-0 से थाईलैंड को दी मात टूर्नामेंट में लगाई जीत की हैट्रिक

महिला एशियन हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी, जापान की भी लगातार तीसरी जीत, मलेशिया ने कोरिया को हराया

भोपाल

महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में मेजबान भारत ने जीत की हैट्रिक लगा दी। भोपाल के नाथू बरखेड़ा के नए स्टेडियम में खेले जा रहे टूर्नामेंट के तीसरे दिन रविवार को भारतीय टीम ने थाईलैंड को 7-0 से हरा दिया। वहीं दिन के दो अन्य मुकाबलों में मलेशिया ने कोरिया को 3-1 से और जापान ने चीन को 3-1 से हराया।भारतीय टीम ने थाईलैंड को 7-0 से करारी शिकस्त दी। भारत ने पहले क्वार्टर में तीन गोल दागकर मैच पर पकड़ बना ली। दीपिका ने 9वें और 10वें मिनट में लगातार दो गोल किए, जबकि नवनीत कौर ने तीसरे मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर गोल किया। इसके बाद मुमताज खान ने 27वें और सुनेलिता टोप्पो ने 31वें मिनट में गोल कर बढ़त 5-0 कर दी। तीसरे क्वार्टर में भारत ने एक और गोल किया, जबकि चौथे क्वार्टर में दीपिका ने 55वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। इसी मिनट नवनीत कौर ने पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 7-0 कर दी। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। दीपिका तीन गोल के साथ मैच की शीर्ष स्कोरर रहीं।



मलेशिया ने कोरिया के सामने दिखाई फुर्ती

मलेशिया ने कोरिया को 3-1 से हराया। रविवार को खेले गए दिन के दूसरे मुकाबले में मलेशिया ने तीसरे क्वार्टर में दो गोल कर बढ़त बनाई। नूरमाइजातुल स्याफी ने 32वें मिनट में और नूरामिराह जुल्किफ्ली ने 37वें मिनट में गोल किया। कोरिया की ओर से साएना जियोंग ने 35वें मिनट में गोल कर अंतर कम किया। चौथे क्वार्टर के आखिरी क्षणों में मलेशिया की सिती मोहद ने 59वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर टीम की जीत पक्की कर दी।

चीन पर हावी रहा जापान

जापान ने चीन को 3-1 से हराया। दिन पहले मुकाबले में जापान के लिए यामामोटो रीना ने 18वें मिनट में, कानेको नानामी ने 34वें मिनट में और मारुयामा निको ने मैच के आखिरी क्षणों में 59ञ्58 मिनट पर गोल किया। वहीं चीन की ओर से काई वेनकियान ने 44वें मिनट में गोल कर अंतर कम किया, लेकिन टीम बराबरी नहीं कर सकी। चार क्वार्टर के मुकाबले में जापान ने दूसरे, तीसरे और चौथे क्वार्टर में एक-एक गोल किया, जबकि चीन को तीसरे क्वार्टर में एकमात्र सफलता मिली।

दक्षिण अफ्रीका को टक्कर देने के इरादे से उतरेगी बांग्लादेश की टीम

सेंचुरियन। दक्षिण अफ्रीका को अपने कप्तान टेम्बा बावुमा की कमी खलेगी, लेकिन सेंचुरियन में होने वाले दूसरे टेस्ट से पहले बांग्लादेश के लिए दो बड़े खिलाड़ी बाहर हैं। मुशफिकुर रहीम को ग्रोइन (जांघ के ऊपरी हिस्से) में और हसन महमूद को कोहनी में चोट लगी है, जिसका मतलब है कि बांग्लादेश अपने सबसे अनुभवी खिलाड़ी और सबसे अच्छी फॉर्म में चल रहे गेंदबाज के बिना मैदान पर उतरेगा। इसके अलावा, पहली पारी में 400 रन बनाने के बावजूद नौ विकेट से मिली हार के बाद, उन्हें अब मेजबान टीम को हराने का कोई नया तरीका खोजना होगा। दक्षिण अफ्रीका के लिए, बावुमा की चोट के अलावा चिंता की कोई खास बात नहीं है। उन्होंने बांग्लादेश की पहली पारी के स्कोर का शानदार जवाब देते हुए 157 रनों की बढ़त हासिल की। उनके इतिहास में यह केवल तीसरी बार था जब उन्होंने पहली पारी में 400 रन देने के बाद भी कोई मैच जीता हो। नए खिलाड़ी मार्केस एकरमैन ने अपने करियर का पहला शतक जड़कर टीम की कमान संभाली, जबकि रयान रिकेल्टन ने अपना चौथा शतक लगाया और कगिसो रबाडा ने 72 रन बनाए, जिससे टीम 550 रनों के पार पहुंच गई।

विश्व स्नूकर चैंपियनशिप : भारत की अनुपमा ने रचा इतिहास

फाइनल में हांगकांग को 3-1 से हराया, दूसरी बार जीता खिताब, पुरुष वर्ग में ईरान के अली जीते

इंदौर

इंदौर के यशवंत क्लब में आयोजित आई बीएसएफ वर्ल्ड स्नूकर चैंपियनशिप 2026 खत्म हो गई। भारत की 24 साल की अनुपमा रामचंद्रन ने लगातार दूसरी बार महिला वर्ग का विश्व खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह ऐसा करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं। महिला वर्ग के फाइनल में अनुपमा ने हांगकांग की सो मैन यान को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ उन्होंने पिछले साल जीता अपना खिताब भी बरकरार रखा। वहीं, पुरुष वर्ग के फाइनल में ईरान के 32 वर्षीय अली घरहागोजलू ने हांगकांग के 24 वर्षीय टैम युन फंग को 5-1 से हराया। अली ने भी दूसरी बार खिताब जीता है। भारतीय बिलियर्ड्स एवं स्नूकर महासंघ के शताब्दी वर्ष के मौके पर आयोजित इस प्रतियोगिता में 30 से ज्यादा देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।



पहली फ्रेम हारने के बाद अनुपमा ने लगातार तीन फ्रेम जीते

महिला वर्ग का फाइनल मौजूदा चैंपियन अनुपमा रामचंद्रन और हांगकांग की सो मैन यान के बीच खेला गया। मुकाबले की पहली फ्रेम यान ने 58-16 से जीतकर बढ़त बना ली। इसके बाद अनुपमा ने शानदार वापसी की। उन्होंने दूसरी फ्रेम 83-7 से जीतकर स्कोर बराबर कर दिया। फिर तीसरी फ्रेम 85-26 और चौथी फ्रेम 65-37 से जीतकर लगातार तीन फ्रेम अपने नाम कर लिए। अनुपमा ने पूरे मुकाबले में सटीक निशाने और शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 3-1 से जीत दर्ज कर लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने का खिताब अपने नाम किया। इस जीत के साथ उन्होंने पिछले साल दोहा में जीता विश्व खिताब भी बरकरार रखा।

अनुपमा ने लगातार दूसरी बार जीता विश्व खिताब

अनुपमा रामचंद्रन ने नवंबर 2025 में दोहा में हुई विश्व महिला स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीता था। फाइनल में उन्होंने हांगकांग की एनजी ऑन यी को 3-2 से हराया था। यह सीनियर स्तर पर उनका पहला विश्व खिताब था। अब इंदौर में खिताब का बचाव करते हुए उन्होंने लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। अनुपमा ने 2017 में अंडर-16 गर्ल्स वर्ल्ड ओपन स्नूकर चैंपियनशिप जीतकर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद 2023 में रियाद में आईबीएसएफ विश्व अंडर-21 महिला स्नूकर चैंपियनशिप जीती। इसी साल उन्होंने टीम स्पर्धा में विश्व महिला स्नूकर कप का खिताब भी अपने नाम किया था।

राफेल नडाल रियल मैड्रिड के निदेशक मंडल में शामिल

मैड्रिड। टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी राफेल नडाल को शनिवार को रियल मैड्रिड के निदेशक मंडल में शामिल करने की मंजूरी मिल गई। वह



क्लब के बोर्ड के 19वें सदस्य बन गए हैं। 22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके नडाल को क्लब की आम सदस्य सभा में 99.5 प्रतिशत मतों के साथ निदेशक मंडल में शामिल किया गया। मतदान में पड़े कुल 1,713 मतों में से 1,704 उनके पक्ष में थे। नडाल 2011 से क्लब के मानद सदस्य हैं। नडाल ने एक बयान में कहा, रियल मैड्रिड के निदेशक मंडल का हिस्सा बनना एक बड़ी जिम्मेदारी है। यह ऐसा क्लब है जिसकी विरासत माता-पिता से बच्चों तक पहुंचती है और जो लोगों को एकजुट करता है। मेरे लिए यह परिवार और दोस्तों के साथ मैच देखने के अनुभव से जुड़ा है। यह मेरे लिए अपार खुशी और बहुत संतोष की बात है। उनकी नियुक्ति को क्लब के अध्यक्ष फ्लोरेंटिनो पेरेज के लिए एक उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है। हाल के दिनों में उनके नेतृत्व की आलोचना हुई है। क्लब ने 2024 के बाद से कोई खिताब नहीं जीता है। इस सत्र में 12 मुकाबलों के बाद रियल मैड्रिड का रिकॉर्ड 10 जीत, दो हार और कोई ड्रॉ नहीं रहा है। टीम 30 अंकों के साथ ला लीगा तालिका में दूसरे स्थान पर है। बार्सिलोना 33 अंकों के साथ शीर्ष पर है, जिसने 11 मुकाबले जीते हैं, एक हारा है और कोई ड्रॉ नहीं खेला है।

भारत ने न्यूजीलैंड में बनाया सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर

पहली बार शुरुआती 7 विकेट के लिए फिफ्टी पार्टनरशिप, पंत का चौथी बार छक्के से शतक

वेलिंगटन

भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वेलिंगटन टेस्ट की पहली पारी 720/9 रन बनाकर घोषित की। यह न्यूजीलैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे बड़े स्कोर का रिकॉर्ड है। इतना ही नहीं, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार किसी पारी में पहले 7 विकेट के लिए 50 रन से ज्यादा की साझेदारियां हुई हैं। ऋषभ पंत ने भी 128 रन की रिकॉर्ड पारी खेली। वे एसईएनए देशों (साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया) में टेस्ट शतक लगाने वाले एशिया के पहले विकेटकीपर बैटर बन गए हैं।भारतीय टीम ने 720/9 रन बनाकर न्यूजीलैंड में सबसे बड़े टेस्ट स्कोर का रिकॉर्ड तोड़ दिया। कीवियों ने 2019 में



हैमिल्टन में बांग्लादेश के खिलाफ 715/6 का स्कोर बनाया था। भारतीय टीम ने टेस्ट में अपना तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया है। उसका सबसे बड़ा स्कोर 759/7 है, जो 2016 में इंग्लैंड के खिलाफ चेन्नई में बना था। टीम इंडिया 2009 में मुंबई में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 729/6 का स्कोर भी बना चुकी है, भारत ने 5वीं बार टेस्ट की एक पारी में 700 रन से बड़ा स्कोर बनाया है। वह 700 या उससे ज्यादा रन बनाने वाली टीमों की लिस्ट में दूसरे स्थान पर है। टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज (4-4 बार) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। इस मामले में श्रीलंका (7 बार) पहले स्थान पर है।148 साल के टेस्ट इतिहास में पहली बार किसी टीम ने एक पारी में शुरुआती सभी 7 विकेट के लिए 50 या उससे ज्यादा रन की साझेदारियां की हैं। यह कारमाना भारत ने किया। इनमें शुरुआती 2 विकेट के लिए शतकीय साझेदारियां हुईं। चौथे विकेट के लिए गिल और पंत ने भी 100 रन जोड़े।

हांगकांग ओपन : एंटोनसेन को वॉकओवर से पुरुष एकल का खिताब



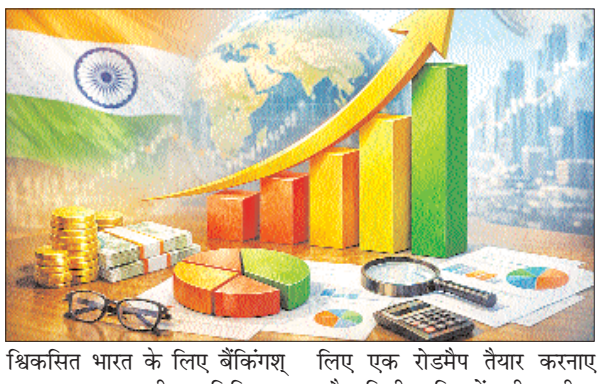
झियी ने महिला एकल का खिताब बरकरार रखा

हांगकांग। हांगकांग ओपन 2026 में डेनमार्क के एंडर्स एंटोनसेन को पुरुष एकल का चैंपियन घोषित किया गया। फाइनल मुकाबले से पहले दूसरी वरीयता प्राप्त कुनलावुत वितिदसर्न ने पीठ की चोट के कारण अपना नाम वापस ले लिया, जिसके बाद एंटोनसेन को वॉकओवर मिल गया। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने रविवार को एक बयान में कहा, पुरुष एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त कुनलावुत वितिदसर्न पीठ की चोट के कारण ली-निंग हांगकांग ओपन 2026 के फाइनल मुकाबले से हट गए हैं। उनके प्रतिद्वंद्वी एंडर्स एंटोनसेन को पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान खिताब प्रदान किया जाएगा। एंटोनसेन ने भारत के लक्ष्य सेन को 21-13, 21-13 से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि वितिदसर्न ने 72 मिनट तक चले सेमीफाइनल मुकाबले में इंडोनेशिया के मोहम्मद जकी उबैदिल्लाह को 18-21, 21-15, 21-16 से हराया था। हांगकांग में मिली यह जीत एंटोनसेन का इस साल का दूसरा बीडब्ल्यूएफ 500 खिताब है।

सीआईआई ने ऋण, पूंजी बाजार और बीमा क्षेत्र में की सुधारों की मांग

नयी दिल्ली

भारतीय उद्योग परिसंघ ने बैंकिंग, गैर-बैंकिंग वित्त, पूंजी बाजारए बीमा और वित्तीय प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में 15 प्राथमिकता वाले सुधारों का सुझाव दिया है। इनमें बेहतर तरीके से संचालित गैर.बैंकिंग वित्तीय कंपनियों के लिए एक स्थायी और नियम.आधारित लिक्विडिटी विंडो, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को दिए जाने वाले ऋण के ढांचे में बदलावए कम रेटिंग वाले कॉर्पोरेट बॉन्ड के लिए निवेशकों का दायरा बढ़ाना, ऋण वसूली के मामले में एनबीएफसी को अन्य वित्तीय संस्थानों के बराबर अधिकार देनाए और आपदा तथा जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए एक श्नेशनल कैटास्ट्रोफी एंड क्लाइमेट रिस्क पूलश् का गठन शामिल है। सीआईआई ने ये सुझाव ऐसे समय में दिए हैं जब सरकार ने



श्विकसित भारत के लिए बैंकिंगश् पर एक उच्च.स्तरीय समिति का गठन किया है। केंद्रीय बजट 2026.27 में घोषित इस समिति को छह महीने का समय दिया गया है। समिति के कार्यक्षेत्र में बैंकों, विकास वित्तीय संस्थानों और एनबीएफसी की दीर्घकालिक पूंजी जरूरतों का आकलन, प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए ऋण ढांचे की समीक्षाए कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक को अपनाने के लिए एक रोडमैप तैयार करनाए और वित्तीय नियमों की समीक्षा करना शामिल है।

सीआईआई ने इस प्रक्रिया में मदद के लिए अपने दो विस्तृत दस्तावेज सौंपे हैं। सीआईआई ने कहा है कि साल 2047 तक 26.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लिए लगभग 106 ट्रिलियन डॉलर की वित्तीय परिसंपत्तियों की आवश्यकता होगी। वर्तमान में यह आंकड़ा लगभग सात ट्रिलियन डॉलर है। बैंकिंग परिसंपत्तियों को सांकेतिक सकल घरेलू उत्पाद की तुलना में 3.0 से 3.5 प्रतिशत अधिक तेजी से बढ़ना होगा, जिससे जीडीपी की तुलना में बैंक परिसंपत्तियों का अनुपात वर्तमान के लगभग एक गुना से बढ़कर 1.5 गुना तक पहुंच जाएगा। वर्तमान में बीमा और पेंशन परिसंपत्तियां मिलकर जीडीपी का लगभग 10 प्रतिशत हैं और कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट जीडीपी का लगभग 15 प्रतिशत है, जबकि चीन में यह आंकड़ा 36 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में 80 प्रतिशत से अधिक है। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहाए ष्वित्तीय क्षेत्र एक मजबूत स्थिति के साथ इस चरण में प्रवेश कर रहा है। बैंकों और एनबीएफसी की बैलेंस शीट मजबूत हैं और पिछले एक साल में सरकार तथा नियामकों ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

भारत-कनाडा व्यापार समझौता वार्ता का छठा दौर नयी दिल्ली में संपन्न

नयी दिल्ली। भारत.कनाडा व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते के लिए वार्ता का छठा दौर यहां सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार दोनों पक्ष जल्दी से जल्दी समझौते को अंतिम रुप देने के प्रयास को लेकर प्रतिबद्ध हैं। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने 11 से 20 नवंबर तक चली इस बातचीत के बाद शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि छठे दौर का सफलतापूर्वक संपन्न होना, बातचीत को आगे बढ़ाने और द्विपक्षीय आर्थिक तथा व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में दोनों पक्षों की निरंतर भागीदारी और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस दौर में विभिन्न विषयों पर रचनात्मक और सार्थक चर्चा हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने बातचीत को आगे बढ़ाने की दिशा में प्रगति की। चर्चा दोनों देशों के नेताओं तय की गई महत्वाकांक्षी समय.सीमा के भीतर वार्ता को पूरा करने के साझा उद्देश्य से प्रेरित थी।

वैश्विक कारकों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

मुंबई। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह दिग्गज कंपनियों में लिवाली के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों पर रहेगी और प्रमुख सूचकांकों में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। गत सप्ताह विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की लिवाली के दम पर बाजार में जबरदस्त तेजी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,327.26 अंक चढ़कर 83,919.71 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी.50 सूचकांक भी 656.30 अंक यानी 2.61 प्रतिशत ऊपर 25,800.60 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का नौ महीने से अधिक का उच्चतम स्तर है। दिग्गज कंपनियों में जहां लिवाली रही, वहीं वृहत बाजार में निवेशकों की रुचि ज्यादा नहीं रही। निफ्टी मिडकैप.50 सूचकांक में 0.05 प्रतिशत का मामूली वृद्धि देखी गई जबकि स्मॉलकैप.100 सूचकांक 1.08



प्रतिशत टूट गया।

अमेरिका में फेडरल रिजर्व के एक बार फिर ब्याज दर बढ़ाने की आशंका में विदेशों में शेयर बाजारों में जहां गिरावट है, वहीं निवेशक भारतीय शेयर बाजार का रुख कर रहे हैं। इसमें एआई कंपनियों से इतर निवेश की उनकी सोच भी एक कारक है। घरेलू स्तर पर निफ्टी मेटल सूचकांक बीते सप्ताह तीन प्रतिशत और निफ्टी आईटी सूचकांक 1.9 प्रतिशत टूट गया। वहीं बैंकिंग में करीब छह प्रतिशत की तेजी देखी गई। सीमेंट सेक्टर का सूचकांक 4.2 प्रतिशत, एफएमसीजी का 3.6 और ऑटो का 3.1 प्रतिशत चढ़ा। वित्त समूह में 2.9 फीसदी, तेल एवं गैस में दो फीसदी, रियल्टी में 1.9 फीसदी और स्वास्थ्य समूह में 1.4 फीसदी की साप्ताहिक तेजी रही। सेंसेक्स की 30 में से 22 कंपनियों के शेयर साप्ताहिक बढ़त में बंद हुए। मारुति सुजुकी का शेयर सबसे अधिक 8.64 प्रतिशत चढ़ा।

एक्सिस बैंक में 8.60 प्रतिशत, भारतीय स्टेट बैंक में 7.82, अल्ट्राटेक सीमेंट में 6.85, महिंद्रा एंड महिंद्रा में 6.16, कोटक महिंद्रा बैंक में 5.82, एचडीएफसी बैंक में 5.25 और आईटीसी में 5.19 प्रतिशत की तेजी रही।

सरसों तेल एक सप्ताह में 425 रुपये महंगा, तुअर दाल के दाम 201 रुपये बढ़े

नयी दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल को छोड़ अन्य जिंसों में तेजी रही। इस दौरान सरसों तेल 425 रुपये और तुअर दाल 201 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हो गई। चीनी और गेहूं के दाम भी बढ़ गए। बीते सप्ताह सरसों तेल औसतन 425 रुपये और मूंगफली तेल 171 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सोया तेल में 71 रुपये और सूरजमुखी तेल में 60 रुपये की तेजी रही। वनस्पति की कीमत भी 46 रुपये बढ़ गई। वहींए पाम ऑयल छह रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। सप्ताह के दौरान तुअर दाल की औसत कीमत 201 रुपये और चना दाल की 97 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल 69 रुपये और मूंग दाल 57 रुपये महंगी हुई। वहीं मसूर दाल का भाव 15 रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। चीनी में लगातार सातवें सप्ताह तेजी रही। बीते सप्ताह मीठे के बाजार में चीनी का औसत भाव 16 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 5,664 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। गुड़ भी 24 रुपये महंगा हुआ। वहींए खुदरा बाजार में त्योहारी मांग उतरने से चीनी में चार प्रति किलोग्राम की औसत गिरावट रही और यह 60.81 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत नौ रुपये घटकर सप्ताहांत पर 4,358 रुपये प्रति क्विंटल रही। गेहूं की कीमत 13 रुपये बढ़कर 2,970 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। आटा भी 14 रुपये महंगा हुआ और सप्ताहांत पर 3,420 रुपये प्रति क्विंटल बिका।

एफपीआई नवंबर में लिवाली का नया रिकॉर्ड बनाने की ओर

मुंबई

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक नवंबर में भारतीय पूंजी बाजार में रिकॉर्ड निवेश की ओर बढ़ रहे हैं। एफपीआई 20 नवंबर तक 13.67 अरब डॉलर यानी 1,28,608 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश कर चुके हैं। यदि महीने के अंत तक यही रुख जारी रहा तो यह मासिक एफपीआई निवेश का नया रिकॉर्ड हो सकता है। शुद्ध लिवाली बाजार में लगाई गई पूंजी और बाजार से निकाली गई पूंजी का अंतर होता है। इससे पहले सिर्फ दो ही मौके ऐसे रहे हैं जब एफपीआई ने एक ही महीने में भारतीय पूंजी बाजार में 10 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है। दिसंबर 2023 में



उन्होंने 10.15 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश किया था। इसके बाद सितंबर 2024 में उन्होंने 11.16 अरब डॉलर की शुद्ध लिवाली की थी जो अबतक का रिकॉर्ड है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार नवंबर में अबतक एफपीआई ने अकेले इक्विटी में 12.996 अरब डॉलर का शुद्ध निवेश किया है। डेट में उनका निवेश 66.3 करोड़ डॉलर और म्यूचुअल फंड में 1.2 करोड़ डॉलर बढ़ा। वहींए हाइब्रिड उपकरणों में उनका निवेश 1.1 करोड़ डॉलर घट गया। ऐसे समय में जब अमेरिका तथा दुनिया के अन्य प्रमुख बाजारों में एआई कंपनियों में बिकवाली देखी जा रही है, विदेशी निवेशक भारत को सुरक्षित निवेश गंतव्य के रूप में देख रहे हैं जहां एआई का प्रभाव अब भी उतना अधिक नहीं है। इससे पहले अक्टूबर और सितंबर में लगातार दो महीने एफपीआई बिकवाल रहे थे। अक्टूबर में उन्होंने 2.51 अरब डॉलर और सितंबर में 6.11 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की थी।

मौजूदा कैलेंडर वर्ष में अब तक एफपीआई शुद्ध रूप से बिकवाल रहे हैं। उन्होंने 20 नवंबर तक 10.86 अरब डॉलर की शुद्ध निकासी की है। इसमें इक्विटी में उनका निवेश 18ण्41 अरब डॉलर कम हुआ है। डेट और म्यूचुअल फंड में उन्होंने अपना निवेश बढ़ाया है जबकि हाइब्रिड उपकरणों में उनके निवेश में कमी आई है।

मारुति सुजुकी ने चुनिंदा कारों के दाम बढ़ाए

नई दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया ने चुनिंदा कारों की कीमतें 22 नवंबर 2026 से बढ़ा दी हैं। कंपनी ने औसत कीमतों में करीब 0.31 प्रतिशत बढ़ोतरी की है।



कंपनी ने यह फैसला लगातार बढ़ती लागत के दबाव के कारण लिया है। हालांकि किस मॉडल और वेरिएंट की कीमत कितनी बढ़ी है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। मारुति सुजुकी ने कहा कि उसने लागत घटाने की कोशिश जारी रखी। इसके बावजूद बढ़ी लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालना जरूरी हो गया। कंपनी ने बताया कि कीमतों में बढ़ोतरी चुनिंदा मॉडलों पर लागू होगी। ग्राहक खरीदारी से पहले अधिकृत डीलर से नई कीमतों की जानकारी ले सकते हैं। ऑटो कंपनियों की लागत पर कच्चे माल, कलपुर्जों, परिवहन और उत्पादन से जुड़े अन्य खर्चों का असर पड़ता है। इन खर्चों में बढ़ोतरी से वाहनों की मैन्युफैक्चरिंग लागत बढ़ सकती है। इसका असर कारों की कीमतों पर पड़ता है।मारुति सुजुकी इंडिया के शेयर 21 नवंबर शुक्रवार को 13,990 रुपए पर बंद हुए। शेयर में 391 रुपए यानी 2.88 प्रतिशत की बढ़त रही। कंपनी के शेयर का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 17,371 रुपए और निचला स्तर 10,984 रुपए है। मारुति सुजुकी इंडिया ने 26 नवंबर 2026 को निवेशकों के साथ बैठक तय की है। यह बैठक चुनिंदा मॉडलों की कीमतें बढ़ाने की घोषणा से अलग है।

विज्ञान भवन में प्राचीन सामग्रियों के वैज्ञानिक आयु निर्धारण एवं पुरा-जलवायु अध्ययन की मिलेगी सुविधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला एवं गैलरी का करेंगे शुभारंभ



भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार, 23 नवम्बर को भोपाल स्थित मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (मेपकास्ट) के विज्ञान भवन में प्रदेश की प्रथम डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला एवं डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर गैलरी का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव महाकाल द मास्टर ऑफ टाइमज् विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी करेंगे। इस अवसर पर च्राचीन से आधुनिक काल तक वैज्ञानिक विधियों से कालगणनाज् विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित होगी।

ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला प्रदेश में पुरातात्विक सामग्रियों की वैज्ञानिक रूप से आयु निर्धारण और पुरा-जलवायु अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध कराएगी। इस तकनीक के माध्यम से लगभग 10 लाख वर्ष तक पुरानी सामग्रियों की आयु का आकलन किया जा सकेगा। प्रयोगशाला से प्राचीन मानव सभ्यताओं, पर्यावरणीय बदलावों तथा ऐतिहासिक परिस्थितियों के वैज्ञानिक अध्ययन को बढ़ावा मिलेगा। डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर गैलरी में प्रसिद्ध पुरातत्वविद्, चित्रकार एवं इतिहासकार डॉ. वाकणकर के जीवन, शोध एवं योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। भीमबेटका शैलाश्रयों की खोज उनके महत्वपूर्ण योगदानों में शामिल है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान प्राप्त है। गैलरी के माध्यम से उनके शोध एवं भारतीय पुरातत्व के क्षेत्र में योगदान को आमजन, विद्यार्थियों और शोधार्थियों तक पहुंचाया जाएगा।

वैज्ञानिक, पुरातत्वविद् एवं विशेषज्ञ करेंगे विचार-विमर्श

राष्ट्रीय कार्यशाला में भारतीय कालगणना परंपरा, प्राचीन खगोलीय ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के समन्वय पर देश के प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, पुरातत्वविद् एवं विशेषज्ञ विचार-विमर्श करेंगे। कार्यक्रम में विचारक एवं समाजसेवी सुरेश सोनी उपस्थित रहेंगे। विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. शिव कुमार शर्मा, अखिल भारतीय सह-संगठन सचिव प्रवीण रामदास, वीर भारत न्यास के निदेशक श्रीराम तिवारी उपस्थित रहेंगे। मेपकास्ट के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी ने बताया कि परिषद विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को समाज की आवश्यकताओं से जोड़ते हुए अनुसंधान, नवाचार, पारंपरिक ज्ञान, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक विकास को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। डॉ. वाकणकर गैलरी एवं ल्यूमिनेसेंस डेटिंग प्रयोगशाला की स्थापना प्राचीन सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक वैज्ञानिक अनुसंधान के बीच सेतु स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

सीएम ने किया नाथू बरखेड़ा खेल परिसर का उद्घाटन



भोपाल (स्वतंत्र मत)। भोपाल में नाथू बरखेड़ा स्थित अंतरराष्ट्रीय खेल परिसर का 22 नवंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकार्पण किया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया भी मौजूद रहे परिसर में खास तौर पर खेल गांव तैयार किया गया है, जहां मध्यप्रदेश के पारंपरिक खेल, लोक संस्कृति, हस्तशिल्प और देशी खानपान की झलक मिलेगी।

खेल गांव में पिट्ठू, तीरंदाजी, कुश्ती, कबड्डी, भंवरा और रिंग जैसे पारंपरिक खेलों की गतिविधियां होंगी। यहां आने वाले दर्शक इन खेलों को देख सकेंगे और इनमें भागीदारी भी कर सकेंगे।

इसके अलावा ग्रामीण परिवेश, पारंपरिक कला, हस्तशिल्प और स्थानीय व्यंजनों के जरिए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित किया जाएगा। मंत्री सारंग ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के दौरान देश-विदेश से आने वाले खिलाड़ियों और दर्शकों को मध्यप्रदेश की संस्कृति और परंपराओं से परिचित कराने का यह अवसर है। पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने के साथ नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ना भी इसका उद्देश्य है। लोकार्पण समारोह और सुखविंदर सिंह की लाइव परफॉर्मेंस के लिए प्रवेश पूरी तरह नि:शुल्क रहा।



तूफान अकवान से प्रदेश के 12 जिलों में बारिश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। चक्रवाती तूफान अकवान और पहाड़ों पर बर्फबारी से मध्य प्रदेश में भी मौसम बदल गया है। पूर्वी हिस्से यानी-जबलपुर, रीवा-शहडोल संभाग के जिलों में बारिश हो रही है तो भोपाल, इंदौर-उज्जैन में तेज ठंड पड़ रही है। रविवार को 12 जिलों में बारिश का अलर्ट है। जिन जिलों में अगले 24 घंटे के अंदर बारिश होगी, उनमें मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, उमरिया, अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा और पांढुर्णा शामिल हैं। दूसरी ओर, उज्जैन जिले में स्कूलों के समय में बदलाव कर किया गया है। जारी आदेश में कहा है कि नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाएं सुबह 9 बजे से पहले नहीं लगेंगी। रविवार को भी मंडला, सिंगरौली, डिंडौरी, मैहर, रीवा, सीधी और सिंगरौली में कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश हुई। इससे पहले अनूपपुर के अमरकंटक में 1 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

शाला प्रभारी की शिक्षक ने सीएम हेल्पलाइन पर की शिकायत

नामांकन और यूडाइस के आंकड़ों में अंतर

हटा (स्वतंत्र मत)।

विकासखंड हटा के एकीकृत माध्यमिक विद्यालय निमरमुंडा में शाला प्रभारी और शिक्षक के बीच विवाद अब सीएम हेल्पलाइन तक पहुंच गया है। विद्यालय में पदस्थ शिक्षक मनोज बडगैया ने शाला प्रभारी श्यामसुंदर पटेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। खास बात यह है कि पिछले कुछ वर्षों में ग्रामीण भी अलग-अलग समय पर शाला प्रभारी की शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज करा चुके हैं लेकिन कार्रवाई नहीं होने के चलते अब विभाग के ही एक शिक्षक को अपने शाला प्रभारी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के लिए मजबूर होना पड़ा। शिकायत में विद्यालय के छात्र नामांकन और शाला विकास के लिए मिलने वाली राशि को लेकर अनियमितताओं के आरोप लगाए गए हैं। आरोप है कि विद्यालय में सौ से कम बच्चे होने के बावजूद सौ से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन दर्शाया गया है। नियमानुसार सौ से कम विद्यार्थियों पर 25 हजार और सौ से अधिक विद्यार्थियों पर 50 हजार रुपए की राशि मिलने का प्रावधान बताया गया है। मामले की जांच में विद्यालय के रिकॉर्ड में 108 बच्चे दर्ज मिले जबकि यूडाइस पोर्टल पर विद्यार्थियों की संख्या 94 दर्ज है। इसके अलावा विद्यार्थियों का हाजिरी रजिस्टर भी अपडेट नहीं पाया गया। एक कक्ष में किसी व्यक्ति का अनधिकृत कब्जा होने की बात भी सामने आई है। शिकायतकर्ता शिक्षक का आरोप है कि सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने के बाद शाला प्रभारी ने उनके शिक्षक उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर कराना बंद कर दिया। इससे विद्यालय की प्रशासनिक व्यवस्था और शाल प्रभारी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस संबंध में बीआरसी एमएल अहिरवार का कहना है कि उनके द्वारा मामले की जांच कराकर जांच प्रतिवेदन वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दिया गया है। अग्रिम कार्रवाई वहीं से की जाएगी। अब देखना होगा कि जांच प्रतिवेदन के बाद शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मामले में क्या कार्रवाई करते हैं।

श्री सत्य साई बाबा का 101 वां अवतरण दिवस आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। श्री सत्य साई सेवा समिति व संगठन जिला दमोह द्वारा 23 नवम्बर को संध्या 6 बजे से भगवान श्री सत्य साई बाबा का 101 वां अवतरण दिवस समारोह स्थानीय श्रीराम मंदिर प्राचीन परिसर से आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि व वक्ता शिक्षाविद व साहित्यकार डॉ. पीएल शर्मा पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी होंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वेद पाठ, साई भजन,सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

वृंदावन धाम में 25 नवंबर से 3 दिसंबर तक होगी श्रीमद्भागवत कथा

दमोह (स्वतंत्र मत)।

बुंदेलखंड के प्रसिद्ध कथावाचक कमलेश्वरानंद महाराज के पावन सानिध्य में श्री वृंदावन धाम में 25 नवंबर से 3 दिसंबर तक नौ दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में दमोह जिले से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यजमान के रूप में शामिल होकर श्री वृंदावन धाम पहुंचेंगे और पूज्य महाराज श्री के श्रीमुख से श्रीमद्भागवत कथा का श्रवण कर धर्म एवं भक्ति की अविरल धारा में सहभागी बनेंगे। श्री कमलेश्वरानंद महाराज ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा भारतीय सनातन संस्कृति, आध्यात्मिक चेतना और भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति का अनुपम माध्यम है। वृंदावन धाम की पावन भूमि पर आयोजित इस कथा में श्रद्धालुओं को भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, भक्ति, ज्ञान और जीवन के आध्यात्मिक संदेशों का श्रवण करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। दमोह के श्रद्धालुओं में इस आयोजन को लेकर विशेष उत्साह है। नौ दिनों तक चलने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से श्रद्धालु वृंदावन धाम की पावन आध्यात्मिक अनुभूति प्राप्त करेंगे।

स्वदेशी मेला द्वतीय दिवस: मातृ शक्ति ने गरबे से की मां की आराधना

स्कूली छात्रों ने दी मनमोहक प्रस्तुतियां, मेले के माध्यम से स्वदेशी और सशक्त भारत की कल्पना हो रही साकार

दमोह (स्वतंत्र मत)।

स्वर्णिम भारत फाउंडेशन और स्वदेशी जागरण मंच द्वारा नगर के तहसील मैदान में आयोजित स्वदेशी मेला के द्वितीय दिवस सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में स्थानीय और धार्मिक परंपरा का समागम हो रहा है और इसके साथ ही मेले में आए स्थानीय और स्वदेशी उत्पाद भी लोगों के द्वारा पसंद किए जा रहे है। मेले में उमड़ती भीड़, सशक्त, स्वाबलंबी और स्वाभिमानी भारत का प्रतिविंब को दिखाती है कि विदेशी उत्पादों को छोड़कर लोग स्वदेशी उत्पादों और संस्कृति को फिर आत्मसात कर रहे है। स्वदेशी मेले का द्वितीय दिवस नारी शक्ति को समर्पित रहा। जहां मंच से लेकर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में नारी शक्ति प्रमुख रही। द्वितीय दिवस की प्रस्तुतियों में नारी शक्ति ने हाथों में जलते दीपकों को लेकर गरबा नृत्य से माँ शक्ति की आराधाना की। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की कमान नगर के स्कूली छात्रों ने संभाली जिसमें जेपीबी स्कूल के छात्रों द्वारा बुंदेलखंड के प्रसिद्ध और परंपरागत नृत्य बधाई की प्रस्तुति दी।

इसके अलावा शासकीय विद्यालय हिरदेपुर के छात्रों ने तीन अलग-अलग नृत्यों की प्रस्तुतियां देकर उपस्थित दर्शकों का सादगीपूर्ण मनोरंजन किया। केएलसी विद्यालय के छात्रों ने भी अपनी नृत्य प्रस्तुति दी।

महिला शक्ति का हुआ सम्मान

नारी शक्ति को समर्पित इस दिवस मे मंच पर विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत नारी शक्ति को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जिपं अध्यक्ष रंजीता पटेल, जिपं उपाध्यक्ष श्रीमति मंजु कटारे, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष वर्षा रैकवार, एसडीओपी पथरिया सुश्री प्रिया सिंधी, लघु उद्योग भारती उपाध्यक्ष श्रीमति मनोरमा रतले, समाजसेवी श्रीमति ऋतु अग्रवाल, अभा असाटी समाज से श्रीमति कंचन असाटी, नगर पालिका पार्षद कविता राय, समाजसेवी श्रीमति एकता विश्वकर्मा, श्रीमति रश्मि वर्मा, श्रीमति दीप्ती खरे एवं श्रीमति इंदु जैन मौजूद रहीं। इन सभी का आयोजन समिति के द्वारा सम्मान किया गया और उपस्थित दर्शकों के साथ इन सभी ने स्वदेशी अपनाने की शपथ ली।



संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आज होगा भंडारे के साथ समापन

पथरिया (स्वतंत्र मत)। नगर के वार्ड क्रमांक 15 स्थित देवी खटीक खेरमाता एवं महाकाली मंदिर परिसर में इन दिनों भक्ति और आध्यात्मिकता का अनूठा वातावरण देखने को मिल रहा है। यहां कार्तिक मास के पावन अवसर पर भव्य संगीतमय श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। 16 नवंबर से प्रारंभ हुए इस धार्मिक आयोजन में वृंदावन से पधारे रामविहारी शास्त्री हंसासार वाले अपने मधुर प्रवचनों एवं संगीतमय शैली में श्रद्धालुओं को भागवत कथा का रसपान करा रहे हैं। आयोजन के दौरान प्रतिदिन भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं एवं भागवत के प्रसंगों का वर्णन किया जा रहा है। कथा के अंतर्गत राजा परीक्षित जन्म प्रसंग, सृष्टि निर्माण एवं शुकदेव आगमन, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव एवं नंदोत्सव, बाल लीलाएं, माखन चोरी लीला, कंस वध, रुक्मिणी विवाह तथा सुदामा चरित्र जैसे प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया गया है।

कथा वाचक द्वारा भजनों और संगीतमय प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति और जीवन में सदाचार का संदेश दिया जा रहा है। आयोजन के मुख्य यजमान हरिराम यादव एवं पार्वती यादव हैं। उनके साथ समस्त यादव परिवार द्वारा धार्मिक आयोजन की व्यवस्थाएं की जा रही हैं। कथा प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से हरि इच्छा तक आयोजित हो रही है। रविवार को सुदामा चरित्र कथा, पूर्णाहुति एवं हवन पूजन का कार्यक्रम निर्धारित है।

पथरिया कृषि उपज मंडी में ट्रक चालक से मारपीट

गेहूं की लोडिंग को लेकर हुआ विवाद, चालक और कंडक्टर के साथ मारपीट का आरोप

पथरिया (स्वतंत्र मत)। कृषि उपज मंडी पथरिया में ट्रक लोडिंग को लेकर हुए विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया। यहां ट्रक में गेहूं लोड कराने पहुंचे ट्रक चालक रघुवीर पाल निवासी नन्हीं टहरी जिला टीकमगढ़ और कंडक्टर के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित चालक ने मंडी में मौजूद पथरिया निवासी पारस जैन और उसके साथ कुछ लोगों द्वारा गाली गलौज, मारपीट और जान से खत्म करने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। मारपीट के दौरान ट्रक चालक के सर में भी गंभीर चोट आई है।



शिकायत के आधार पर पथरिया पुलिस ने चार धाराओं में पारस जैन पर एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में दर्ज शिकायत के मुताबिक घटना 21 नवंबर की सुबह करीब 5:30 बजे की है। ट्रक क्रमांक एमपी16जेडजी1970 का चालक अपना वाहन लेकर पथरिया कृषि उपज मंडी में गेहूं लोड कराने पहुंचा था। इसी दौरान लोडिंग को लेकर विवाद हो गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि ट्रक में गेहूं लोड कराने से मना करने के बाद विवाद बढ़ा और उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट की गई। बीच बचाव के दौरान उसके कंडक्टर अनिल पाल के साथ भी मारपीट किए जाने की बात शिकायत में कही गई है। घटना में चालक के सिर और पीठ में चोटें आने का उल्लेख है। पीड़ित ने शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि घटना के दौरान उसे जान से खत्म करने की धमकी दी गई। इसके बाद डायल 112 को सूचना दी गई और घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मामले में पुलिस ने 21 नवंबर 2026 को रात 8रू12 बजे एफआईआर दर्ज की। और पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता बीएनएस 2023 की धारा 296 (बी), 115 (2), 118 (1) और 351 (2)के तहत प्रकरण दर्ज किया है।



समाज की भागीदारी से विकास कार्यों को और तेजी से पूरा किया जा सकता हैं : राज्यमंत्री पटेल

राज्यमंत्री ने 14 लाख से अधिक के निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

दमोह (स्वतंत्र मत)। आनंद विभाग राज्यमंत्री लखन पटेल ने ग्राम बकायन में 37 लाख रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन स्थल का निरीक्षण किया। साथ ही 13 लाख रुपये की लागत से शासकीय हाई स्कूल में अतिरिक्त कक्ष तथा 1 लाख 50 हजार रुपये की लागत से छात्र-छात्राओं के लिए साइकिल स्टैंड पार्किंग का भूमिपूजन किया। राज्यमंत्री श्री पटेल ने बकायन स्थित प्राचीन इमला वाले हनुमान जी के दर्शन कर विधिविधान से पूजा अर्चना कर क्षेत्र की सुख समृद्धि और खुशहाली की कामना की। उन्होंने कहा शासन की योजनाओं के साथ साथ समाज की भागीदारी से विकास कार्यों को और तेजी से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने स्कूल और सामुदायिक भवन तक सुगम आवागमन के लिए ग्रामीणों एवं अन्य जनप्रतिनिधियों से जनसहयोग के माध्यम से मिट्टी-मुर्रम की सड़क तैयार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर वेदराम पटेल, अरविंद पटेल, बकायन सरपंच सहित गणमान्य नागरिक, ग्रामीणजन मौजूद रहे।

24 लाख की सीसी सड़क 6 माह में उखड़ने लगी

गिट्टी निकलने से उड़ रही धूल, निर्माण के दौरान वार्डवासियों ने उठाए थे गुणवत्ता पर सवाल

हटा (स्वतंत्र मत)।

गांधी वार्ड बूढ़ा हटा में जनपद पंचायत कार्यालय के पीछे नगर पालिका द्वारा करीब 24 लाख रुपए की लागत से बनाई गई सीसी सड़क महज छह माह में उखड़ने लगी है। सड़क की ऊपरी परत से गिट्टी बाहर निकल रही है और वाहनों की आवाजाही से धूल उड़ने लगी है। निर्माण के समय ही वार्डवासियों ने गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए सीएमओ और एसडीएम को शिकायत सौंपी थी लेकिन इसके बावजूद निर्माण कार्य जारी रहा।



उस समय वार्डवासियों को मजबूत सड़क बनाने और लंबे समय तक टिकाऊ निर्माण का आश्वासन दिया गया था। अब छह माह के भीतर ही सड़क की हालत देखकर लोग निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं। वार्डवासियों का कहना है कि पहले उन्हें कीचड़ भरे रास्ते से निकलना पड़ता था। सीसी सड़क बनने से उम्मीद थी कि वर्षों तक परेशानी नहीं होगी लेकिन निर्माण में अनदेखी के चलते सड़क जल्द ही खराब होने लगी। इसी तरह जनपद पंचायत कार्यालय के बाजू से नाले की ओर बनाई गई सड़क पर भी जगह-जगह गिट्टी दिखाई देने लगी है। ऐसे में निर्माण कार्य के दौरान उपयंत्री की निगरानी और गुणवत्ता परीक्षण की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

भुगतान नहीं होने की बात कहकर पल्ला झाड़ा

मामले में उपयंत्री जाकिर रंगरेज का कहना है कि निर्माण कार्य में गड़बड़ी होने के कारण सीसी सड़क का भुगतान नहीं किया गया है। अभी केवल नाली निर्माण का भुगतान हुआ है। हालांकि सवाल यह है कि यदि निर्माण में गड़बड़ी थी तो समय रहते सुधार क्यों नहीं कराया गया और सड़क की मौजूदा स्थिति के लिए जिम्मेदारी किसकी तय होगी।

मोड़ पर पुलिया की पत्थर की रेलिंग टूटी, हादसे का खतरा



हटा (स्वतंत्र मत)।

हटा-पटेरा मार्ग पर नागाबाबा के सामने स्थित पुलिया की पक्के पत्थरों से बनी रेलिंग टूट गई है। सड़क पर मोड़ होने के कारण यहां हादसे का खतरा बढ़ गया है।

रेलिंग क्षतिग्रस्त होने से वाहन चालकों को पुलिया की सीमा का अंदाजा लगाना मुश्किल हो सकता है। खासकर रात के समय दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। यह मार्ग आवागमन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है लेकिन पुलिया की सुरक्षा रेलिंग टूटने के बाद भी इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मोड़ पर रेलिंग का होना बेहद जरूरी हैए ताकि वाहन अनियंत्रित होने पर पुलिया से नीचे गिरने से बच सकें। संबंधित विभाग को समय रहते रेलिंग की मरम्मत करानी चाहिए ताकि किसी बड़ी दुर्घटना से पहले सुरक्षा इंतजाम दुरुस्त हो सकें।

▸▸ प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल प्राप्त करने पर छात्रा हुई सम्मानित



शासकीय आईटीआई कुंडम में दीक्षांत समारोह आयोजित

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कुंडम में 21 नवम्बर को दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पूर्व विधायक नंदिनी मरावी, सहायक संचालक ऋतु चतुर्वेदी और संस्था प्राचार्य अंजनी कुमार द्विवेदी उपस्थित रहे। अतिथियों ने प्रशिक्षण पूरा करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान संस्था की छात्रा रिंकी झारिया ने प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया। अतिथियों ने युवाओं को तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास और आत्मनिर्भरता के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर उत्कृष्ट विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

▸▸ तीनों मंडलों में 2,995 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र बनकर तैयार



पश्चिम मध्य रेल में डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान को गति

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल प्रशासन द्वारा रेल पेंशनरों एवं पारिवारिक पेंशनरों की सुविधा के लिए 30 नवंबर 2026 तक डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान संचालित किया जा रहा है। इसके तहत पश्चिम मध्य रेल में अब तक कुल 2,995 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए जा चुके हैं। मंडलवार उपलब्धि में जबलपुर मंडल में 840, भोपाल मंडल में 775 तथा कोटा मंडल में 735 डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र तैयार किए गए हैं। इसके अतिरिक्त पमरे मुख्यालय में 645 प्रमाण पत्र तैयार किए गए हैं। अभियान के तहत मुख्यालय, तीनों मंडलों एवं संबंधित इकाइयों में विशेष शिविर आयोजित कर पेंशनरों को डिजिटल प्रमाण पत्र बनाने में तकनीकी सहायता, निःशुल्क स्वास्थ्य जांच तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

आज टूटेंगे भोपाल ऐशबाग के 599 क्वार्टर, रोक लगाने के लिए अवकाश के दिन हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

याचिका की सुनवाई कर हाईकोर्ट ने रोक लगाने से किया इनकार





जबलपुर (स्वतंत्र मत)

भोपाल के ऐशबाग में स्थित जनता क्वार्टर के 600 मकानों को तोड़ने की कार्यवाही सोमवार 23 नवंबर से जारी रहेगी। रविवार 22 नवंबर को छुट्टी के दिन मप्र हाईकोर्ट में विशेष सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की कोर्ट ने सभी क्वार्टरों के ध्वस्तीकरण पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि क्वार्टर नंबर 465 के आवंटी मोहम्मद हफीज खान को 2 दिन की राहत दी गई है। अब याचिकाकर्ता और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी कलेक्टर के साथ बैठक कर किराए की राशि तय करेंगे और बुधवार को हाईकोर्ट को इसकी जानकारी देंगे।

मकान तोड़ने पर रोक लगाने की मांग

दरअसल ऐशबाग स्थित जनता क्वार्टर 465 के आवंटी मोहम्मद हफीज खान ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। उन्होंने कहा कि वह वैध आवंटी हैं, इसके बावजूद नगर निगम सोमवार 23 नवंबर को सभी 600 जनता क्वार्टर तोड़ने की कार्यवाही करने जा रहा है। इस कार्रवाई में उनका मकान भी शामिल है, इसलिए इसे रोका जाए। भोपाल नगर निगम की ओर से अधिवक्ता सुयश मोहन गुरु ने कोर्ट को बताया कि क्वार्टर तोड़ने की कार्रवाई हाउसिंग बोर्ड के कहने पर की जा रही है।

2016 में जर्जर किए गए थे घोषित

हाउसिंग बोर्ड के अधिवक्ता कपिल दुग्गल ने हाईकोर्ट को बताया कि नगर निगम ने वर्ष 2016 में ही ऐशबाग के 600 जनता क्वार्टर को जर्जर घोषित कर दिया था। उनकी मौजूदा हालत में जान-माल के नुकसान की प्रबल आशंका है। क्वार्टर खाली करने के लिए आवंटियों को समय-समय पर कई नोटिस भी जारी किए गए थे। उन्होंने बताया कि हाउसिंग बोर्ड शासन की रीडेवलपमेंट स्कीम के तहत वैध आवंटियों को पुनर्निर्मित भवन में नए प्रकोष्ठ आवंटित करेगा। नीति के अनुसार निर्माण अवधि के दौरान आवंटियों को किराया भी दिया जाएगा। इधर याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप नायर और अधिवक्ता कबीर पॉल ने आशंका जताई कि शासन किराए की राशि काफी कम तय करेगा। इस पर हाउसिंग बोर्ड की ओर से आपत्ति जताते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ता की शिकायत किराया निर्धारण की दर को लेकर है। एक व्यक्ति की इस आशंका के आधार पर बाकी 599 क्वार्टरों को तोड़ने की कार्रवाई नहीं रोकी जा सकती।

क्वार्टर नंबर 465 को तोड़ने पर बुधवार तक रोक

वहीं मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की कोर्ट ने पूरी ध्वस्तीकरण कार्यवाही स्थगित करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता और हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी कलेक्टर के साथ बैठक कर किराए की राशि तय करें और बुधवार को हाईकोर्ट को इसकी जानकारी दें। तब तक केवल याचिकाकर्ता के क्वार्टर नंबर 465 को तोड़ने पर रोक रहेगी। बाकी 599 जनता क्वार्टरों को तोड़ने की कार्यवाही सोमवार को तय कार्यक्रम के अनुसार जारी रहेगी।



जिज्ञासा-2026 का समापन, जिनसार के विद्यार्थियो ने जीते पुरस्कार

विज्ञान भारती द्वारा मप्र विज्ञान और प्रोद्यागिकी परिषद भोपाल के सहयोग से हुआ आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। विज्ञान भारती द्वारा मप्र विज्ञान और प्रोद्यागिकी परिषद भोपाल के सहयोग से विज्ञान के प्रति छात्र-छात्राओ में जागरूकता जगाने के लिए पांच दिवसीय जिज्ञासा-2026 का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल एवं कालेज के विद्यार्थियो ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस पांच दिवसीय आयोजन में हितकारिणी सभा द्वारा संचालित जबलपुर इन्स्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग साइंस एवं रिसर्च (जिनसार)के विद्यार्थियो ने प्राचार्या डॉ प्रिन्सी साजी के मार्गदर्शन एवं कार्यकम प्रभारी राष्ट्रीय सेवा योजना प्रो अनूप तिवारी के निर्देशन में अनेक प्रतियोगिताओ में हिस्सा लिया तथा पुरस्कार जीते। पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन सेण्ट अलासियस कालेज में हुआ जिसमें महाविद्यालय की बीएससी नर्सिंग की छात्रा मुस्कान शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कु सन्जना को सान्तवना पुरस्कार प्राप्त हुआ। वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय विज्ञान महाविद्यालय में हुआ जिसमें प्रथम सेमेस्टर की छात्रा सेरोनिका मसीह को तृतीय पुरुष्कार प्राप्त हुआ। माडल प्रतियोगिता में चतुर्थ वर्ष की छात्राओ सान्या कौसर, दीपा कोल, ज्ञानेश्वरी, शृष्टि शर्मा को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों ने लिया हिस्सा

इस पांच दिवसीय आयोजन में प्रथम दिवस सांसद जबलपुर आशीष दुबे, द्वितीय दिवस कलेक्टर अरूण विश्वकर्मा, तृतीय दिवस डॉ भारतेन्दु सिह, एवं चतुर्थ दिवस अजय विश्नोई विधायक पाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस आयोजन के दौरान देश के ख्याति प्राप्त वैज्ञानिकों के उदबोधन हुए, जिसमें डॉ नवीन शर्मा वरिष्ठ वैज्ञानिक भारत सरकार, डॉ आशुतोष सिह निदेशक भारतीय प्रोद्यागिकी संस्थान भोपाल, डॉ करूणेश शुक्ला निदेशक मेनिट भोपाल, डॉ भारतेन्दु सिह निदेशक ट्रिपल आईटीडीम, डॉ अजीत विद्यार्थी वैज्ञानिक प्रदूषण नियंत्रण मण्डल भारत सरकार प्रमुख थे। कार्यक्रम के दौरान शासन द्वारा प्रदेश में विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओ के लिए जिनसार के प्रो डॉ अनूप तिवारी को प्रशस्ति पत्र भेट कर सम्मानित किया गया। समापन समारोह का आयोजन पीएमश्री शासकीय महाकौशल कालेज जबलपुर में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी अशोक रोहाणी विधायक केण्ट रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ अलकेश चर्तुवेदी ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह संगठनमंत्री रामदास एवं प्रदेशाध्यक्ष डॉ एसपी गौतम तथा महासचिव डॉ मुकेश राय मंचासीन रहे। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के साथ महाविद्यालय के शिक्षक भानुनिप्रया रजक, अरविन्द यादव, आशीष दाउद उपस्थित रहे।

माल परिवहन से पमरे ने कमाया अरबों का राजस्व

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। पश्चिम मध्य रेल द्वारा माल परिवहन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने, नए माल यातायात को रेल नेटवर्क से जोड़ने तथा बुनियादी ढांचे के विस्तार के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों के उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हो रहे हैं। इसी कड़ी में वर्तमान वित्तीय वर्ष में अक्टूबर माह तक (अप्रैल से अक्टूबर 2026) पश्चिम मध्य रेल ने कुल 33.81 मिलियन टन माल लोडिंग दर्ज करते हुए माल परिवहन से 3,582 करोड़ 19 लाख का राजस्व अर्जित किया है। गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि (अप्रैल-अक्टूबर 2025) की तुलना में इस वर्ष कुल माल लोडिंग में 7.47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो पिछले वर्ष 31.47 मिलियन टन थी। वहीं, माल यातायात से प्राप्त राजस्व में भी 11.44 प्रतिशत का उल्लेखनीय इजाफा हुआ है, जो गत वर्ष के 3,214 करोड़ 35 लाख से बढ़कर इस वर्ष 3,582 करोड़ 19 लाख के स्तर पर पहुंच गया है। यह उपलब्धि पश्चिम मध्य रेल की कुशल कार्यप्रणाली, बेहतर परिचालन प्रबंधन और माल ग्राहकों को दी जा रही त्वरित परिवहन सुविधाओं को दर्शाती है।

26 को निकाला जाएगा संविधान रक्षा मार्च, कांग्रेसियों ने कसी कमर



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। आगामी 26 नवंबर को जबलपुर में आयोजित होने वाले भव्य संविधान रक्षा मार्च की तैयारियों को लेकर 22 नवंबर को होटल गुलजार में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सज्जन सिंह वर्मा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस बैठक में संविधान रक्षा मार्च को सफल बनाने एवं आयोजन की विस्तृत रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में मार्च की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी जबलपुर ग्रामीण के अध्यक्ष संजय यादव, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सौरभ शर्मा, विधायक लखन घनघोरिया, पूर्व मंत्री तरुण भनोट, प्रभारी राजकुमार खुराना, पूर्व विधायक संजय शर्मा सहित वरिष्ठ कांग्रेसजन, जिला एवं नगर पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान का हुआ शुभारम्भ

जबलपुर (स्वतंत्र मत)



राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान अंतर्गत जबलपुर में 3.89 लाख शून्य से 5 वर्ष तक आयु के बच्चों को पोलियो की खुराक देने का लक्ष्य रखा गया है। जिला स्तरीय अभियान का शुभारंभ शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनमोहन नगर में विधायक डॉ अभिलाष पाण्डेय द्वारा बच्चों को पोलियो की खुराक देकर किया गया। डॉ अभिलाष पाण्डेय ने हितग्राही बच्चों के साथ उपस्थित अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से अपने नौनिहालों को बचाने के लिए केंद्र सरकार प्रतिवर्ष राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान आयोजित करती है अभिभावकों को सब काम छोड़कर सबसे पहले अपने बच्चों को पोलियो की खुराक देकर बच्चों के जीवन को सुरक्षित करने का काम करना चाहिए। शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नवीन कोठारी, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ विनोद गुप्ता, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अंशुल शुक्ला, जिला मीडिया अधिकारी अजय कुरील, कंट्रोल रूम प्रभारी विजय पाण्डेय उपस्थित रहे। जिले में अभियान के प्रथम दिवस 79.80 प्रतिशत (310422) बच्चों को पोलियो की खुराक दी गई। शेष रह गए बच्चों को अभियान के द्वितीय एवं तृतीय दिवस वैक्सीनेटर टीम द्वारा घर घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। अभियान के सफल संचालन के लिए जिले में 2466 बूथ बनाया गए थे इन बूथ में 4932 वैक्सीनेटर टीम की ड्यूटी लगाई गई थी। बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित बरगी डैम डूब क्षेत्र में भी नाव के माध्यम से स्वास्थ्य टीम पहुंची और डूब क्षेत्र कठोतिया में 35 बच्चों को पोलियो की खुराक देकर उन्हें पोलियो की बीमारी से प्रतिरक्षित किया गया।

ब्राह्मण समाज के वैवाहिक महाकुंभ में उमड़ा जनसैलाब एक ही दिन में दर्जनों रिश्ते तय, कई राज्यों से पहुंचे लोग



जबलपुर (स्वतंत्र मत)। ब्राह्मण स्वयंवर संस्कार महासभा द्वारा प्रतिवर्षानुसार आयोजित मुख्य युवक-युवती वैवाहिक परिचय सम्मेलन में हजारों की संख्या में समाजबंधुओं की उपस्थिति रही। मानस भवन में हुए इस आयोजन में एक ही दिन में 168 वैवाहिक रिश्ते तय हुए, लगभग 600 नए वैवाहिक बायोडाटा पंजीयन हेतु प्राप्त हुए तथा 200 से अधिक युवक-युवतियों ने मंच पर आकर स्वयं अपना परिचय प्रस्तुत किया। महासभा की वैवाहिक परिचय पत्रिका नवजीवन का विमोचन भी अतिथियों द्वारा किया गया, जिसमें 1101 विवाह योग्य युवक-युवतियों के परिचय संकलित हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंत्री राकेश सिंह रहे तथा अध्यक्षता विधायक डॉ. अभिलाष पांडे ने की। विशिष्ट अतिथियों में सांसद पं. आशीष दुबे, जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन गुड्डा आदि उपस्थित रहे। महासभा के संस्थापक पं. वीरेंद्र तिवारी ने समापन उद्बोधन में कहा कि महासभा का उद्देश्य केवल युवक-युवतियों का परिचय कराना नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक परिवार को एक विश्वसनीय वैवाहिक मंच प्रदान करना, सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए मजबूत सामाजिक संबंधों का निर्माण करना है। आयोजन में संस्थापक पं. वीरेंद्र तिवारी, अध्यक्ष पं. मुन्नालाल दुबे, महासचिव पं. दिलीप दुबे, प्रदेश अध्यक्ष पं. अरुण मिश्रा, प्रदेश सचिव पं. विनय मोहन मिश्रा, महिला सभा प्रदेश अध्यक्ष मीरा दुबे, सचिव रेणुका तिवारी, जबलपुर महिला अध्यक्ष जागृति शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

सूर्य हाफ मैराथन- 2026 का आयोजन 7500 धावकों ने दौड़कर बनाया रिकॉर्ड

हेडक्वार्टर सेंट्रल कमांड के तत्वावधान में हुए विविध आयोजन





जबलपुर (स्वतंत्र मत)

हेडक्वार्टर सेंट्रल कमांड के तत्वावधान में, हेडक्वार्टर मध्य भारत एरिया द्वारा आयोजित सूर्य हाफ मैराथन 2026 का चौथा संस्करण, इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन के सफर में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित हुआ। इसमें लगभग 7,500 धावकों ने अभूतपूर्व भागीदारी की, जिनमें सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से आए आम नागरिक शामिल थे। यह आयोजन राष्ट्रीय भावना, फिटनेस और सामूहिक संकल्प के एक शानदार उत्सव के रूप में उभरा। शहीदों को सम्मान, पूर्व सैनिकों को नमन की प्रेरणादायक थीम पर आधारित यह मैराथन, बहादुर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान के प्रति एक भावपूर्ण श्रद्धांजलि थी और साथ ही पूर्व सैनिकों की वीरता और उनकी सेवाओं को दी गई एक स्थायी मान्यता थी।

बना उत्सव जैसा माहौल

इस आयोजन को मध्य भारत एरिया के जनरल ऑफिसर कमांडिंग, लेफ्टिनेंट जनरल हरबिंदर सिंह वंद्रा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सेना और नागरिक प्रशासन के कई वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे। 21 किमी, 10 किमी और 5 किमी की तीन श्रेणियों में लोगों ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस आयोजन ने अलग-अलग पीढ़ियों के लोगों को एक साथ लाकर खेल उत्कृष्टता और राष्ट्रीय गौरव की भावना से जोड़ दिया। इस कार्यक्रम को और भी खास बनाने के लिए पैरा-मोटर और हॉट एयर बैलून का शानदार प्रदर्शन, जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम, पारंपरिक लोक प्रस्तुतियां और जुम्बा सत्र आयोजित किए गए, जिससे पूरे आयोजन में एक अनोखा उत्सव जैसा माहौल बन गया। भारतीय सेना, नागरिक प्रशासन, पुलिस, व्यापार समुदाय और स्थानीय लोगों के सामूहिक प्रयासों ने इस भव्य पहल को एक बड़ी सफलता दिलाई। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट), ने भारतीय सेना, हेडक्वार्टर मध्य भारत एरिया, जिला एवं पुलिस प्रशासन, आयोजन से जुड़े सभी अधिकारियों, स्वयंसेवकों और नागरिकों को इस शानदार आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन जबलपुर की पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत करते हैं तथा नई पीढ़ी में अनुशासन, फिटनेस, राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करते हैं।

पानी की टंकी के पास मिली युवक की लाश, जांच में जुटी पुलिस



सिहोरा (स्वतंत्र मत)। सिहोरा थाना अंतर्गत सगोड़ी गांव के पास रविवार सुबह पानी की टंकी के नजदीक 29 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान विनोद चौधरी के रूप में हुई है। ग्रामीणों ने शव पड़ा देखा तो इसकी सूचना परिजनों को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। परिजनों के मुताबिक विनोद शनिवार को घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। रविवार सुबह उसकी मौत की खबर मिली। प्रारंभिक जानकारी में करीब 15 फीट ऊंची निर्माणाधीन पानी की टंकी से गिरने की आशंका जताई जा रही है।



हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक**- **राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक**- **सुबोध दुबे, सम्पादक**- **राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**